हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 मार्च, 1991

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 5 मार्च, 1991

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए ताराकित प्र नों के लिखित उत्तर	(3)23
विभिन्न विशयों को उठाया जाना	(3)24

वाक आउट	(3)30
सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	(3)30
विभिन्न विशयों को उठाया जाना (पुनरारम्भ)	(3)31
उपाध्यक्ष का चुनाव	(3)32
बिल (इंट्राड्यूस्ट सदन की अनुमति से)–	
दि हरियाणा एण्ड पंजाब एग्रीकलचरल यूनिवसिटीटज (हरियाणा अमैंडमैंट)	(3)34
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)34
वैयक्तिक स्प टीकरण–	
लोक स्वास्थ्य राजय मंत्री द्वारा	(3)40
श्री राम बिलास भार्मा द्वारा	(3)41
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)42
बैठक का समय बढ़ाना	(3)83
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)84
बैठक का समय बढ़ाना	(3)91
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)91

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 5 मार्च, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार हरमोहिन्दर सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगे।

Loss suffered by Haryana Roadways Bus Depot in the State

1365 Sh. Sita Ram Singla: Will the Minister of State for Transport by pleased to state—

(a) Whether any bus depot of Haryana Roadways in the State has been running in loss during the period from March, 1990 to-date; and

(b) If so, the names/locations thereof together with the reasons therefore?

परिवहन राज्य मंत्री (श्री वेद सिंह मलिक):

(क) जी हां,

(ख) हरियाणा परिवहन के निम्न 12 डिपोज ने मार्च, 1990 से जनवरी, 1991 की अवधि में हानि दिखाई है:–

क्रम संख्या	डिपों
1	भिवानी
2	हिसार
3	सिरसा
4	रिवाड़ी
5	फरीदाबाद
6	फतेहाबाद
7	कुरूक्षेत्र
8	रोहतक
9	कैथल
10	गुडगांव
11	यमुनानगर
12	जींद

मण्डल आयोज की सिफारि ाों के विरूद्ध आंदोलन से उत्पन्न हुई गड़गड़ तथा परिचालनमें खर्चे की वृद्धि इस अवधि में हानि के मुख्य कारण है।

श्री सीताराम सिगलाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जय जानना चाहता हूं कि हरियाणा में कुल कितने डिपों हैं जिन डिपुओं में हानि दिखाई है, उनकी संख्या कितनी है ओर आरक्षण विरोधी आंदोलन के काकरण कितना नुकसान हुअ हैं स्पीकरसाहब, मै यह भी जानना चाहता हूं कि पिछले साल कितनी आमदनी हुई और इस पीरियड में इस साल कितनी आमदनी हुई है?

श्री वेद सिंह मलिकः हरियाणा में कुल 17 डिपों है। आरक्षणविरोधी आंदोलन के कारण कीरब 17 करोड़ रूपए का नक्सान हुआ हैं।

श्री सीता राम सिगलाः मेरे सवाल का जवाब पूरा नही आया हैं अध्यक्ष महोदय, मैने आमदनी के बारें में पूछ था।

Mr. Speaker: You will get another opportunity. Please take your seat now.

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय मंत्री जी ने आरक्षण विरोधी आंदोलन के कारण हुए नुक्सा नके बारे में बताया है। मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या नुक्सान केवल आंदोलन के कारण हुआ या कोई और भी कारण हैं जिनसे रोडवेज को नुक्सान हुआ है। या हो रहा है? इस आन्दोलन में सब से ज्यादा नुकसान सोनीपत डिपों को हुआहै। लकिन सोनीपत डिपों को नुक्सान में नही दिखया गया हैं मै मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इसके कारण क्या है? नकल टिकटों के मामलों में जो

पुलिस केस दर्ज हुए है, वे किस–किस डिपों के है और क्या इस कारण भी रोडवेज को कोई नुक्सान हो रहा है?

श्री वेद सिंह मलिकः स्पीकर साहब, सोनीपत डिपो प्रौफिट में है।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री मोदय द्वारा जवाब पूरे नही दिए जा रहे है।

श्री सीता राम सिंगलाः अध्यक्ष महोदय, हमारे क्वै चन पूछने का फायदा क्या है क्योंकि जवाब तो पूरे नही दिए जा रहे हैं अगर मंत्री जी तैयार हो कर नही आए है। तो वे टाईम मांग लें। (विध्न)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का भी जवाब नही आया।

श्री अध्यक्षः आर्य जी आप बैठे।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने नुक्यान के दो कारण बताए है। एक तो आरक्षण विरोधी आंदोलन का कारण है और दूसरे अन्दूाहने बताया की कौस्ट ऑफ आपरे ान बढ़ गई हैं आज ''जनसत्ता'' में छपा है कि एक मत्र की दर्जन बसे बिना पैसेजर टैकस के पे किए चलती हुई पकड़ी गई हैं स्पीकर साहब मैं यह भी जाननाचाहूंगा कि जा`नुक्सान हा`रहा है, कही वर इस

कारण से तो नही हो रहा कि बिना पैसेंजर टैकस पे कए प्राईवेंट गाड़िया चल रही है?

श्री वेद सिंह मालिकः कोई पवू-मी होगा। हमारे किसी मंत्री की कोई बस नही चल रही है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, जरा इलैबोरट करके जवाबद दीजिए।

श्री हीरा नन्द आर्यः ''जनसत्ता'' में छप है कि मंत्री की बसें पकड़ी गई है। स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या किसी मंत्री या विधायक या दूसरे राजनैतिक लोगों की कोई बसे चल रही हैं जिस कारण करोडवेज को घाटा हा`रहाहै। यदि हां तो कौन–कौन से डिपोज को इसे कारण घाटा हो रहा है? क्या बिना परमिट की किसी बस का कोई चालान किया गया है?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जवाब दिया है कि 12 डिपों में घाटा हुआ है। इस घाटे का कारण एक तेा तेल की कीमतों मं बढ़ौतरी है और स्पेयर पार्टस की कीमतों में वृद्धि होना हैं दूसरे आरक्षण विरोधी आंदोलन के दिनों में भी बसे न चलने के कारण रोडवेज को धाटा हुआ है। जहां तक इनकी दूसरी बात का ताल्लुक है स्पीकर साहब, बाकायदा चैकिंग होती हैं जो भी गाड़ी बगैर परमिट के मिलती है,

उसका चलाना किया जात है याहे वह किसी की भी कयों न हो। (व्यवधान व भाोर)

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, बड़ी की खु ी की बात है कि मुख्य मंत्री जी ने बताया ह कि उस बस को भी चालाना हुआ हैं आज के जनसत्ता के अखबार में पढ़ ीजिए। उसमें यह सफ लिखा हुआ है कि ऐक्साईज एण्ड टैक्से ान कमि नर श्री भांकर ने कुछ दिनपहले यह सारा मामला मुख्य मंत्री जी के नाटिस में लाया था। मुख्य मंत्री महोदय ने हालांकि चालान करने वाले अफसर की तारीफ करते हुए मंत्री के खिलाफ कार्यवाही करने का आ वसन भी दिया लकिन उक्त बस अब भी अवैध रूप से चल रही हैं मै यह जानना चाहता हूं कि इस पर क्या कार्यवाही की गयी है?

Mr. Speaker: This not relate to this question.

Sh. Suraj Bhan: Sir, It relates to this question. इसका जवाब आना चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह रिलेट तो नही करत ालेकिन यदि मंत्रीमहोदय जवाबा देना चाहते तो दे दें।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, जैसे मै।ने कहा, हमने आदे ा दिए है कि जो बए भी बगैर परमिट के हो, चाहे वह किसी की भी हो, उसका चलाना किया जाए। (व्यवधान व भाोर)

श्री सीता राम सिगलाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मत्री होदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या विभाग के पास इस प्राकर की कोई ि ाकाकयत हभी आयी ळ कि बिना परमिट्स के बसें चल रही है अगर आयी है ताक कितनी है?

श्री वेद सिंह मलिकः इसके लिए सैपरेट नोटिस चोहिए।

श्री परमा नन्दः मै आपके माध्यम से मंत्री होदय से यह जाननाचाहता हूं कि क्या कास्ट बढ़ना ही नुक्सानह होने के कारण है या मंडल कमी ान की वजह से जो हानि हुई है, वह भी इसका एक कारण है। आपने 12 डिपेज के नात दिए है कि यहा–यहां घाटा हो रहा है। इन डिपेज में से तीन डिपोज कैथल, भिवानी और फतेहाबाद में 1988–89 में भी घाटा रहा है। और इसे अलावा भ्ज्ञिवानी, फरीदाबाद, रोहतक, हिसार और सिरसा में वर्श 1989–90 में भी घाटा थ यही डिपों अब भी घाटे में है। लगातार तीन साल से इन डिपोज में घाटा चल रहा है जबकि बाकी के डिपोज में ऐसा नही हैं मंत्री जी का यह दावा कि वह घाटा किसफ कास्ट आफ अपरे ान के बढने के कारण है, क्या इससमें कोई सच्चई है या यह केवल पा र्ियल उत्तर दिया गया है।

श्री हुकम सिंहः यह बात ठीक है कि कुछ पिेज घटे में चल रहे है। पिछले साल भी घटे में थे ओर अब भी घाटे में है उसका कारण यह है कि उन डिपोज में लम्बे रूट्स के बस आपरे ान्ज बहत कम है और यह डिपें इसलिए घाटे में चल रहे

हे। इनमें 80 से अधिक लोकर रूट्स है जिनमे ंपास होल्डर्ज ज्यादा चलते है। इस घाटे का कारण यही क्योंकि इन डिपेज में 80–85 प्रति ात लोकल रूट्स पर बसिज चलती है।

श्रीमती कमला वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने घ्ज्ञाटै वाले डिपोज के नाम दि हैं सोनीपत डिपें में कम से कम 150 बसे जली थी लेकिन वहा पर कोई घाटा नही है इसाक क्या काण है? क्या वह यह भी बजायेगे कि बाकी डिपोज में कितनी कितनी बसे जली है।

श्री वेद प्रका ा मालिकः सोनीपत डिपो मुनाफे में है।

श्रीमती कमला वर्माः 150 बसे जली है और करोडो़ रूपए का नुक्सान हुआ है।

श्री वेद सिंह मलिकः मै आनरेबल विधायक को यह बताना ाहूंगा कि 139.76 लाख रूपए सोनीप डिपो प्रौफिट में जा रहा है।

श्री सीता राम सिंगलाः स्पीकर साहब, इसका मतबल यह हुआ कि आरक्षण विरोधी आंदोलन से हुआ नुक्सान घाटे का कारण नही है। सोनीप में 125 बसें जली है और गुड़गांवा के अन्दर एक भी बस नही जली है लेकिन फिर भी गुडगांवा में घाटा हो रहा है। क्या यह बताने की कृपा करेगे कि सोनीपत में आदमनी कि प्रकार से ज्यादा हो रही है और बाकी डिपोज में नुक्सान किस प्रकार से हो रहा है?

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, अकेले मंडल कमी ान के विरूद्ध आंदोलन ही कारण नही है, तेल की कीमतों में ुई बढ़ौत्तरी भी कारण है। उसका भी असर घाटे पर हुआ है। पहली बार जब तेल की कीमतें बढ़ी थी, तेा उसमें 14 पैसे प्रति किलेामीटर का बोझा पड़ा था ओर जब फिर दूसरी बार कीमतें बढ़ी, तो उसका असर 25 पैसे प्रति किलोमीटर हुआ हैं।

दूसरा कारण यह है कि डीजल ओर तेल की कीमत काफी बढ़ी है। स्पीकर साहब, ऐसा भी स्टेट्स है जहां कि किराए में काफी बढौत्तरी की गई है। मध्य प्रदे में 45 प्रति ात की इंक्रीज किराए में की गइ है। जबकि हरियाणा प्रदे ा में केवल बीस प्रति ात किराए में बढ़ौत्तरी की गई है। स्पीकर साहब, सोनीपत में जो नुक्सान हुआ है, वह केवल बसों के जलने का हुआ है लेकिन जो बसे बच गई, वे तो रोडज पर पलाई करती रही ओर वे लम्बे रूट की बसिज ह। उनमें कमाई हुई इसलिए सोनीपत डिपों में घाटा नही हुआ।

श्री रतन लाल कटारियां: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इस घाटे में मोटर ऐक्सीडैंट क्लेम में दी जाने वाली रा ि ा कतनी है?

श्री अध्यक्ष: यह जवाब देना पोसीबल नही है।

श्री रतन लाल कटारिया: स्पीकर साहब, यह तो सवाल से रिलेटिड है।

Mr. Speaker: Kataria Ji, it is not possible to reply off hand. Please try to distinguish between the subject of the main question your supplementary.

कैप्टन अजय सिंह यादवः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि कही ये लौसिज मिनि बसजि के कारण तो नही है जिनमें डीजल ज्यादा खर्च होता है और आमदनी कम होती है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमारी रोडवेज ऐसी नही है जिसका मेन मकसद केवल मुनाफा कमाना हो। हमारे बहुत सार रूट्स ऐसे है जो दस–बारह किलोमीटर के है। हमारी ट्रांसपोर्ट का ध्येय लोगों की सेवा करना है। जब चौधरी देवी लाल 1977 में कुख्य मंत्रीबने थे तो उन्होने फैसला लिया था कि जितनी भी स्कूल और कालेज है उनके स्टूडैंट्स की रियायती दर पर बस पासिज दिए जाएंगे। स्पीकर साहब, हमारे जो गवर्नमैंट सर्वेट्स हैं उनके भी कंसै ानल रेट पर बस पास बनाए जाते है। तथा फ्रीडम फाइटर्ज भी बसजि में फ्री सफर कर सते है। हरियाणा स्टेट ऐसी स्टेट है। जहां की ट्रांसपोर्ट लोगों की सेवा करने के लिए है। हमारी रोडवेज केवल प्रोफिट कमाने के लिए ही नही है।

Mr. Speaker: This qeustion has taken more than 13 minutes. So this will be the last supplementary by Mr. Singla, as this questioin pertains to him.

श्री सीता राम सिंगलाः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि जाली टिकटों के स्केण्डल कितने पकड़े गए है ओर उनसे रोडवेज का कितना लौस हुआ?

श्री वेद सिंह मलिकः स्पीकर साहब, कितने स्केण्डल पकड़े गए, यह इंफरमें ान तो इस वक्त में नही दे सकता लेकन हमने एक स्कीम चालू की है। कि जो इंस्पैक्टर ऐसे केसिज पकड़ेगा, उसेा पांच सौ रूपए इनाम के तौर पर दिए जाएंगे।

Issuance of Pass Book to the Farmers

1315 Sh. Suraj Bhan: Will the Minister for revenue be pleased to state—

(a) Whether the Government had decided to issue pass books to the farmers/tenants pertaining to their land in the state; and

(b) If so, whether the pass books as referred to above have been issued; if not, the reasons therefore?

राजस्व मंत्री (श्री सचदेव त्यागी):

(क) जी हां, सैद्धातिक रूप मैं पास बुकें जारी करने का निर्णय लिया गया है।

(ख) जी नही, मामला अभी कार्यवाही अधीन है।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, किसानों का पास बुक जाी होने से काफी लाभ होने वाला था, जैसे उसको गल्त चीजों से छुटकारा मिल जाता, पटवारी भी किसानों केा ज्यादा परे ाान नही करवाता लेकिन हरियाणा की बदकिस्मती है कि अभी तक ये पासबुक्स जारी नही हो सकी। अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना

चाहता हूं कि हरियाणा में पास बुक जारी होने वाली थी लेकिन उस काम में रूकावट आ गई और वह रूकावट यहथी कि केन्द्र में राजीव गांधी की हकूमत थी। ने ानेलाइज्ड बैक्स को पास बुक दिखाकर कर्जा मिल सके, इसके लिए केन्द्रीय सरकार की मजूरी जरूरी थी। लेकिन केन्द्रीय सरकार से यह मंजूरी नही मिली। स्पीकर साहब, अब तो डेढ़ साल से इनकी गवर्नमैंट है और चौधरी देवी लाल उप प्रधान मंत्री है इसलिए अब तो कोई रूकावट नही होनी चाहिए। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि पास बुक जारी होने में अब क्या रूकावट है?

श्री सचदेव त्यागी: स्पीकर साहब, पास बुक के बारे में सब से पहले 1969 में पास बुक विधेयक इंट्रोड्यूस हुआ था और 21 लाख कापियां तैयार की गई थी जिनमें से 8.79 लाख कापिया यूटीलाईज हुई। उसके बाद बैक्स से और डिप्टी कमि ानर्ज से रिपोर्ट मांगी गई लेकिन उनकाएतराज इ बारें में रहा। उन्होने कहा कि पास बुक का कोई कानूनी दर्जा नही हैं कानूनी तौर पर उसकी कोई मान्यता नही हैं उसके बाद 16.11.88 को एक कमेटी बनाई गई और उस कमेटी ने बिल का दूसरा प्रारूप तैयार किया। ड्राफ्ट बिल तैयार करके हरियाणा कैबिनिट से मन्जुर कराया और 1989 में भारत सरकार को भेजा लेकिन गवर्नमैंट ऑफ इंडिया ने 1990 में कई औबजैक ाज लगाकर वापिस कर दिया। उसे बाद एक हाई पावर्ड कमेटी बनाई गई और उस कमेटी ने सारे एतराज दूर करके पिछले महीने कैबिनिट मीटिग में उसको ऐप्रूव कराया

और अब गवर्नमैंट ऑफ इंडिया को प्रोपोज्ड ड्राफ्ट सारे औबजैक ांज दूर करे दुबारा भेजा गया हैं

स्पीकर साहब, भारत सरकार के साथ, हमारे सीनियर औफिसज इस मामले का परस्यू कर रहे है। भारत सरकार से इसकी मंजूरी आते ही इस मामले को इस विधान सभा के सम्मुख पे ा किया जाएगा चूंकि भाड्यूल 7 के तहत कंकरैन्ट लिस्ट में जो भी इस तरह के मामले हात`है, उनकी मंजूरी भारत सरकार से लेनी आव यकता हेाती है। ओर उसके बाद ही यह मामला विधान सभा में पे ा किया जा सकता है।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, केन्द्र सरकार पता नही कितने दिनों तक चले।

श्री अध्यक्षः ऐसी कोई बात नही। सरकार चलेगी।

श्री सूरज भानः अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि राजय सरकार को चाहिए कि वह भारत सरकार से 15–20 दिनों के अन्दर–अन्दर इस बात को मंजूर करवा ले क्योंकि उसका कोई भरोसा नही है। सरकार को इसके लिए पहले से ही करना चाहिए।

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, मैने पहले ही अर्ज किया है कि इस मामले को सरकार के सीनियर अफसर केन्द्र सरकार के साथ परस्यू कर रहे हैं

कामरोड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मुजारों को जो जमीन अलौट की गयी है, क्या उस जमीन को उन लोगों को पूरा कब्जा मिल गया है? क्या उन जमीनों की उनके नाम रजिस्ट्रियां हो गई है?

श्री अध्यक्षः आपका यह सवाल रेलेवैन्ट नही है।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि किसानों को पास बुके अलौट करने का ममला कही इस लिए तो खुटाई मे। नही पड़ गय है क्योंकि ऐसा करने से लाखों किसानों को फायदा होनेवाला था? कही सामन्तों की लौबी ने तो इस बात का प्रै ार सरार के ऊपर तो नही डाला क्योंकि जो हजारों एकड़ भूमिक कुत्ते–बिल्लियो के नाम से बेनामी अलौट की हुई है, कही उस का पोल न खुल जाए?

श्री सचदेव त्यागीः स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नही है। हमारे अफसर बड़ी सक्रियता से इस विधेयक को लाना चाहते है। मैने बताया कि सैंट्रल गवर्नमैंट की अनुमति लेनी जरूरी है। उसे बाद ह प्रैजीडैंट के पास जाएगी। वहां से अनुमति मिलने के बाद यह लागू हो सकता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, जैसे आपको भी पता है कि यह कानून पटवारियों को धांधली को रोकेगा। जब कोई पटवारी के पास नकल लेने के लिए जाता है तो वह उस पर

नही लिखता कि उसने कितने पैसे वसूल किए। क्या सरकार कोई हिदायत जारी करेगी कि जितनी भी पटवारी वसूल कर रहे वह नकल पर लिख दे ताकि लोगों को पताचल सके कि पटवारी ने मरै से इतने पैसे लिए है ओर इतने ही नकल पर लिखे है?

श्री सचदेव त्यागीः अध्यक्ष महोदय, यह तो पटवारी पहले ही लिखता है कि उसे कितने पैसे वसूल किए है।

तारांकित प्र न संख्या 1340

यह प्र न पूछा नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री मुनी लाल, इस समय सदन में उपस्थित नही थे।

Approving the Un-/authorised Colones/Houses

1317 Sh. Anil Kumar Vij: Will the Minister of state for Local Government be pleased to state—

(a) Whether there is any scheme under conideration of the Government to approve the un-authorised colonies/houses constructed in Ambla Cantt; and

(b) If so, the steps, if any, taken or proposed to be taken in this respect?

श्री अनिल कुमार विजः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला नगर में कुद कालोनीज में काफी समय से गरीब लोग अपने कच्चे पक्के मकान बन कर रहे है। यह प्र न उनसे संबंधित है। क्या इन मकानों को नियमित करने के बारें में कोई विचार हो रहा है?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकरसाहब, अम्बाला सदर म्यूनिसिपल कमेटी की तफसील इस तरह से है। यह कमेटी 05.05. 77 को एग्जिस्टैंस में आई। उससे पहले वहां महे ा नगर में नोटिफाईड एरिया कमेटीथी। उस वक्त वां पर करीब 43 ऐसे अवैध कालोनीज बनी हुई थी और उनमें 30–40 प्रति ात मकान बने हुए थे।

श्री अनिल कुमार विजः स्पीकरसाहब, अपने लिखित उत्तर में तो इन्होने लिखा है कि प्र न हीउत्पन्न नही होता। अब कह रहे हथ क जब तक डी0सी0 से रिकमैंड हो कर नही आ जात ह तब तक इनको रैगुलन नही करसकतै। मै उनसे जानना हू कि क्या इन्हाने इसबारे में केाई सर्वे करवाया है कि इन कालोनीज का एप्रूव करना है या नही?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, इस बारे मे ंकई प्रोपोजल्ज डी0 सीज0 के पास है। जब उनकी तरफ से कम्पलीट रिकमैडे ांज हा जाएंगी तो केवल अम्बाला सदर में ही नही बल्कि सारी स्टेट में ही नही बल्कि सारी स्टेट में जहां भी ऐसी कालोनीज है, उनको रैगुलराइज कर दिया जाएगा। सरकार कायह इरादा नही है कि उनको गिराया जाए।

श्री अध्यक्षः मै इनकें सवाल कोक्लैरिफाई करता हूं। सवाल यह है कि जो अन अथेराइज्ड कालोनीज अफसरों के नाम

के बनती है, वे अफसर उनके बारें में कुछ नही करते। उनके खिलाफ क्या ऐक ानप लेने की जरूरत है?

श्री क्रान्ति प्रका ा भल्लाः डी0 सीज0 की तरफ से रिकमैडे ान आती है और पैनेलिटी लगाई जाती है।

श्री अध्यक्षः पैनेलिटी लगाया इस सवाल का जवाब नही है।

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, तकरीबन 40 साल हो गए है। इस किस्म की अवैध कालोनीज हर ाहर में बसी हुइ हैं इसस्टेज पर उनको गिरान बहुत मु कल हैं लेकिन सरकार को ा ा कर रही हैं उनको रैगुलराइज करने की। डी0 सीज0 से रिकमैडे ान हो जाए तो उसे बाद उनको नियमिम कर दिया जाएगा।

गृह मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): स्पीकर साहब, कई माननीय सदस्यों ने सवाल पूछा है औ आपने भी क्लैरिफिके ान चाही हैं सभी की मन ाा यही है कि जो अन–अथोराइज्ड कलोनीज बनी हुई है, क्या उनको सरकार रैगुलराईज करेगी? आपने कहा है कि सरकार की नाक के नीचे जो अन–अथेराइज्ड कालोनीज बनाई जाती है, क्या सरकार उसके बारें में कोई ऐक ान लेती है? स्पीकर साहब, इस बारे में मेरी अर्ज है कि जो भीा अन–अथोराइज्ड कालोनी बन जाती है, हम उनका पता लगाने की को ा ा करते है और बाकायदा उसकी कंस्ट्र को रोकने है

यानी जो बिना परमि ान के कंस्ट्रक ान करते है, उनको सरकार रोकती है। सरकारी औफिससर्ज को यह हिदायत दी हुई हैकि ऐसी कालोनीज की चैकिग की जा। इस बारे में चैकिंग के लिए फाईग स्कवैड भी बनाई हुई हैं जो अन–अथाराइज्डकालोनीज बनती है, उनको बाकायदा गिराया जाताहैं हरियाणा प्रदे ा में जो अन–अथोराइज्उ कालोनीज बनती हे, उनको बकायादा गिरा ाजता है। हरियाणा प्रदे मे ंजो अन–अथोराइज्ड कालोनीज बनाई जाती है, उनको बीच में रोंका भी गया है। है और गिराया भी गया है। माननीय सदस्या अम्बाला को कालोनी का जिक्र करना चाते है। अम्बाला सदर का 1977 में गठन हुआ था। वहां पर अन अथोराइज्ड 43 कालोनीज ट्रेस हुई हैं और उन कालोनीजि में 30 से 50 परसैट तक कस्ट्रक ान हो चुका है। किसी भी अन–अथोराइज्ड कालोनी को रैगुलराइज करने के लिए कुद नियम बने हुए हैं डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्र ान केस बना कर स्टेट गवर्नमैंट के पास भेजता है और अगर वह कालनी सारी कंडी ांज फुलफिल करती है तेा उसको स्टेट गसर्नमैंट रैगुलराईज करती हैं ऐसी 43 कालोनीज के केस डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्टेान के पास पैडिग है जिनके अन्दर 30 से 50 परसैंट तक कंस्ट्रक ान हो चुकी हैं जिस समय डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रे ान स्टेट गवर्नमैंट के पास केस भेज देगे, और यदि वे सभी कालोनीज सारी कंडी ाज फुलफिल करती हहोगी तो उनको रैगुलराइज करने के बारें में सरकार विचार करेगी क्योंकि उन कालानीज में लोग पिछले 20–25 साल से अपने मकानो ंमें रह रहे है। उन कालोनीज की जमीन किसी ने

खरीदी और मकान किसी ने बनाए। अब उन मकानों में गरीब लोग रह रहे है। यदि अब उन मकानों को गिराया जाए तो उन लोगों मं बहुत निरा ा पैदा होगी।

श्री अध्यक्षः मंत्री महोदय यह क्लीयर कर दें कि जिन कालोनीज में डिवैल्पमैंट के र्का चल रहे है ओर वहां पर कालोनाइजर्ज ने लोगों से लाखों रूपए डिवैल्पमैंट चार्चिज ले लिए है, लगाया एक पैसा भी नही, उसके मुतालिक सरकार का क्या विचार है?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, जो अवैध किस्म की कालोनीज बन गई है, उन फाईन लगाया जासकता हैं और वह एक हजार रूपए से लेकर 1500 रूपए तक लगाया जा सकताहै।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, आपने बड़ा उचित और उपयुक्त सवाल पूछा जिसका सरकार जवाब नही दे सकी। किसी सवाल का जवाद सरकार के पास कल से ही नही है।मत्री महोदय बिना तैयारी के आ जते है। अब गृह मंत्री जी द र्ा क दीर्घा को लुभाने के लिए खडे हो एग हैं अध्यक्ष महोदय, माननीच कांति प्रका ा भल्ला जी इसविभाग को देख रहे है। उन्हाने मेन सवाल के जवाब में फरमाय है कि नही, प्र ान ही नही उठता ओर दूसरी तरफ फरमा दिया कि डिस्ट्रिक्ट ऐडमिनिस्ट्रे ान के पास कुछ कालोनीज को रैगुलराईज करने का मामला विचारधरी हैं

अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी खुदही दो बात कह रहे है। इनकी कौनसी बात कोसही माना जाना। अध्यक्ष महोदय, आप ही एनलाईटन करें कि मंत्री जी ने जो लिखित जवाब दिया है वह ठीक है या जो अब जवाद दे रहे है कि यह मामला डिस्ट्रि ऐडमिनिस्ट्र ान के पास विचारधीन है, यह ठीक है।

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः स्पीकर साहब, जो मेन सवाल पूछा गया है, उसके मुतबिक मैने यह कहा है कि नही, प्र न ही नही उठता।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह विकास से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। माननीय मत्री जी के जवाब स `पता लगता है कि जो अन–अथोराइज्ड कालोनीज डिवैल्मप हुई हैं वह अफिसर्ज की कोताही की वजह से डिवैल्प हुई हैं इस बारे में मुझे थोड़ी सी जानकारी है, वह मै आपकी इजाजत से दे दूं।

श्री अध्यक्षः आप इस बारे में कोई जानकारी न दे,सवाल पूछे

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद इस समस्या का गढ़ है। उसके लिए केवल आफिसर्ज ही जिम्मेदार नही है, उसे लिए रानीतिक लोग भी जिम्मेदारहै।

Mr. Speaker: Mahender Partap ji, please put a straigt question.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै बहुत जरूरी क्वै चन कर रहा हूं।

Mr. Speake: Please put the question, The time is short. कोई लिमिट तो होनी चाहिए।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाह रहा हूं कि भाहरों में बढ़ती हुई आबादी के दो मूल कारण है। एक तो वहां पर सुविधाए देहात की अपेक्षा अधिक है। ओर दूसरे इंडस्ट्रीज की लगातर रफ्तार बढ़ने के कारण आबादी बढ़ रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए मै सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास कोई ऐसी विस्तृत योजना आने वाले समय क लिए विचारधीन है। जिससे इन अनाधिकृत कालोनियों को रोका जा सके। दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या सरकार के विचारधीन भी ऐसी कोई स्कीम है। कि भाहरों में छोटी–छोटी कालोनिया बना कर लोगों को दे दी जाए।

Mr. Speaker: It is a general type of question.

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हमारी जो म्यूनिसिपल कमेटीज है, उनसे पस एक टी0 पी0 स्कीम हैं अगर म्यूनिसिपल कमेटी ऐसी स्कीमें बना कर सरार के पास भेजेगी तो सरकार उनको मंजूरी दे देगी।

श्री अनिल कुमार विजः अभी मंत्री महोदय ने बताया थ्ज्ञा कि हमने सर्वे करवाया है ओर केस उपायुक्त के पास भेजा हुआ है मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि वहा पर फाईल कब से पड़ी है ओर अब उस क्या आगामी कार्यवाही की जा रही है?

श्री कान्ति प्रका ा भल्लाः मैने यह नही कहा कि सर्वे करवाय गया है मैन यह कहा है कि कुछ केस पैण्डिग पड़े है।

कामरोड हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपकी इजाजत से मंत्री महोदय से एक सवाल पूछनाा चाहता हूं। प्रो0 सम्पत सिंह जी ने इस सवाल के बारें मं सार हरियाणा की स्थिति के बारें में जो जानकारी दी है, उससे हाउस को गुमराह किया गयाहैं जहां तक मुझे जानकारी है पूरे हरियाणा में राजनैतिक स्तर र ऐसी अनाधिकृत कालोनियां बन रही है। चूंकि मंत्री महोदय ने सारे हरियाणा के बारे में बताया है इसलिए मै अपने हल्के के उकलाना, भूना और टोहना कस्बे के बारे में पूछना चाहता हूं। (ाोर एवं विध्न)

Mr. Speaker: This is not the way. Please take your seat. This question relates to Ambala Cantt. Your question is irrelevant.

प्रो0 सम्पत सिंहः सर ऐसा है कि मैने पहले भी कहा है और अब भी कह रहा हूं। कि स्टेट में जहां–जहां पर अन–अथोराइज्ड कालोनिया जब पहले पहले बनायी जाती है और

वे सरकार क नोटिस में आती है तो सरकार उनको गिरा देती हैं ये टोहाना भूना का जो जिकर कर रहे है, वहां पर कुछ अनाधिकृत कालोनिया हमने गिराई है। इसलिए इनको ददे हो रहा है। (ाोर एवं विध्न)

Mr. Speaker: I would not permit irrelevant supplementaries and to speak like this. This question relates to Ambala Cantt. only. The Hon. Chief Minister wants to say something. Please take your seats.

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, अगर कोई साथी आपनी बात कहे तो उसका जवाब मिल जाता है। अगर सारे ही एक साथ खड़े होकर बोलने लगे तो फिर कैसे जवाब दिया जा सकता है इसलिए मै सभी सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि वे एक–एक करके बोले। सभी को सभी के प्र नों काउत्तर दिया जायेगा।

श्री राम बिलास भार्मा: आप अपने कैबिनेट के साथियों को भी तो बैठने के लिए कहे।

श्री हुकम सिंह: स्पीकरसाहब, हरपाल सिंह जी ने कहा है कि इल्लीगल कालोनियां बनी हैं। कालोनियां काट कर लोगों ने अवैध मकान बनाए है। ऐसे जो केसिज सरकार के नोटिस में आए है हमने वे मकान गिरवाए है अगर किसी साथी को कोई खास कम्पलेंट हो, उनको कोई दिक्कत हो, ऐसे केसिज के बारे में मैं

हाउस को आ वसान दिलाता हूं कि हम पूरी कार्यवाही करेगे। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन पूछिये, डिटेल न दें।

श्री अनिल कुमार विजः सदन में ठीक बात कहना जरूरी हैं इन्होने जानबूझ कर गलत बात कही है (विध्न एवं भाोर)

Mr. Speake: No, no. This is not the way. Please take your seat. (Noise and Interruption)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, सप्लीमैंटरी क्वै चन पूछने से पहले मै एक निवेदन करना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी ने फरमाया कि विपक्ष के सथ एक साथ खड़े हो कर बोलते है। अध्यक्ष महोदय, अन्तर सिर्फ इतना है कि मुख्य मंत्री जी केसथ्झी बैठे बैठे बोलते है और विपक्ष के साथी खड़े होकर बोले है अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने सप्लीमैंटरी पर आता हूं। अध्यक्ष महोदय, मन्त्रियों और सत्ताधारी दल के विधायकों के रि तेदार अनाधिकृत कब्जे करते है और अन–अथोराजड कन्स्ट्रक ान की कार्यवाही करते है। अगर ऐसा की कायवाहियों करतें है। अगर ऐसा कोई केस इनके नोटिस में लाया जाएतो क्या उनके विरूद्ध कार्यवाही करेगे?

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर सर, इनकी बात बिल्कुल गलत है। कोई ऐसा मंत्री या रि तेदार नही है। है जिनके ऐसी कन्स्ट्र ान की हो। गुप्ता जी खुद भी मुख्य मंत्री रहे है। अगर

इनके काल में कोई अन–अथोराईज्ड कन्स्ट्रक ान हुई होगी तो उस बारे में हमें मालूम नही है। (विध्न एवं भाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात कहने का मौका दीजिए। (विध्न एवं भाोर) अभी गृहं मंत्री जी ने फरमाया है कि मेरे रि तेदारों ने अन–अथोराइज्ड निर्माण नही किया है। मै यह चुनौती देता हूं कि अगर यह बात ठीक है तो मै राजनीति से इस्तीफा दे दूंगा और यदि इनके मन्त्रियों के रि तेदारों ने की हो तो सारी कैबिनैट इस्तीरफा दे।

प्रो0 सम्पत सिंहः अगर मन्त्रियों ने या उनके किसी भी रि तेदार ने इल्लीगल या गैर–कानूनी कोई काम किया हो तो हम इस्तीफा देने के लिएतैयार है। (व्यवधान व भाोर)

Ice Factores in the State

1328 Dr. Harnam Singh: Will the Chief Ministger be pleased to state—

(a) The total number of Ice Factoreis functioning during the year 1988-89 and 1989-90 in the state alongwith the ice freezing capacity thereof; and

(b) The total quantity of ice freezed in the factoreis as referred to in part (a) above?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(ए) वर्श के दौरानबर्फ की फक्टरियों की कुल संख्या निम्न है:–

वर्श	बर्फ की फैक्टरियें की संख्या	जमाव क्षमता
1989–90	218	245085 मीटर टन0
1989–90	226	257360 मीटर टन0

(बी) वर्श बार जमाव की गई बर्फ की कुल मात्रा निम्न है:–

वर्श	जमाव क्षमता
1989–90	180560 मीटर टन0
1989–90	190029 मीटर टन0

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, मै आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि बर्फ की फैक्टरियों

1988–89 वर्श में कितने दिन चली ओरवर्श 1989–90 में कतने दिन चली और कितनी कितनी उन्होने प्रोडक ान की है?

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, यह फैक्टरिया तो गर्मी के सीजन में ही चलती ह। फैक्टरियों कितने दिनों तक चली, इसका हिसाब–किताब हम नही रख सकते। (विध्न) मैने बता दिय ाहै कि यह केवल गर्मी के सीजन में ही चलती है। मैने यह भी कहा है कि वर्श 1988–89 में 180560 और वर्श 1989–90 में 19029 मीट्रिक टन फ्रीजिग की गयी हैं

डा0 हरनाम सिंहः स्पीकर साहब, बात यह है कि हर फैक्टरी के वर्कि डे नि चत होते है कि इतने मार्च से भुरू होगी और इनत अक्तूबर तक चलेगी। मै यह जानना चाहता हूं कि फैक्टरीज वर्श 1988–89 में किनते दिन चली और और वर्श 1989–90 में कितने दिन चली ताकि ऐवरेज प्रोडक ान निकाली जा सके ओर इस बारे में जो टैक्स की चौरी होती है, उसको पकड़ा जा सके।

श्री हुकम सिंहः ऐवरेज निकाल कर ही हमने बताया है।

श्री राम बिलास भार्माः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेगे कि जिन फैक्टरियों के बारें में यह सूचना दी है, उनमें पानी की अ ाुद्धता की या कलर ज्यादा या खरबा होने की कोई ि ाकायत आयी है या किसी फैक्टरी के लाइसैंस के बारे में कोई

ि ाकायत आयी है, यदि मुख्य मंत्री महोदय के पाए ऐसी कोई ि ाकायत आयी है तो उस पर क्या कार्यवाही की गयी है।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, सरकार इसके लिए कोई लाइसैस नही देती हैं इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट इसकी रजिस्ट्रे ान करता हैं हैल्थ डिपार्टमैंट इसका नमूना लेता है मेरे पास ऐसी कोई ि ाकायत नही आयी कि किसी फैक्टरी का पानी खराब था या कोई कमी थी।

डा0 हरनाम सिंहः मै मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार इस बात की पड़ताल करेगी कि कितने दिन उन्होने फैक्टरिया चलाई, कितनी उन्होने बर्फ बनाई और कितना टैक्स उन्होने अदा किया? क्या सरकार इस सारे रिकार्ड का निरीक्षण करेगी।

श्री हुकम सिंहः इस बात का तो मै जवाब दे चुका हूं कि साल में कितनी किनी बर्फ जमायी है और उसी हिसाब से हामर पास टैक्स अया हैं

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने अपने जवाब मं यह फरमाया है कि इन फैक्टरियों के लिएकोई लाइसैंस नही देते। मै यह कहता हूं कि यह सरकार लाईसैस देती है। क्या इंडस्ट्री डिपार्टमैंट सरकार का अदायरा नही है। जब मैने किसी ि ाकायत के बारे में उनसे पूछा तो उनहोने यह कहाकि कोई लाइसैंस नही देते। लाइसैंस के बिना तो कोई

फैक्टरी चल ही नही सकती। क्या इंडस्ट्री डिपार्टमैंट इस सरकार में भाामिल नही हैं

श्री हुकम सिंहः भार्मा जी, इसके लिए लाइसैस की जरूरत नही है। चाहे तेा आप लगा लो। इसके लिए सिर्फ रजिस्ट्रे ान की जरूरत हैं स्माल स्केल इंडस्ट्री के तहत कोई भी आईस फैक्टरी लगा सकता है। उसे लिए लाइसैस लेने की जरूरत नही पड़ती केवल इंडस्ट्री डिपार्टमैंट रजिस्टे ान करता है।

Supply of Water througth Canals

1299 Sh. Tek Chand Nain: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the sub-diviion-wise number od days, water suppled through the canals during the month of November, December, 1990 and in the month of January, 1991 in the state?

Mr. Speaker: Extenson has been asked for in respect of this question which has been granted. The Communication received from the Minister concerned in this connection reads as under:

Inerim Rply

"Sampa Singh,

D.O. No. 16-HM (AQ)

Irrigation & Power Minister

Haryana Chandigarh

Dated: February, 22, 1991

Subject: Starred Assembly Question No. 1299 by Sh. Tek Chand Nain.

Dar Sh. H.S. Chatha ji,

You kind attention is invited to the above cited starred Assembly Question which has not been listed in the Programme of Haryana Vidhan Sabha so far. Hon'ble Member has desired the during the monthof November, December, 1990 and the month of January, 1991 in the state.

2. The replyi required to be compiled for the entire state which involves more than 80 canal Sub Divisions. Moreover, there are a number of canals supplying water to a particular sub-division and a number of channels irrigating areas located in more that one sub division.The canals are also run for part supplies somethimes depending upon their priority turn and the availability of waters. The reply of the Question whould thus need time besides attracting too may supplemntaries which would consume most of the House-time for question hour.

3. I would, therefore, request you to kindly allow two months time for furnishing the reply,

With regards

Your sincerely,

Sd/-

(Sampat Singh)

Sh. H.S. Chatha

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh"

Medical College in Kurukshetra

1300 Sh. Ashok Kumar: Wil the Minister of state for Medical Education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Medical College at Kurukshetra; and

(b) If so, the time by which the aforesaid college is likely to be opened?

चिकित्या ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्रीमती मेधावी कीर्ति):

(क) जी नही।

(ख) प्र न ही नही उठाता।

श्री रतन लाल कटारिया: अध्यक्ष महोदय, मेरे एक प्र न के उत्तर में पालियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर श्री सम्पत सिंह ने कहा था कि अग्रोहा के बाद अगर हरियाणा स्टेअ में कोई मैडीकल कालेज खोला जाएगा तो वह कुरूक्षेत्र में महर्शि बाल्मीकि के नाम से खोला जाएगा। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः कटारिया जी, आप कहा चले गए? कुरूक्षेत्र मैडीकल कालेज के बरोरं इन्होने जवाद दिया है 'नो'। इसका मतलब है कि वहां कालेज नही बना रहे है। इसलिए यह मामला यही खत्म हो जाता है।

श्री अ ोक कुमारः अध्यक्ष महोदय, जब सरदार बूटा सिंह होम मिनिस्टर थे, उस वक्त वे कुरूक्षेत्र आए थे और उन्होने वहां पर घोशणा की थी कि कुरूक्षेत्र में बाल्मीकि मैड़ीकल कालेज बनया जाएगा। क्या ंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि उस घोशणा पर कितना अमल हो रहा है?

श्रीमती मेघावी कीर्तिः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में कोई लिखित जानकारी तो नही है लकिन 1985 में कुरूक्षेत्र में मैडीकल कालेज बनाने का प्रस्ताव विचारधीन था परन्तु हरियाणा राज्य की नई राजधानी की स्थापना तक इसको स्थगित कर दिया गया था। कारण यह था कि इसके लिए जो भूमि उपलब्ध की गई थी उसके बारें में उपायुक्त ने जो रिपोर्ट भेजी थी, उसे अनुसार वह भूमि अपर्याप्त थी।

श्री वीरेन्द्र सिहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि मैडीकल कालेज खोलने के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से कोई कोि ा ा की गई है? कही ऐसा तो नही कि इंडियन मैडीकल कौंसिल से इजाजत न मिली हो। इस तरह की कोई बात क्या सरकार के नोटिस में है? स्पीकर साहब, हरियाणा

में केवल एक मैडीकल कालेज है, जोकि रोहतक में है। अग्रोहा के बारे में जहां तक मुप्े अन्दाजा है और गुपता जी कर रहे है कि वहां केवल 35 स्टूउैट्स प्रावधान है जबकि दूसरी स्टेट्स में पापुले ान बहुत कम है। गुप्ता जी ने मुझे बताया है कि पचास लाख की आबादी पर एक मैडीकल कालेज खोलने की क्राईटेरिया है। इन्होने जवाब में कहा है कि ''नो'' प्र न ही उत्पन्न नही होता। क्या सरकार यहं की आबादी क हिसाब से मैडीकल कालेज खोलने का प्रयत्नकर रही है? दूसरा मेरा सवाल यह है कि क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि हरियाणा सरकार मैडीकल कौंसिल और केन्द्रीय सरकार को ऐप्रोच करेगी कि हरियाणा की आबादी के हिसाब से एक मैडीकल कालेज नही बल्कि दो मैडीकल कालेज खोले जाए।

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने जो कहा है क मैडीकल कालेज खोलने का पचास लाख की आबादी का क्राईटेरिया है, यह बात ठीक है। इन्होने भी अपने समय में कोि ा ा की होगी ओर हम भी इस बात के लिए कोि ा ा कर रहे है कि हरियाणा को उसका हम मिलना चाहिए।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, अभी यह बात आई कि हरियाणा में जितने मैडीकल कालेज होने चाहिए उतने नही है। क्या मंत्री मोदय बताने की कृपा करेगे कि मैडीकल कालेज खोलने का क्या क्राईटेरिया है और कालेज खोलने में हरियाणा सरकार की तरफ से कोई दिक्कत है, या केन्द्रीय सरकार की तरु से कोई

दिक्कत है अथवा इंडियन मैडीकल कौसिल की तरफ से कोई दिक्कत है?

श्रीमती मेधावी कीर्तिः अध्यक्ष महोदय, ये दोनो दिक्कते नही हैं मै सदन को बताना चाहती हूं कि यह बात ठीक है कि पचास लाख की आबादी पर मैडीकल कालेज की स्थापना की जा सकती हैं इसबात की आपको भी ओर माननीय सदस्य को भी जानकारी होगी कि हरियाणा की आबादी करीब 1 करोड़ 64 लाख है। अध्यक्ष महोदय, इसके हिसाब से हरियाणा प्रांत में तीन चिकित्या महा विद्यालयों की स्थापना की जा सकती है। यह प्र न सिर्फ कुरूक्षेत्र जिला के लिए था इसलिए मैने कुरूक्षेत्र के लिए ही कहा। वैसे करनाल के लिए यह प्रस्ताव विचारधीन है ओर भविश्य में एक महाविद्यालय की स्थापना जरूर की जाएगी।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया जी ने बताया कि कुरूक्षेत्र के अन्दर महर्शि बाल्मीकि मैडीकल कालेज बनाने की सरकार का प्रस्ताव था लकिन भूमि ने मिलने के कारण वहां परकार्य नही हो सक। मै आपके द्वारा उनसे यह कहना चाहूंगा कि अगर कुरूक्षेत्र के अन्दर कालेज के लिए पर्याप्त जमीन सरकार को उपलब्ध करवा दी जाए तो क्या सरकार वहां पर भीघ्र इस मैडीकल कालेज का निर्माण करवा सकेगी?

श्रीमती मेधावी कीतिः अध्यक्ष महोदय, जनसंख्या के अनुसारवहां भूमि का अनुग्रहरणसम्भव नही था औरयदि माननीय

सदस्य वहां पर भूमि अर्जित करवासके तो उनके प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है।

श्री हुकम सिंहः सरदार बूटा सिंह जी इसकी घोशणा अव य कर गये थे लेकिनइस बारे में कोई स्कीम नही बनी थी। इस तरह का उत्तर पहले भी दिया जा चुकाहै।

Incentive Scheme

1333 Dr. Raghuvir Singh, Sh. Ram SinghMaan: Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) Whether any special incentive scheme for increasing deposits in Provident Fund Accounts of Employees was introduced by the Government in the year 1983;

(b) If so, whether matching contricbution is being made regularyl; if not, the reason therefor; and

(c) If the replyto part (b) is in the negative, whether there in sany proposal under consideration of the Government to give benefit of the above scheme to the employees till it remained enforced.

Finacne Minister (Sh. Tayyab Hussain):

(a) Yes, However, Scheme could not be implemented due to various procedural difficulties and was discontinued w.e.f. 01-04-1990.

(b) No. The matching contribution could not be made due to certain diffiulties expressed by Accountant General, Haryana.

(c) Matter is under correspondence with Account General, Haryana.

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, फाइनैन्स मिनिस्टर की बजट स्पीच के आधार पर 1983 में जो मैचिग कंट्रीब्यू ान स्कीम चलायी गयी थी उसके तहत इम्पलाईज को यह फैसिलिटीज थी कि अगर कोई इम्पलाई अपने प्रावीडैन्ट फण्ड में 10 प्रति ात की बजाये साढ़े 12 परसैन्ट कटौती करवायेगा तो उसको ढाई परसैन्ट का बतौर मैचिग कंट्रीव्यू ान प्रोत्याहन दिया जाएगा। मै यहां हाउस की नालेज के लिए बताना चाहता हूं कि 1983 से लेकर आत तक एक भी पैसा सरकार की तरफ से जमा नही हुआहैं ऐसा करना केवल हरियाणा के इम्पलाईज के साथ ही धोखा नही है बल्कि हाउस को गुमराह किया गया है। इसलिए मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि अब क्या कोई ऐसी स्कीम सरकार के पास है जिससे कि ऐसे इम्पलाईज को मैचिग कन्ट्रीव्य ाून के तहत कोई इंसैन्टिव दिया जा सके?

श्री तैयब हुसैनः अध्यक्ष महोदय, मेरे विचार में डाक्टर साहब सूचना दे रहे है, लेना नही चाहते। मै यह बताना चाहता हूं कि इस में ए0 जी0 हरियाणा की ओर से मुखललिफ मु कलाते जाहिर की गयी है जिसकी वजह से यह स्कीम लागू नही की जा सकी। गुप्ता जी स्वयं जब मुख्य मंत्री थ्ज्ञे जो यह स्कीम उनके समय में ही डिरूकन्टीन्यू की गयी थी।

श्री रण सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेगे कि 1983 से लेकर आज तक जब से यह स्कीम चालू गई थी, कितना पैसा इस स्कीम के तहत कर्मचारियों का जमा हुआ पड़द्या है लेकिन सरकार अपनी ओरसे कोई पैसा जमा नही करवा पाई इसके क्या कारण है? जो पैसा कर्मचारियों ने पहले जमा करवा दिया था उसी के हिसाब से सरकार कब तक अपनी ओर से मैचिग कन्ट्रीव्यू ान का पैसा जमा करवा पाएगी?

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मै यह अर्ज करना चाहता हूं, ये मुख्तलिफ दिक्कते है। जब यह स्कीम लागू की थी तो उस समय न तो ए0पी0 से राय ली गई और न ही एल0आर0 से राय ली गई। जैसे मैने जवाब के पार्ट 'सी' में कहा है कि ए0 जी के साथ इस बारे में कौरसपौडैस चल रही हैं इसलिए यह कहना पौसीबल नही होगा कि फैसला होने में कितना समय लग जाएगा। जहां तक यह बात है कि ईम्पलाईज ने अब तक कितना पैसा जमा करवाया, इसके लिए अलग से नोटिस दे दें, हम जवाब दे देगे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में फरमाया है कि इस स्कीम में ए0जी0 की वजह से है या इनकी नीयत की बजह से है। इन्होने इस अड़चन को दूर करने के अब तक क्या क्या प्रयास किए है?

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, जहां तक नीयत की बात है, पता नही, भार्मा जी के अन्र क्या है और बहर क्या है। हम तो जो बाहर है, वही अन्द है। यह बात साफ है कि 1983 में यह स्कीम बनाई गई है। मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह मामला ए0 जी0 की वजह से रूका हुआ है, सरकार की वजह से नही रूका। यह बात गुप्ता जी को भी मालूम है कि ए0 जी0 की तरफ से आब्जैक् ान हुआ था।

डा0 रघुबरी सिंहः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी ने यह कहा क यह मामला ए0 जी0 के साथ आठ साल से अंडर कौरसपौडैस है। मै जानना चाहता हूं कि इस दौरान क्या क्या कौरसपैडैस हुई, ए0 जी0 की तरफ से क्या क्या आब्जैक् ान लगाए गए ओर गवर्नमैंट ने क्या जवाब दिया?

श्री अध्यक्षः यह बताना तो पौसीबाल नही होगा।

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि इसकी तफसील मुझ से ज्यादा गुप्ता जी बात देगे, वह ज्यादा ठीक रहेगा।

Foundation Stones for Hospital

1337 Sh. Shiv Parshad: Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) Whether any foundation stones for the construction of Hospitals have been laid in the state during the period from 1979 to-date;

(b) If so, the names/location thereof; and

(c) Whether construction work of the Hospital as referred to (a) above have been completed; if so, the number thereof?

स्वास्थ्य मंत्री (री ओम प्रका ा भारद्वाज):

(क) जी हा।

(ख)

1	सामान्य अस्पताल, हांसी (हिसार)
2	सामान्य अस्पताल, आदमपुर (हिसार)
3	सामान्य अस्पताल, सिरसा (हिसार)
4	सामान्य अस्पताल, होडल (फरीदाबाद)
5	सामान्य अस्पताल, उकलाना (हिसार)
6	सामान्य अस्पताल, फतेहाबाद (हिसार)
7	सामान्य अस्पताल, अम्बाला (अम्बाला)
8	सामान्य अस्पताल, खरहर (रोहतक)
9	सामान्य अस्पताल, सोनीपत

	(सोनीपत)
10	सामान्य अस्पताल, पलवल (फरीदाबाद)
11	बी0 के0 अस्पताल, फरीदाबाद (फरीदाबाद)
12	सामान्य अस्पताल, करनाल (करनाल)
13	सामान्य अस्पताल, कलानौर (रोहतक)
14	सामान्य अस्पताल, चरखी–दादरी (भिवानी)

(ग) 8 अस्पतालों में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

श्री योगे ा चन्द भार्मा: स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बी0 के0 हस्पताल परकाम कब तक भाुय हो जाएगा? क्या इसके लिए फड्ज ऐलोकेट कर दिए है, अगर नही तो कब तक कर दिए जाएंगे?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाज: स्पीकर साहब, बी0के0 हस्पताल, फरीदाबाद में एक क्वार्टर बन गया है है ओर उसकी बाडंडरी बाल भी बन गई हैं

श्री ि ाव प्रसाद: अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अम्बाला भाहर का जो हस्पताल है,

उसका निर्माण कार्य भी पूरा नही हुआ है। क्या आने वाले समय में उसका काम पूरा करवा दिया जाएगा क्योकि फरवीर, 1980 में इसका ि ालान्यास रखा गया था?

श्री ओम प्रका ा भारद्वाजः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने अम्बाला भाहर के हस्पताल के बारे में जानकारी चाही है अम्बाला के हस्पताल के लिए अब तक 88 लाख रूपए खर्च होचुके है।

श्री योगे ा चन्द भार्माः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नही आया है। बी0 के0हस्पताल में अभी एक भी ईंट नही लगी है।

Mr. Speaker: Queston Hour is over please.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नां के लिखित उत्तर

Retention of Government Accommodaton at Chandigarh by Class-1 Officers

1330 Ch. Azmat Khan: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whther the Government is aware of the fact that certain class-1 officers of the State who hae been transferred from Chandigarh the still retaining the Government accommodaton at Chandigarh; and

(b) If so, the name and designation of such officers and the action taken or proposed to be taken against them?

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह):

(क) तथा (ख): विवरण तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण तालिका

(क) हां, श्रीमान्जी

(ख) क्रम संख्या	नाम व पद संज्ञा	की गई/प्रस्तावित कार्यवाही
1.	श्री सु ील कुमार, आई0 ए0 एस0 उपायुक्त, फरीदाबाद।	यू0 टी0 चण्डीगढ़ प्र ाासन ने इन सभी अधिकारियों के इन मकानों की अलाट मैट रद्द कर दी है तथा उपमण्डटल अधिकरी, यू0 टी0 चण्डीगढद्य को इनमकानों को खाली करवाने का अनुरोध
2.	श्री टी0 डी0 जोगपाल, आई0 ए0 एस0 आयुक्त, रोहतक मण्डल, रोहतक	
3.	श्री उमेद सिंह राव, अतिरिक्त उपायुक्त, दिल्ली नगर निगम, नरेला, दिल्ली।	
4.	श्री एन0 सी0 वि ाश्ठ, आई0 ए0	

	एस0 उपायुक्त, गुडगांव।	किया है।
5.	श्री एस0 पी0 लाम्बा, आई0 ए0 एस0 उपायुक्त, अम्बाला	

Cows of Government Livestock Farm, Hisar

1376 Sh. Mani Ram: Will the Minister of state for Animal Husbandry be pleased to state whether it is fact that some cows of G.L.F., Hisar were found missing at the time of verification/inpection by the concerned Minister during the month of July, 1990; if so, the details thereof?

प J पालन राज्य मंत्री (श्री कुलबरी सिंह):

जी हा।

30.07.90 को तत्कालनी मंत्री महोदय के निरीक्षण के दौरान राजकीय प Jधन फार्म हिसार में स्थित गो सदन से 123 गायें कम पाई गई।

Textile Mills, Hisar

1346 Sh. Hari Singh Saini: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to take over the possession of the land of Taxtile Mills, Hisar; if so, that details thereof;

(b) Whether the Government is aware of the fact that the textile Mills, Hisar is lying closed as at present; and

(c) If so, the steps, if any, taken or proposed to be taken by the Government to re-start the said Mills?

श्रम मंत्री (श्री बलबरी सिंह सैनी):

(क) नही, क्योंकि यह मिल निजी क्षेत्र से सम्बन्धित थी है। अतः सरकार इसे पुन आरम्भ करने में सक्षम नही है।

विभिन्न विशयों को उठाया जाना

श्री सूरज भानः स्पीकर साहब, कल दिल्ली से पूर्व प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी की कोठी पर हरियाणा सी0आई0डी0 के दो मुलाजिम गिरफ्तार किए गए है। इस बारे में संसद के दोनो सदनों में बहुत भाोर मचा। वह मुलाजिम कौन थे और किस काम से उनकी कोठी पर गए थे और कब से गए थे? (ाोर)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए। I will reply to your questions one by one. I would proceed further unless you are satisfied.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, पूर्व प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांध की कोठी पर हरियाणा सी0 आई0 डी0 के दो कर्मचारी पकड़े गए है। यह बहुत ही अैनतिक और गैर–जिम्मेदारान काम है। इस बारे में मैने आपकी सेवा में एक कालिंग अटै ान मो ान का नोटिस दिया है। उसका आपने क्या फैसला लिया है? (ाोर)

(इस समय बहुत से माननीय सदस्य फिर बोलने क लिए खड़े हो गए।)

Mr. Speaker: Please sit down. I iwll satisfy you.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, यह बहुत ही सीरियस बात है कि हमारे पूर्व प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी की कोठी पर हरियाणा सी0 आई0 डी0 के दो कर्मचारी पकड़े गए है। (ोर) पीकर साहब, आपको अभी हमारी बात सुननी चाहिए

Mr. Speaker: Capt. Sahib, please listen, you are not on the front. (interruption) You are not to fight here. If you want to figh, go back in the army. Please havepatince and take your seat. ऐसा है कि इस इ ू पर श्री हीरा नन्द आर्य, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह और श्री राम बिलास भार्मा ने कालिग अटै ान मो ान के नोटिसिज दिए है। वे मेने ऐडमिट कर लिए है ओर परसों के लिए रखे है। (ोर)

श्री अध्यक्षः कल के लिए आलरेडी एक काल अटै ान मो ान ऐडमिट है।

These calling attention motion are admitted for day after to morrow.

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे यह प्रार्थना है कि जो प्र न विपक्ष के नेता ने उठाय है, वह कोई साधारण प्र न नही है। अगर वह साधारण प्र न हाता तो संसद के दोनों सदनों में इतना भारी भाोर भाराबा नही होता। अध्यक्ष,

महोदय, आपने उसको कैजुअली पास और कर दिया, उसका मुझेबड़ाखेद है। मै आपके बारे में कुछ नही कह सकता क्योंकि आपके पद की बहुत गरिमा हैं पूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी की कोठी पर जिन दो हरयिाणा सी0 आई0 डी0 के मुलाजिमों की गिरफ्तारी हुई है, उस कारण यह मामला डायरैक्ट हरियाणा के कन्सर्न्ड है। क्या सरकार ने उनको सरविलैस के लिए वहां पर लगाया थ्ज्ञा या वे अपनी मर्जी से वहां चले गए थे? क्या दिल्ली के अन्दर हरियाणा सी0 आई0 डी0 की जुरिसडिक ान है? उनके वहां पर जाने की क्या वजह थी, क्या जरूरत थी? (ाोर)

कुछ आवाजें: स्पीकर साहब, गुप्ता जी की आवाज सुनाई नही दे रही है। इनका माइक कैसे बंद हो गया? (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, गुप्ता जी का माइक क्यों बंद कर दिय गया है? (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ता: मेरा माइक जानबूझ कर बंद कर दिया जातहै। यह इस सरकार की ताना ााही है। हाउस में हम इनकी ताना ााही नही चलने देगे। (ाोर) ये हमरी बात को सुनना नही चाहे है। हमारे भी कोई उदगार है, हमीर भवानएं हैं हरियणा के लोगों के दिलों पर ठेस लगी है। यह प्र न सीधा हरियाणा से संबंध रखता हैं उसके बारे में हमें चर्चा नही करने दी जा रही है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नही हैं किसी ने जानबूझ कर माइक बंद नही किय। किसी फास्ट की वजह से अचानक बंद हो गया होगा, जिसे अब ठीक कर दिया गया है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनिए। हम आपसे इस बारे में कोई पौजिटिव बात चाहते है। हम आपसे बड़ी आ ाा रखते हैं ओर आपसे न्याय की उम्मीद रखते है। आप जो इन्साफ की बात है, वह करे।

श्री अध्यक्षः आपकी बात आ गई है, अब आप कृपया बैठे।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, आपने बड़ी कुपा की कि दिल्ली वाली घटना के बारें में मेरा, हीरा नन्द आर्य और महेन्द्र प्रताप सिंह के कालिग अटै ान मो ांज ऐडमिट कर लिए है। यह आपने हमारे ऊपर बहुत कृपर की है। आज आप बहुत अच्छे मूढ में आए है। परन्तु यह मामला बहुत गम्भीर है हरियाणा में प्रोफैसर सम्पतसिंह जी की काबलियत इतनी गजब की है। कि कुछकहा नही जा सकता। हनसे हरियाणा की कानून व्यवस्था तोसम्भाली नही गई लेकिन अब दिल्ली का कानून व्यवस्था सम्भाल रहे हैं अध्यक्ष महोदय, इस मामले को आज ही डिस्कस करने का समय दे दें तो बहुत अच्छाहोगा। इस मामल पर बहस हो जाने से सदन की तसल्ली हो जाएगी। प्रौफैसर सम्पत सिंह जी इतने काबिल है। * * * *

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो आपने फैसला दिया है, उसका हम स्वागत करत हे कि आपने इसके महत्व को समझा है लकिन, अध्यक्ष महोदय, सबस`बड़ी बात यह है कि यह मामला इतना छोआ नही है कि इसको ऐसे ही छोड दिया जाए। इस सरकार के बहुत गम्भीर आरोप है। इस बारे में स्वयं प्रधान मंत्री जीने हयां तक कह दिया है कि यह एक अनैतिक मामला है। और इससे हामर सिर भार्म` झुक जाता है। इसलिए अब ऐसी कोइ⁄बात नही रह जाती जिसके बारे में कुछ कहा जाए। यह सरकारगुनाहों के घेरे में आ गई है, इसलिए इस मामले को ज्यादा लम्बा न किया जाए ओर अपने फैसले को पुनः रिव्यू करते हुए इस पर आज ही बहस करा ली जाए। यह मामला बहुत गम्भीर है इसलिएआज सरकार को दूसरी कार्यवाही रकने की जरूरत नही है। क्योंकि सरकार पर बहुत ही गम्भीर आरोप लगे है। हालांकि प्रधान मंत्री हमारी स्पोर्ट सह`है, लेकिनहमने तो अपनेत्याग और दे ा भक्ति का सबूत दिया हैं इस बारे में हमं दुबारा सोचनाहोगा। इसलिए मै चाहता हूं कि इस मामले पर आज ही बहस हो जाए तो बहुत अच्छा रहेगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, इसक लिए तो हम आपका धन्यवाद करत है कि श्री राजीव गांधी की सी0 आई0 डी0 करत हुए हरियाणा सी0 आई0 डी0 के जो दो कर्मचारी पकड़े गए है, इस बारे में जो काल अटैन्- ान मो ान दी थी, वह आपने

ऐडमिट कर ली है। इस बारे में सभी को यह राय है कि इस पर आज ही विचार कर लिया जाए।यह कोई अच्छी बात नही कि किसी विधायक या राजनीतिक व्यक्ति की सी0 आई0 डी0 की जाए। हमारे आरणीय गृह मंत्री इनते काबिल है। इनको सारे दे ा की चिन्ता है।

अध्यक्ष महोदय, इसक अलावा मेरा दूसरा काल कटै ान मो ान 'पीग' अखबार में प्रोफैसर संपत सिंह के बारे में एक छपी खबर के बारे में जिसमं यह लिखा है कि ''साढ़े आठ रूपए से 50 लाख की कोठी तक''। (ाोर) मेरी इस कालिग अटै ान मो ान का क्या हुआ?

Mr.Speaker: That is under consideration.

सहकारित मंत्री (श्री धीर पाल सिंह): ''पीग'' अखबार मतें तो छः महीने तक श्री बी0 डी0 गुप्ता जी के बारे में भी छपता रहा है। (विध्न)

(इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खड़े हुए)

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिंह यादव।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकरसाहब, मेरा निवेदन है.....

Mr. Speaker: Please take your seat. Let me first Listen to capt. Ajay Singh. I have called upon him.

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, श्री राजीव गांधी की कोठी पर दो सी0 आई0 डी0 के आदमी पकड़े हुए है। यह बहुत ही अहम मुद्दा है। (विध्यन एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, यह बड़े भार्म की बात है कि यह मामला हरियाणा का मामला है ओर बहुत ही गम्भीर है इसलिए इस पर चर्चा आज ही होनी चाहिएं (विध्न एवं भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, इस मुद्दे पर कालिग अटै ान मो ांज आपने ऐडमिट किये लेकिन उन्हे ंपरसो के लिए रखा है। (विध्न एवं भाोर) स्पीकर सर, मुझे इस बारे में में सिर्फ इतनी ही बात कहतनी थी जो जबवाब माननीय गृह मंत्री जी या मुख्य मंत्री जी ने देना है, वह आज ही दिया जाए। जो दो लोग सी0 आई0 डी0 के पकड़े गए है। वे हरियाणा से ातलुक रखते है। स्पीकरसर, इसमें सिर्फ इतना ही जवाबा देना है कि जो दो सी0 आई0 डी0 के व्यक्ति है वे गिरफ्तार हुए है या नही हुए है। वे सरबिलैस में पकड़े गए है या वैसे ही पकड़े गए हैं (विध्न) स्पीकरसाहब, चिन्ता का विशय यह है कि इसमे ंहरिाा की सीधी इन्वीलवमैंअ है। वे आदमी गिरफ्तार हुए है या नही हुए है, इसके लिए मै समझता हूं कही बाहर से इत्तलहा नही लेनी पड़ेगी। हमारे दो मलाजिम दिल्ली में गिरफ्तार हुए है या नही हुए है, इसके लिए लम्बी चौड़ी इन्फर्मे ान डिपार्टमैंट से या फील्ड से मंगवाने की जरूरत नही है स्पीकर साहब, इस विशय पर बहस आज ही होनी चाहिए। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः वीरेन्द्र सिंह जी, आप खुद पालियामैटरी मिनिस्ट रह चुके हैं जब अजवाब आएगा तो आज कहेगे कि हम सैटिसफाइडनही हैं (विध्न एवं भाारे)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, अगर हम सैटिसफाई नही होगे तो आप इन्हे और टाईम द सकते है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः यह आप क्या करते हुै कृपया बैठिए (विध्यन एवं भाोर) पुनिया साहब, अगर आप ऐसी ही एक–दूसरे को चुप करवा लियाकरें तेा मेरी काम काफी आसान हो जाए।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, यह मामला इता अहम है कि इस पर चर्चा आज ही होनी चाहिए। मै आपकी तवज्जोह 15 मार्च, 1990 की प्रोसीडिग्ज की तरफ दिलाना चाहता हूं किजसमें मैने अपने भाशण में जिक्र किया था क एम0 एल0 एज0 के खिलाफ सी0 आई0 डी0 लगाई हुई है। ताकि सरविलैस करवा कर डनहे विकटेमाइज किया जाए। उनके खिलाफ झूठे केस दर्ज कियए जाए। स्पीकर सरद्व श्री राजीव गांधी जा पालियामैंट मं विपक्षी पार्टी के नोता है, उनके घर तक सी0 आई0 डी0 पहुंच गई। (विध्न) स्पीकरसाहब, यह मामला बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए इस परआज ही बहस होनी चाहिए। (विध्न एवं भाोर)

श्री महेन्द्र प्रताात सिंहः अध्यक्ष महोदय, आपने कालिग अटै ान मो ान ऐडमिट कर लिण हैं (ाोर एवं विध्न) यह एक बहत ही गम्भीर मामल हैं कोई भी कर्मचारी बिना सरकार के या

किसी बड़े अफसर के आदे ा के इस प्रकार का कोई कार्य नही कर सकता, यह अण्डरस्टृड है। (विध्न) स्पीकर साहब मुझे यह सद ाा है। कि दो दिन का समय लेने के बाद ये झूठी कहानी घड़ेगे। उनकर्मचारियों को छुट्टी पर दिखाएंगे, उनकी गैर हाजिरी लगा करया कोई और बहाना बनाकर हाउस के भरमाने की कोि ा ा करेगे। अध्यक्षम होदय, या सारे हाउस की भावना का सवाल हैं यह मामला बहुत की गम्भीर है। यह केवल प्रदे ा का ही नही सारे दे ा का सवाल हं इसलिए मेरी गुजारि ा है कि अगर इस पर आज ही चर्चा करवाई जाती तो ठीक होता।

Mr. Speaker: Mohinder Paratp Ji, it is not possible today. Let me proceed further.

प्रो0 सम्पति सिंहः आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान सर। स्पीकर साहब, आपकी बड़ी मेहरबानी जो आपने मुझे परमिट किया। इसमें कोई भाक नही कि सारा हाउस और इस दे ा की जनता इस बारे में चिन्तित है। हर मैम्बर साहब भी इसके लिए चिन्तित है। कुछ लोगों ने कालिग अटै ान मो ांज भी इस बारे में आपके सामने पे ा किए हैं आपने व कंसिडर भी किए हैं और परसो के लिए उनका जवाद देना तय हुआ। सरकार बाकायदा इस बारें में यह कहना चाहती है कि यहां बाकायदा पूरी सच्चाई के साथ जवाब देगी ओरकोइ कहानी वगैरह नही बनायेगी (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह कोई पर्सनल ऐक्सप्ले ा नही हैं इनको यहां पर कालिग मो ान का जवाब देना चाहिए। हम इस बारे में कोई कहानी नही सुनेगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः इसका मतलब क्या यह है कि ये पहले कहानी बनाते रहे है। (ाोर)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकरसाहब, आपने यह कहा था कि मुम्हारे कालिग अटै ान मो ांज परसो के लिए ऐडमिटिड है लेकन आपने इनको जवाब देने का वायदा किया है।

श्री राम बिलास भार्माः इन्होने हमारी कालिग अटै ान मो ांज का ही जवाब दिया है। उनको पकड़ने वाली बात का जवाब देते तो दूसरी बात थी या फिर भजन लाल के साथ इनकी कोठी गन रही है, उसका जवाबद दते तो बात बनती।

प्रो0 सम्पत सिंहः मैने यह कहा है कि जवाब तो मै परसो को दूंगा।

श्री बनारसी दास गुप्ताः स्पीकर साहब, जवाब देने से पहले गृह मंत्री महोदय दो तीनबातों के बारें मेऔर बतला दे। हरियाणा मे वर्श भर से कई मामले लम्बित पड़े हुए हैं बड़े गम्भीर है जो सी0 आई0 डी0 के पास है लेकिनआज तक ये उनकी जांच नही करवा सके। हरियाणा के अन्दर मेहम में एक निर्दलीय उम्मीदवार की हत्या हो गयी। आज तक उसकी इन्कवायरी नही हुई है। इतने बड़े बड़े कांड हरियाणा के अन्दर हुए है, आज तक

उनकी जांच नही हुई है। उनकी आज तक सी0 आई0 डी0 ने जांच नही की है आपकी सी0 आई0 डी0 के कर्मचारियों ने श्री राजीव गांधी की जो सी0 आई0 डी0 की है, उसे बारें मे बतायें। मै तो यही कहता हूं कि जवाब देना ही है तेा यह बताये कि क्या इंक्वायरी हुई है। (व्यवधान व भाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः सारी बातें का जवाबा दिया जाएगा, आप सुनने की भी हिम्मत रखो। (व्वयवधान एवं भाोर)

(इस समय समस्त विरोधी पक्ष के सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलने लग गए।)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्ब्र्ज, अब आप बैठिए और मुझे अगली आईट टेक अप करने दीजिए।

वाक आउट

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, अगर इन कालिग अटै ान मो ांज को आत टेक अप न करके इस इम्पॉटेन्ट मामले को इस तरह से टाला जाना है तेा हम वाक–आउट करते है।

(इस समय कांग्रेस (आई) पार्टी के उपस्थित सदस्य सदन से वाक–आउट कर गए।)

श्री हीरा नन्द आर्यः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।.....

.....

Mr. Speaker: Please sit down. No point of order now.

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब एक मंत्री टेबल औफ दी हाउस पर पेपर्ज ले करेगे।

Home Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to lay on the

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1986-87, as required under Section 39(2) Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1987-88, as required under Section 39(2) Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974

The Annual Report of Haryana State Board for the Prevention & Control of Water Pollution for the year 1988-89, as required under Section 39(2) Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board of the year 1985-86 as required under section 19A(3) of the Comptroller and Audition General of India (Duties, Powers and Condition of Service) Act, 1971.

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board of the year 1986-87 as required

under section 19A(3) of the Comptroller and Audition General of India (Duties, Powers and Condition of Service) Act, 1971.

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board of the year 1987-88 as required under section 19A(3) of the Comptroller and Audition General of India (Duties, Powers and Condition of Service) Act, 1971.

The 21st Annual Report and Accounts of Haryana Agro-Industries Corporation Ltd. for the year 1987-88 as required under Section 619 A(3) (b)of the Companies Act, 1956

The 22nd Annual Report and Accounts of Haryana Agro-Industries Corporation Ltd. for the year 1987-88 as required under Section 619 A(3) (b)of the Companies Act, 1956

The Report of Haryana Backward Classes Commission, 1990 headed by Justice Gurman Singh (Retired).]

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1988-89 in pursuance of the provision of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General if India for the year ended 31st March, 1989 No. (3)(Civil) of the government of Haryana is pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1990 No, (1) (Commercial) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

विभिन्न विशयों को उठाया जाना (पुनरारम्भ)

श्री हीरा नन्द आर्यः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: No point of order. Please take your seat.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या प्वायंट आफ आर्डर का कोई टाईम फिक्स है?

श्री अध्यक्षः आधा घंटा होगया है आप आगे कोई कार्यवाही तोचलने नही देते।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अबर कोई प्वायंट आफ आर्डर रेज करें ओर उसको समय न दिया जाए तो उस प्वायंट आफ आडैर की रैलेवैन्सी क्या रह जाती है?

श्री अध्यक्षः इनका प्वायंट आफ आर्डर तो कोई है ही नही।

श्री हीरा नन्द आर्यः प्वायंट आफ आर्डर तो है, यदि आप सुने।

श्री अध्यक्षः अच्छा बताओ ंकि क्या प्वायंट आफ आर्डर है?

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, पहली बात बात तो मै यह कहना चाहता हूं कि क्या कोई कार्यवाही समाप्त होने के बाद प्वायंट आफ आफ आर्डर सुनने का प्रावधान है?

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, आप मुझे पढ़ओं न बल्कि अपनी बात कहो।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मैने तो तीन ध्यानकर्शण प्रस्ताव दिए थे एक का तो जवाब आ एगया है लेकिन बाकी का क्या हुआ? (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: That time is over now. Please take your seat.

डा0 हरनाम सिंह: स्पीकरसाहब, मेरा गेहू के बारें में एक काल अटैन् ान मो ान था। 215 रूपये क्विटल गेहूं खरीदी गई और आटा पांच रूपए किलो बेचा जा रहा है।

श्री अध्यक्ष: उस पर मैने गवर्नमैंट के कमैंटस मांगे है।

उपाध्यक्ष का चुनाव

Mr. Speaker: Hon. Members, under Rule 10 (ii) of theRules of Procdure ad Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the 5th March, 1999, was fixed as the day for electionof the Deputy Speaker. Now, I call upon the hon. Members topropose the name(s) for election fo the Deputy Speaker:

Agriculture Minister (Sh. Kishan Singh Sangwan): Sir, I bet to move—

That Pandit Vsu Dev Sharma, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker.

मुख्य संसदीय सचिव (श्री पारू राम): स्पीकर साहब, मै इसका समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That Pandit Vsu Dev Sharma, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker.

श्री बनारसी दास गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं—

कि पंडित दुर्गा दत्त अत्री, जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य है ओर सदन में उपस्थित है, को उपाध्यक्ष पद के लिए चुना जाएं

श्री सूरज भान: स्पीकर साहब, मै इसका समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That Sh. Durga Datt Attri, a member of the HaryanaLegislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker.

Now, there are two motions before the House. So, I will first put the motion moved by the Agriculture Minister, Sh. Kishan Singh Sangwan,

Question is—

Ahtat Pandit Vasu Dev Sharma, a member of the Haryana Legislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker.

(Mr. Speaker after calling upon thos member who were for “Aye” and thos who were for “No”, respectively, to rise in their pleaces and on a count having been taken declared the motion carried ad Pandit Vasu Dev Sharma elected as Deputy Speaker)

(Cheers from the Treasury Benches)

The motion was carried

Mr. Speaker: I request Pandit Vasu Deve Sharm to please offupy his seat of Deuty Speaker.

(At this state, Pandit Vasu Dev Sharma, esorted by the Cheif Minister and the Leader of the Opposition offupied the seat of the Deputy Speaker.)

बिल (इन्ट्रोजड्यूसड–सदन की अनुमति से)–

दि हरियाणा एंड पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवसिर्टीज (हरियाणा अमैडमैंट) बिल, 1991

श्री अध्यक्षः अब ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर दि हरियाणा एंड पंजाब ऐग्रीकल्चरल यूनिवसिटीज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1991 को इन्ट्रोडयूस करने के लिए हाउस से परमि ान लगे।

Agriculture Minister (Sh. Kishan Singh Sangwan): Sir, I bet to move—

That leave be granted to introduce the Haryana and Punjab Agricultural Universiites (Haryana Amendment) Bill, 1991.

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पे ा हुआ कि–

दि हरियाणा एंड पंजाब ऐग्रीकल्चरल यूनिवसिटीज (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 1991 को इन्ट्रोडयूस करने की परमि ान दी जाएं

श्री अध्यक्षः अब मिनिस्टर साहब बिल इन्ट्रोडयूस करेगे।

Agriculture Minister (Sh. Kishan Singh Sangwan): Sir, I introduce the Bill.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब गवर्ननर साहब के ऐड्रैस पर डिस्क ान रिज्यूम होगी। कल जब हाउस ऐडजर्न हुआ था तेा श्री कैला ा चन्द्र भार्मा बोल रहे थे। वे कृपया अपनी स्पीच कंटिन्यू करें।

श्री कैला ा चन्द ार्मा (नारनौल): अध्यक्ष महोदय, कल मै आपकी सेवा में बता रहा था किसानों की दुहाई देने वाली

सरकार ने हर बात को किसानों केसाथ जोड़ने की कोि ा ा की। परन्तु जो हरियाणा के किसान की जीवन रेख है, जिसके आधार पर यह सरकार सत्ता में आई थी उसी एस0 वाई0 एल0 का निर्माण नही होगा। मै कल बता रहा था कि एक तरफ तो सरकार अपने आप को एक अच्छा सेवक बता रही है और दूसरी तरफ जब लोग भगवान का नाम लेते है अयोध्या जाते है, तो उनको रोकने के लिए यू0 पी0के बार्डर सील किया जाता हैं और सैनिक तथा अर्ध सैनिक बल लगाए जो हैं और गोलिया चलाई जाती हैं परन्तु जो उग्रवादी हिन्दूस्तान से पंजाब प्रांत को लग करना चाहते है एस0 वाई0 एल0 नहर को बनने से रोक रहे है, और इंजीनियर्ज को गोलिया से उड़ा रहे है। उनको रोकने के लिए सेना को तैनात नही किया गया। सौभाग्य से किसानों की दुहाई देने वाला आदमी ही आज केन्द्र में उप प्रधान मंत्री के पद पर बैठा है। अगर वे ईमानदारी से किसानों का भला करना चाहते है तो वे दिल्ली में बैठी सरकार द्वारा एस0 वाई0 एल0 कैनाल पर सेना तैनात करवा सकते हैं इस तरह से तो आने वाली फसल तक एस वाई एल का पानी आ सकताहै वरना कोई और रास्ता नही है। मै नही जानता कि इसके अलावा इन्होने कोई और नया रास्ता ढूंढ लिया होगा या कोई नई टैक्नोलोजी बना ली होगी अथवा किसी जादू की छड़ी से पानी आ जाएगा। एक ओर तो हरियाणा के किसानों को कहा जा रहा है कि आपके भाव हमने बढ़ा दिए हैं अभिभाशण में भी इस बात का जिक्र है। स्पीकर साहब, आप स्वयं किसान है जहां एक और किसान की जेब में इहोने दस रूपयाडाला वाह

दूसरी ओर 100 रूपए निकाल कर उसकी जेब काट ली गई। मिसाल के तौर पर पिछले साल डीजल 3.65 रूपए लिटर था और अब वही 5.35 रूपए लिटर है। एक लिटर के पीछे लगभग दो रूपए बढ गए है। अगर एक किसान रोजाना बीस लिटर डीजल का प्रयोग करता है तो वह महीने में 600 लिटर का प्रयोग करेगा ओर साल में 7200 लिटर का प्रयोग करेगा। तो उसका एक साल का केवल डीजलका खर्चा लगभग 13000 रूपए बढ़ गया है। मै जानना चाहता हूं कि किसान को इसके बदले में क्या दिया है? क्या हरियाणा रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यही 80 प्रति ात देहाती लोग नही है? क्या वे कंज्यूमर नही है? अध्यक्ष महोदय एक ओर जो 80 प्रति ात किसान उत्पाद कै दूसरी ओर वे उपभोक्ता भ्ज्ञी है। क्या इन बसों में टाटा, बिडला, डालमिया और सिधानिया यात्रा करते है? इन बसों म ंवही 80 प्रति ात किसान यात्रा करते है जिनका किराया इन्होने बढ़ा दिया है। आज डालडा घी की कीमत बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं क्या डालडा घी का इस्तेमाल टाटा, बिड़ला और डालमिया करते है? डालडा घी का इस्तेमाल तो गरीब लोग करते है, दे ा के 80 परसैन्ट गरीब किसान मजदूर उसका इस्तेमाल करते हैं इसके साथ साथ मै ंएक बात यह भी कहना चाहता चाहूंगा कि डालडा घी की ही कीमत बढ़ने की बात नही है बलिक एक सीमेंट का कट्टा जो पहले 72 या 73 रूपये में मिल जाता था आज वही कट्टा 105 रूपए में मिलता है। क्या सीमेंट का इस्तेमाल बिड़ला टाटा या सिघानिया करते है। यदि उनकों अपनी कोठिया बनाने के लिए 20 लाख रूपए कीआव यकता होगी

तो 20 लाख की बजाय 21 लाख रूपए की लागत लगाने में उनहें कोई कश्ट नही होता। यदि किसी गरीब आदमी को अपने बच्चे के लिए कोई कमरा बनाना हो तो क्यावह इतना महंगा सीमेंट खरीद पाएगा। इस बारे में सरकार को बड़ी गम्भीरता से विचार करनाचाहिए। केवल नारे और तालिया बजवाने से किसानों की भलाई नही होगी। अगर केन्द्रीय सरकार गरीब किसानों की भलाई करना चाहती है ो किसानों को केवल स्पोर्ट प्राईस नही चाहिए बल्कि उनको तो उनकी कौस्ट ऑफ प्रोडक ान क्या है, एक क्विटल प्रोडक ान परकितने पैसे का डीजल प्रयोग में आता है, बिजलीा का कितना खर्चा आता है, बीज पर कितना खर्चा आता है, खाद पर कितना खर्चा आता है, कीटना ाक दवाईयों पर कितना खर्चा आता है और खेत में कमा करनेवाले परिवार की मिनिमम वज के हिसाब से मजूदरी कितनी है, इन सारे खर्चो का हिसाब लगा करके उसकी कौस्ट ऑफ प्रोडक ान का पता करके उसको लाभप्रथ मूल्य देने की बात करे। अब मै सिचाई के संबंध में अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। एस0 वाई0 एल0 कैनाल का मामलता तो पंजाब से संबंधित है। मै तो हरियाणा प्रदे ा की बात कहना चाहता हूं कल माननीय मुख्य मंत्री जी ने प्र नोत्तर काल में कहाथ ाकि महेन्द्रगढ़ जिले में जे0 एल0 एन0 नहर का पानी टेल पर पहंचु गया है। जे0 एल0 एन0 नहर पर जो 68 पम्प हाउसिजस बनने थे, उनमं से आज भी 26 म्प हाउसिज बिजली के कनैक ांज के बना बंद पड़े है। उस जिले में आए ऐसे क्षेत्र है, जहां पर उस नहर का पानी टेल तक नही पहुंच पाया है।क्योकि

पम्प हाउसिज की बिजली का कनैक ान ही नही दिया गया है। उस क्षेत्र में भी विधोपुरर, धोमेडा, करोली, मरोली, धानूला, गोद बलाव, भुंगारका, भााहबाजपुर ओर नायन घनवास गावों के लोग एक–एक बूंद पानी के लिए तरस रहे है। अगर यह सरकार ईमानदारी से किसानों की भलाई करना चाहती है। तो उनकी मूलभूत आव यकताओं पर विचार करना चहिए। इस अभिभाशण के दूसरे हिस्से में इस सरकार द्वारा हरियणा के नौजवानों को एक बार फिर गुमराह करने की कोि ा ा की गई हैं बड़े लुभावने भाब्दों में कहा गया है कि एक परिवार एक नौकरी यानी हर परिवार के एक बेरोजगार को रोजगार दिया जाएगा। इससे बड़ा फ्राड और क्या हो सकता है। हरियाणा प्रदे ा मं 35 लाख परिवा है तो 35 लाख नौजवानों को नौकरी कहां से आएगी। इस बारे में न सरकार के पास कोई स्कीम है और न ही इसके लिए बजट में कोई प्रावधान किया गया है। इसी सरकार ने एस0 एस0 एस0 बोर्ड से पांच हजार क्लकों की एक निस्ट जारी की थी, क्या उन सब को नौकरी दे दी गई है? 22000 पटवारियों की एक लिस्ट जारी की थी क्या उन सब को नौकरी दे दी गई है औश्र 10 हजार प्रौढ़ ि ाक्षा के कर्मचारी थे, उनको इस सरकार ने सड़के पर खड़े कर दिय, क्या उनको नौकरी दे दी गई? क्या वे सारे लोग हरियाणा के परिवारों में भाामिल नही है? क्या उनकी गितनी हरियाणा के परिवारों में भाामिल नही है? अध्यक्ष महोदय, हमारे पूर्व आई0 पी0 एम0 साहब चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने हर हल्के के पांच–पांच लडत्रकों कोएच0 एस0 ई0 बी0 में नौकरी पर लगाया

गया था लकिन उनको भी दइस सरकार ने घर बैठा दिया। वे कोर्ट में चले गए। उनमें से कुछ लड़कां को तो कोर्ट के माध्यम से नौकरी पर लगा लिया ओर कुछ अभी रहे है। हमारे नौजवानों को पहले तो एस0 एस0 एस0 बोर्ड के चक्कर काटने पड़ते है। यदि वहां पर उनकासिलैक ान हो जाताहै तो उनको कोर्ट के चक्क काटने पड़ते है। यदिवहां पर उनकासिलैक ान हेा जाता है तो उनको कोर्ट के चक्कर काटने पड़ते है यानी एस0 एस0 एस0 बोर्ड से जिन क्लकों की लिस्ट जारी हुई थी, उनमें से कुछ लड़के कोर्ट में चले गए। कुछ लड़कों को कोर्ट के आदे ज्ञ से इस सरकार ने नौकरी पर लगाया। यह तो प्याज की चोरी वाली बात हुई। प्याज के चोर की कहानी तो आपने सुनी होगी। किसी आदमी ने प्याज की चोरी कर ली ओर वह पकड़ा गया। उसको तीन किस्म की सजा हुई या तो वह 100 प्याज खा ले या 100 कोडे लगवा ले या 100 रूपये जुर्माने के ददे। उसे चहाचलो प्याज खा लेता हूं। उसने मुि कल से 20 या 30 प्याज खाए होगे उसकी नाक ओर आंख में पानी आ गया। फिर उसे कहाचलो मै 100 कोडेत्र की लगा लेता हूं। उसेनमुि कलसे 20 या 30 कोड़े लगवाए होगे उससे सहन नही हुए। आखिर में उसेन कहा कि मै 100 रूपए जुर्माने के ही दे दूंगा। वही काम यह सरकार कर रही है पहले सिलैक ान लिस्ट जारी करती है।, फिर पैसे का नुक्सान बर्दा त करते हुए कोर्ट का आदे ा आने पर उसको नौकरी देती है ओर जितन दिन उनको नौकरी पर नही लगाया उतने दिन की उनकी तरखाह भी देतीळें अध्यक्षम होदय, केवल बातें में हरियाणा

के हर परिवार के एक बेरोजगार को रोजगार देने के लिए पहले कोई योजना बननानी पड़ती है और उसके लिए बजट में पैसे का प्रावधान करना पड़ता है। केवल नारों से लोगों की भलाई नही हो सकती। इस अभिभाशण में भ्रश्टाचार के बारे में भी बहुत कुछ कहा गया हैं अगर भ्रश्टाचार केवल नीचे लैवल पहर होता तो बात समझ मे आ सकती थी लेकिन यह तो वही बात हुई, जो किसी भाायर ने कही है–

बरबाद चमन के करने का जब एक ही उल्लू काफी है,

यहा तो हर साख पे उल्लू बैठा है, अन्जामें गुलिस्तां क्या होगा।

अध्यक्ष महोदय, भ्रश्टाचार केवल आफिसर ही नही कर रहे है। आज के ही दो अखबारों में इस प्रकार के दो मन्त्रियों के बारे में बहुत कुछ कहा गया है और उन अखबारों में बाकायदा उन मन्त्रियों के नाम भी लिखे हुए हैं उस मंत्री की 12–13 बसे चल रही है। जब कए अधिकारी ने इस बसों का चालान करना चाहता तो उसे डाराया धमकाया गया। जिस मंत्री की ये नाजायज बसेज चल रही है, उस मंत्री का नाम राव लक्ष्मी नारायण हैं इतना ही नही स मंत्री के बेटे ने महेन्द्रगढ़ में भयाम लाल गुपता का, जिस का एक पैट्रोल पम्प मालिक ने कहा कि लाईनें लगी हुई है तुम भी लाईन में लग कर अपनी बसों में डीजल डालवा लो, इस पर मंत्री के लडके ने कहा कि हमारे लिए कोई लाईन वाईन नही

चलेगी। वहां पर मारपीट की गई और इ केस की एफ0 आई0 आर0 वहां पर पुलिस में दर्ज है। इतना ही नही इसमंत्री महोदय ने नारनौल में म्यूनिसिपल कमेटी की जमीन पर नाजायज कोठी बना ली हैं बाद में म्यूनिसिपल कमेटी से जब्रदस्ती कम्पाउंड फीस लगवा कर इस केस को रफा–दफा करवा दिया।

इसी प्रकार से एक खबर एक–दूसरे मंत्री में अखबारों में छपी और रेडियों में आई कि हरियाणा के एक मंत्री ने एक एस0 डी0 ओ0 को रि वत देते हुए गिरफ्तार किय। यह खबर सुन कर मुझे बड़ा आ चर्य हुआ कि हरियाणा के मंत्री भ्रश्टाचार से डरने लग है। वह एस0 उी0 ओण 13.11.90 को सस्पैन्ड होताहै और फिर 20 दिन के बाद उस एस0 डी0 ओ0 को बहाल भी किया जाता है। (इस समय भी उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

श्री उपाध्यक्षः आप जल्दी खत्म कीजिए आपने पहले ही काफभ समय ले लिया है।

श्री कैला ा चन्द भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कह रहा हूं कि वह अधिकारी केवल 20 दिनबार ही बहाल हो जात हैं उसकी कही कोई जांच नही हुई। रि वत देते समय गिरफ्तार करने वाला मंत्री भीा वही ळै ओर फिर बहाल करने वाला मंत्री भी वही है। एक तरफ तो उसे सस्पैड किया जाता है ओर दूसरी तरफ से उसे बहाल किया जाता है। यह बातसमझ म ंनही आती कि बहाल करते समय किसी जांच की जरूरत क्यों नही समझी गई?

उपाध्यक्ष महोदय, जब सरकार में भामिल मत्री भ्रश्टाचार में भाामिल हो तो फिर यह भ्रश्टाचार कैसे मिटेगा? यह मत्री महोदय कौन है उसकस नाम भी मै बात देता ये मत्री महोदय भागीराम जी मिनिस्टर आफ स्टेट फार पब्लिक हैल्थ है। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में यह भी जिकर किया गया है। कि हरियाणा के लोगों को एक गिफ्ट दी गई है और वह गिफ्ट क्या है। वह भी मै बता देता हूं। वह है गुरनाम सिह आयेग की रिपोर्ट। उपाध्यक्ष महोदय, सुना करते थे कि हिन्दूस्तान में कुछ मा र्ल कौमें है। हिन्दुस्तान की आजादी के बार यानि आज 43 साल के बाद भी और 7 पंचवर्शीय योजना लागू करने के बाद भी जो लोग उस सम बैकवर्ड क्लासिज में भाामिल किए गए थे, उनको तो हम ऊपर उठा नही सके और उनका विकास नही सके बल्कि जो मा र्ले कौमेथी, उनको भी ऊपर से नीचे बैकवर्ड क्लासिज मे भाामिल कर लिया गया हैं आज उनको कहा जा रहा है कि तुम बहादुर कौम नही हौं तुम्हारे में इतनी हिम्मत नही है कि तुम कम्पीटी ान में बैठ सको। आओं हम तुम्हारी इमदार करे, इसलिए तुम को स्वर्ण जाति से नीची जाति मं ले आते है। क्येंकि तुम उनका मुकाबला नही कर सकते।

मुख्य मंत्री (श्री हुक्म सिंह): उपाध्यक्ष महोदय इन्हे यह नही कहना चाहिए कि बैकवर्ड क्लासिज के भाई बहादुर नही होते।

श्री उपाध्यक्षः भार्मा जी, आप अपने मुद्दे तक ही सीमित रहे।

श्री कैला ा चन्द भार्माः उपाध्यक्ष महोदय,मेरे कहने का मतलब यह है कि जब इन बैकवर्ड लोगों को किसी सहारे की जरूरत होती थी तो ये मा र्ाल कौमे इनकी इमदाद के लिए आगे आती थी और आज भी आती है परन्तु अब इन मा र्ज्ञल कौमे में ऐसे हीन संस्कार पैदा किए जा रहे है। जिसके बारे में मै मुझ कहते हुए दुख हो रहा हैं ऐसा केवल वोट लेने` लिए किया जा रहाहै। उपाध्यक्ष महोदय, रामायण में एक प्रसंग आता है। कि वि वमित्र जी राम और लक्ष्मण को द ारथ से मांग कर ले जाते है जब वे जंगल से गुजर रहे थै तो एक जगह हड्डियों और पर मुण्डों को देखकर राम ने वि वमित्र से पूछा कि ये हड्डियां कैसी है? ये राक्षक मानवो को मार कर खा जते है, ऋशि मुनियों के हवन और यज्ञ को न ट कर देते है। जब वि वमित्र जी राम को ये बाते बता रहे थे तो अचानक उनके दिमाग में हय बात स्ट्राईक की कि मै इन बालों को भयभीत कर रहा हूं इनके मन में भय के संस्कारपैदा रहा हूं। मै इनकी इन राक्षसों के वध के लिए ही तो लैकर आया हूं मै इनमें भय के संस्कार क्यो डाल रहा हूं?

एक आवाजः ये अभिभाशण पर बोल रहे है या रामायण का प्रचार कर रहे है? इनकी अभिभाशण पर ही बोलना चाहिए। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः भार्मा जी, आप विशय में रह कर ही बोलिए।

श्री कैला ा चन्द भार्मा: उपाध्यक्षम होदय, मै तो संस्कार डालने की बात कह रहा था। उपाध्यक्ष महोदय, समाज का वह वर्ग जो कि समाज का रख्ज्ञक है,उनमें यह संस्कार भरे जा रहे है कि तुम कम्पिटी ान नही लड़ सकते। उनमं जबरदस्ती यह भावना पैदा करके उन्हें कमजोर करने की कोि ा ा की जा रही हैं इससे इन लोगों को नौकरियों नही मिलेगी। नौकरियों के लिए और रोजगार के लिए योजना बद्ध र्का करने की जरूरत है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इस हाउस में कहना चाहता हूं कि यदि सच्चे मायने में बेरोजगारी को दूर करना है तेा केन्द्र में बैठी हुई सरकार को अपनी औद्योगिक नीति में परिवर्तन करना चाहिए। (घण्टी) यदि सरकारवास्त में लोगों को काम देना चाहती है ते छोटी–छोटी चीजों को बड़े कारखानों में बनाने की इजाजत नही देनी चाहिए। अजल दे ा में 15/– रूपये का तौलिया बिरला की मिल में बनताहै। और 500/– रूपये मीटर का कप्ठा भी बरला की मिल में बनता हैं यदिसारे समाज को ईमानदारी से रोजगार देना है। तो छोटी चीजों के बनाने के लाईसैस बड़ी मिलो का न दिए जाए। छोटी छोटी चीजें उद्योगों में बनाई जानी चाहिए। सरकार को लघु उद्योगों और कुटीर उ़द्योगों को बढ़ावा देना चाहिए। यह तय होना चाहिए कि इतनी कीमत से कम हा लोहे का समान टाटा नही बनाएगा, इतनी कीमत से कम का कपड़ा बिरला की मिल में नही बनेगा। इतनी कीमत से कम का जूता वाटा नही बनाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि जो नीति इससमय अपनाई जा रही हैं इससे समाज के

कमजोर वर्गो और गरीब लोगों के नुकसानहो रहा है। दे ा को नुक्सान हो रहा है। अगर ये लोग वास्तव में गरीबो के लिए चिन्तित हैं तो उनके लिए अपनी नीति में परिवर्तन करे। उपाध्यक्ष महोदय, यदि वोटों में बराबरी नही लाई जा सकती। इस दि ाा में कोई काम नही किया गया। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः अब आप खत्म कीजिए।

श्री कैला ा चन्द भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, मै दो बातें कह कर अपनी बात को समाप्त करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, दक्षिणी हरियाणा में इस समय जो गम्भीर संकट है, उसे बारे में कहनाचाहता हूं। पिछले कई वर्शो से बारि ा के अभाव के कारण वाटर लेवल बहुत नीचे चला गया है। जिसके कारण महेन्द्रगढ़ ओर नारनौल के किसानों को भारी परे ाानी का सामना करना पड़ रहा है। मेरी प्रार्थना है कि नारनौल जिले में जोरसी बान्ध ओर हमीद पुर बांध है। इनमें जे0 एल0 एन0 कैनाल का पानी डाल कर उनको भर जाए तो इससे आस–पास के करीब 200 गावों को फायदा होगा ओर जमीन से वाटर लैवल ऊंचा होगा। आने वाले रैनी सीजन में भी इनको भरा जासकता है। इन भाब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मै आपना स्थान लेता हूं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(i) लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा

लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री भागी राम): डिप्टी स्पीकर साहब, मैने पर्सनल ऐक्सप्ले ान देनी है।

श्री उपाध्क्षः ठीक है, आप अपनी बात कहिए।

श्री भागी रामः हमारे माननीय साथी श्री कैला ा भार्मा जी बड़ी ऊंची डीग मार रहे थे। उन्होने मेरा नाम लेकर एक एस0 डी0 ओ0 के सस्पैंउ होने और फिर उसे बहाल होने की बात कही। डिप्टी स्पीकरसाहब, मै इनसे यह जानना चाहता हू कि क्या ऐसी प्रथा पहले नही थी? कैला ा भार्मा जी को कम से कम अपने साथियों से या श्री राम बिलास जी से बी0 जी0 पी0 की मीटिग में पूछना चाहिए था जब वे वजीर थे तो क्या उन्होने इस किस्म की कोई रिवायत डाली थी?

श्री जय नारायण खुंडियाः क्या आप बात ठीक है कि 5000/– रूपए मिठाई के डिब्बे से लेकर आया?

श्री भागी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें कोइ दो राय नही है कि वह एस0 डी0 ओ0 मेरे पास आया और मिठाई के डिब्बे में रूपये लकर आया। यह सही है। (व्यवधान व भाोर) मेरे पास उसने मिठाई का डिब्बा रखा। मेरे पास मेरा लड़का बैइा था। मैने लड़के से कहा कि जो लोग बैठे है, इनमें यह मिठाई बांट दो। (व्यवधान व भाोर)

श्री जय नारायण खुंडियाः क्या यह बात भी गलत है कि अखबार बाले भी वहां पर बैठे हुए थे? (व्यवधान व भाोर)

श्री भागी रामः अरे ठहरो तो सही। अब हमारी बात सुनने की हिम्मत भी नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, ये सारे के सारे कुर्सी के मारे हुए है। ये सारे के सारे पहले वजीर रहे हैं इनके अपने कारनामे ऐसे रहे है। (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन की एक परम्परा नही है। मंत्री जब कोई अपनी सफाई देता है। सब को कुर्सी के मारे हुए कहना, क्या इनको भाोभा देता है? कुर्सी के मारे हुए कौन है, यह तो सारा हरियाणा जानता है। हमने तेा सिद्धांतो के लिए कुर्सी को लात मार कर छोड़ दी है। दूसरों पर कीचड़ उछालने की बजाये ये अगर अपनी सफाई दे, तो ठीक होगा। (व्यवधान व भाोर)

श्री भागी रामः जब उस एस0 डी0 ओ0 को धमकाया गया तो वह रोने लगा गया। (व्यवधान व भाोर)

कामरेड हरपाल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। इनसे पहले यह पूछे कि डिब्बा वही था या नही जिसमें नोट थे?

श्री उपाध्यक्षः हरपाल सिंज जी, आप बैठिये। जब एक मत्री पर्सनल ऐक्सप्लेने ान दे रहा है तो इस तरह से बची में नही टोकना चाहिएं

श्री भागी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह बता रहा था कि उस एस0 डी0 ओ0 को जब धमकाया गया तो उसने हाथ जोड़ दिये और कहने लगा कि साहब, मेरा कोई कसूर नही है।

हमें आदत ही ऐसी डाली हुई है। यही नही उसने बाकायदा नाम लेकर श्री राम बिलास भार्मा जी के बारे में बताया कि सारे के सारे एस0 डी0 ओज0 की नही, टोटल मुलाजिमों को यह हिदायत दी हुई थी कि वह महीने के महीने इसहिसाब से उनको पैसे देकर आया करेगे। जब उसने इस किस्म की बात कही तो मुझे आग लग गयी, मैने कहा तुझे पता नही, अब में मंत्री हूं। पहले यह पता कर लेना चाहिए था कि अब राम बिलास भार्मा मंत्री नही है, अब मै मंत्री हूं। वह कहने लगा कि साहब, गलती हो गयी। अब मुझे माप कर दो। मैने उसको सस्पैड किया जतअ उसेन यह कहा कि ऐसी रिवायत है। (व्यवधान व भाोर) इनको कम से कम आपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए। (व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः अब आप बैठिए।

(i) श्री राम बिलास भार्मा द्वारा

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। सर, ऐसे है। कि भागी राम ने खुद यह कहा कि इन्होने उसको धमकाया और वह रोने लगा गया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे समय में कोई इस तरह की परम्परा नही थीं। कोई अधिकारी इस तरह से सस्पैड नही हुआ।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै निवेदन कर रहा था कि ये लोग जनता का वि वास इसलिए खो बैठे है। कि हमनु चुनाव में मत प्राप्त करने से पहले जनता के सामने कुछ

मुद्दे कांग्रेस की विरोधता का था ओर आज ये लोग कांग्रेस की भारण में चल गये है और उनका समर्थन भी प्राप्त कर रहे है।

आवाजेः मुलाकातें तो गुप्ता जी आपने भी काग्रेस से की है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बनारसी दास गुप्ताः हां, मै उन से मिलता हूं आप से भी मिलता हूं। ओम प्रका ा चौटाला से भी मिलता हूंकिसी को मिलने में तो काई हर्ज नही हैं (ाोर एवं व्यवधान) अगर आपके नेतओं ने सही नीतिया अपनाई होती, जनता के साथ किये वायदे पूरे किये होते तो इतनी मैजोरिटी के हाते हुए भी आपको राजीव गांधी जी की भारण में न जाना पड़ता। उनका समर्थन प्राप्त न करना पड़ता और गुरदयाल सिंह सैनी जैसे सदस्य को ससद को ससद से त्यागपत्र न देना पड़ता। यह सब तभी हुआ क्योंकि आपे नेताओं की नीतिया गलत थी। (ाोर एव व्यवधान)

श्री आत्मा राम गोदाराः उपाध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी ने अभी कहा कि हमने राजीव गांधी जी से मुलाकते की है औरयह अखबारों में भी आया है मै उन से पूछना चाहता हूं कि क्या उनकी पार्टी के नेता श्री वी0 पी0 सिंह ने उनसे मुलाकात नही की थी। ये हमें बताएं कि वे मुलाकाते कांग्रेस में जाने के लिए थी या कांग्रेस ने इनका रखा नही?

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी आप कन्टीन्यू रखिये। इस बात का इससे कोई ताल्लुक नही हैं

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै बो रहा था कि यह सरकार जनता का वि वास खो चुकी है। इसलिए यह सरकार सरकार नही है। इसी लिए हमने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के दौरान यह कहा था कि यह सरकार जनता का वि वास खो चुकी है। यह सरकार नही है। आप किस की ओर से अभिभाशण पढ़ रहे है? ऐसी सरकार का अभिभाशण हम नही सुनना चाहते। दूसरी एक और बात बड़ी पुरानी है। उपाध्यक्ष महोदय, जब सरदार प्रतात सिंक कैरों ज्वायंट पंजाब में मुख्य मंत्री होते थे और सरदार गुरदयाल सिंह ढिल्लो सदन के स्पीकर होते तो एक रोज चौधरी देवी लाल जी खड़े हुए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, यदि आप गवर्नर ऐड्रैस तक ही सीमित रहे तो अच्छा है। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप इसी प्रकार टोका टोकी करेगे तो मै बो लनही सकूगा। मै आपके बतलाना चाहता हूं कि बोलते समय भाशण में कुछ उदाहरण भी केट करने पड़ते हैं अगर आप ऐसे ही एतराज करेगे तो मै बोल नही पाऊंगा।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, 10 मिनट का समय था जिसमें से अपने 7 मिनट तो वैसे ही वेस्ट कर दिये। आप कृपया उसी मुद्दे पर इाईये जिस पर बोल रहे थे। (ाोर)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै बतला रहा था कि पंजाब में सरदार प्रताप सिंह कैरों मुख्य मत्री हुआ करते थे और ढिल्लो साहब अध्यक्ष थे तब सदन मं चौधरी देवी लाल जी खड़े होरक यह कहने लगे कि मै क्या बोलू? मंत्र तो कोई बैठा नही है। तो गुरदयाल सिंह जी कहने लगे कि चौधरी साहब मंत्री तो कई बैठे है। चौधरी साहब कहने लगे कि ये तो सन्तरी है, मंत्री तो केवल एक ही और वे ही यहां नही है। तो उपाध्यक्ष महोदय, उस समय एक मंत्री तो था लेकिन आज तो कोई मत्री नही सारे सन्तरी है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप इस लाईन का छोड़कर गवर्नर ऐड्रैस पर आए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै बिल्कुल विशय पर ही बोल रहा हूं विशय से अगर मै एक इंच भी बाहर जाऊं तो आप मुझे टोक सकते है। अभिभाशण जो हात ाहै, वह सरकार का होता है। मै उसी सरकार के बारे में बोल रहा हूं जिसका यह अभिभाशण है, मै विशय से बाहर नही जा रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है क कोई सरकार तो हो। चलो, हम इसको सरकार ही मान लेते है। ओर मुख्य मंत्री मास्टर हुकम सिंह को मान लेते है। लेकिन मास्टर हुक्त सिंह जी समाजवादी है ओर पिछले दिनों इन्होने एक वक्तव्य में बताया कि वे लोहियावादी है। तो मै मास्टर हुकम सिंह जी को याद दिलाना चाहता हूं कि 1947 में स्वाधीनता प्राप्ति के प चात जब लोक

नायक जय प्रका ा नारायण और डा0 लोहिया के नेतृत्व में सभी समाजवादी कांग्रेस से अलग हुए थे। उस समय ऐसा दल बदल को कोई कानून भी नही था लेकिन नैतिक आधार पर उन्होने त्याग पत्र दिए क्योंकि वे कांग्रेस के टिकट परचुन कर आए थे और उसी कांग्रेस से निकल रहे थे। इसलिए इनको भी चाहिए था कि यहां से इस्तीफा देकर फिर दोबारा चुनाव लड़ते और जनता का मैडेंट लेकर चुन कर आते और अपनी सरकार बनाते। फिर वह असली सरकार होती। चलो ठीक है। सरकार है, बैठे है, मानना पड़ेगा लेकिन कोई भी सरकार हो, उपाध्यक्ष महोदय, आप भी जानते है कि सरकार का सब से पहला परम कर्तव्य यह होता है.... .....

श्री उदय भानः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्यायंट आफ आर्डर है। गुप्ता जी की 13 मार्च, 1990 की स्पीच निकाल कर देख ले। उस समय ये क्या कह रहे थे और अब क्या कह रहे है? उसमें और इसमें कितना अन्तर है?

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि कोई भी सरकार हो, उसका प्रथम कर्तव्य यह होताहै कि वह राज्य के अन्दर कानून और व्यवस्था लागू करें इस अभिभाशण के अन्दर कानून और व्यवस्था की चर्चा की गई है। कि बहुत अच्छी है। क्या आज हरियाणा प्रदे ा में कानून और व्यवस्था नाम की कोई चीज है? यहां बड़ी बड़ी घटनाएं हुई निर्मम हत्याए हुई, गोलिया चली और लूट मार हुई। जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे

है और किसी प्रकार की कोई जांच नही होती न ही कोई कार्यवाही होती है। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह आ ाा करता हूं कि आप इस भाईयों से कहे कि यह मेरी बात को सुनने की भाक्ति पैदा करें जब ये बोलेगे हम इनकी सारी बातों को भाान्ति के साथ सुनेगे। आप सभी का पता है कि आज किनते दिन हो गए मेहम के अन्दर एक निर्दलीय उम्मीदवार की निर्मम हत्या हुए, क्या उसकी कोई जांच हुई है? यदि उस बारें में कोई जांच हुई है तो उसकी क्या रिपोर्ट है और उसका क्या परिणाम निकला? उस बारे में जांच के लिए एक रिटायर्ड जज महोदय की ड्यूटी लगाई थी वह 6 महीने तक दिल्ली में अ ाोका होटल में बैठ कर चला गय। हरियाणा सरकार की तरफ से उसेा किसी प्रकार के साधन उपलब्ध नही कराए गए ओर वह इसलिए नही कराए गए ताकि उस बारे में कोई जांच नह हो सके। इससे पहले भी एक जज की ड्यूटी लगाई गई थी, उसको यह कहा गया कि वह एक महीने के अन्दर अन्दर अपनी रिपोर्ट दें। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि हमारे साथी आदरणीय गुप्ता जी बोल रहे है ओर रनिग कोमैटरी चल रही है। लकिन इनकी तरफ से बार–बार बीच में ठोका जा रहा हैं यदि इनकी तरफ से सदन में यही वातावरण रखना है तो हमें कोई आपत्ति नहीं हम भी वैसा ही भाुरू कर देगे।

श्री उपाध्यक्षः अगर गुप्ता जी इस समय अंडर कंसिड्रे ान मामले से संबंधित बोलेगे तेा कोई टोका–टोा नही होगी। जब लाइन से बाहर बोलते हैं तो बची में टोका–टाकी होती हैं अगर गुप्ता जी लाइन के अन्दर ही बोलेगे तेा बिल्कुल बीच में भाोर नही होने दिया जाएगा।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मै विशय से बाहर बिल्कुल नही बोलूंगा। इस समय जो विशय चल रहा है। उसी से संबंधित बोलूंगा। क्या इन अभिभाशण में कानून और व्यवस्था का विशय नही हैं और मै इस समय कानून और व्यवस्था के बारे में बोल रहा हूं। उपाध्यक्ष महोदय, क्या यह बात सत्य नही है कि मेहम में एक निर्दलीय उम्मीदवार की निर्मम हत्या हुई, क्या यह सत्य नही है कि उस बारें में जांच के लिए एक रिटायर्ड जज की ड्यूटी लागई गई और क्या यह सत्य नही है कि उस बारे में जांच की कोई रिपोर्ट तक नही आई? इसके अलावा उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि मेरे जैसा व्यक्ति जो 50 वर्श से राजनीति क्षेत्र में ही, बड़े–बड़े पदों पर रहा हो, उपाध्यक्ष महोदय, इस कुर्सी पर मै भी बैठा हूं जिस कुर्सी पर आप बैठै है ओर उपाध्यक्ष की हैसियत से नही, अध्यक्ष की हैसियत से बैठा हूं। उस स्थापन परभी बैठा हूं जाहं पर आज मास्टर हुकम सिंह जी बैठे है। मेरे जैसे व्रूक्ति को सरेआम गोली कर दी जाउ ओर मुख्य मंत्री जी स्वयं होस्पीटल में जा करके मुझये सह कह करके आए कि गुप्ता, जी यह बहुत बुरा हुआ आप आपके साथ

हुआ, कल मेरे साथ भी हो सकता है। आपकी जिस ऐजेसी से इन्कवायरी करवा दूंगा। मैने इनसे यह प्रार्थना की कि आपकी बड़ी कृपा होगी यदि सी0 बी0 आई0 से इस बारे में सी0 बी0 आई0 से जांच करवा दूंगा। मैने मुख्य मंत्री जी को पत्र लिशा। उसके बाद भी मैने कुछ दिन तक इन्तजार किया क उस बारे में कोई जांच होगी लेकिन कोई जांच नही हुई। मैने मुख्य मंत्री जी को रिमाडंर भ दिया। मुख्य मंत्री श्री हुकम सिंह जी कम से कम दो लाईन का उत्तर देकर ि ाश्आचार क`तौर पर फर्ज निभाना भी उचति नही समझा हालांकि मै इनका प्रैडीसैसर रहा हूं। मै मुख्य मंत्री जी को एक पत्र लिखता हूं ओर उस पत्र मे ंवही लिखता हूं जो वे स्वय मुझे बोल कर गए थे। उसका जब मुख्य मंत्री से उत्तरनही मिलता तो एक स्मरण पर लिख। इस पत्र को मुझे आज तक कोई उत्तर नही मिला उसके बाद गृह मंत्री महोदय का एक ब्यान छपता है कि गुप्ता जी ने हमं सी0 बी0 आई की इन्क्वचारी करनवाले के लिए कु लिक्षर कर नही दिया। जब मैरी और मुख्य मंत्री जी की बात हो गई हो और मैने लिख कर भी दे दिया हो तो क्या गृह मंत्री जी उसे लिख हुआ नही मानते। मेरे कहने का मतलब यह है कि आत तक कोई कार्यवाही नही हुई। किसी जांच के आदे ा इन्होने दिए या नही दिए, मुझे इसका कोई उत्तर नही दिया गया। आज हरियाणा में कानून व्यवसाि ना मकी कोई चीज नही रही इसलिए हमने गवर्नर साहब के अभिभाशण का बहि कार किया था।

उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में एस0 वाई0 एल0 नहर का भी जिकर कियागया है और कहा गया है कि इनसे निर्माण में कुछ मजबूरियां है और कुछ अड़चनें है। वहां पर क्या अड़चने है, इस बात का सारा हाउस जानताहै। मेरे सभी साथी इस बात को जातने है कि हरियाणा के लिए यह नहर एक जीवन रेखा है। जब मै मुख्य मंत्री था तो इसको देखने के लिए नहर की साईट पर गया थां पजाब के चीफ इन्जीनियर भी मेरे साथ जो इस नहर के कामकाज को देख रहे है, मैने उनसे कहा कि इसको आप जल्दी से जल्दी कम्पलीग यों नही करवते? इस पर उन्होने कहा कि अगर हमारी पूरी सुरक्षा की गारन्टी हो तो हम दिन राम काम चला करके इस नहर को तीन महीने में कम्पलीट कर सकते है। काम इसलिए नही हो रहा कि आतंकवादी अते और हमारे मजदूरों को मार जाते है, इसलिए जब तक हमारी पूरी सुरक्षा की गारन्टी नही होगी तब तक यह नहर नही बन सकती। साथ ही साथ यह भी कहा कि पूरी सुरक्षा की गारंटी हो तो हम 24 घंटे काम करने के लिए तैयार हैं उपाध्यक्ष महोदय, जब मै नहर का मौके पर निरीक्षण करने के बाद चण्डीगढ़ आया तो मै उस समय के पंजाब के राज्यपाल श्री बीरेन्द्र वर्मा जी से मिलाऔर मैने उनसे प्रार्थना कि कि आप इस जल्दी से जल्दी बनवाने का कश्ट करें। इस पर उन्होने कहा कि गुप्ता जी आपकों पता ही है कि क्या क्या मजबूरिया है। राज्यपाल ने कहा कि परसो केन्द्रीय गृह मंत्री महोदय चण्डीगढ़ आ रहे हे। आप उनसे मिलिए उनके कहे अनुसार मै पंजाब के राज्यपाल की मौजूदगी में केन्द्रीय गृह मंत्री

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद से मिला और मैने उनसे कहा कि मै डयरैक्ट तो नहर की खुदाई का देख रेख के लिए पंजाब में एच0 ए0 पी0 की कम्पनिया नही भेज सकात क्योंकि अगर मै ऐसा करता हूं तो उसका पंजाब के लोगों पर उल्टाअसर पड़ेगा और पंजाब के लोगकहेगे कि हरियाणा की पुलिए पंजाब में भी राज करने लगी है। इसलिए आप वहा पर सी0 आर0 पी0 एफ0 या बी0 एस0 एफ0 की चार कम्पनियां नहर वाली साइट पर सुरक्षा के लिए भेज दीजिए। इस पर उन्होने कहा कि हमारी बी0 एस0 एफ0 और सी0 आर0 पी0 एफ0 की कम्पनियां पंजाब में लगी है, क मीर में लगी है ओर आसाम व दूसरी जगहों पर लगी है और हमारे पास इतनी फोर्स नही है कि हम पंजाब में इस काम के लिए चार कम्पनिया वहां पर भेज सके।। इस पर मैने कहा कि आप कोई 4 कम्पनिया सतलुल यमुना सम्पकै नहर पर भेज दे। तो इससे बदले में मै चार एच0 उ0 पी0 कम्पनिया आपको देने के लिए तैयार हूं। आप उन्हें कही पर भी भेज दे, मुझे कोई एतराज नही हे। अध्यक्ष महोदय, मेरे रहते हुए इस नहर पर यहां तक प्रोग्रैस हुई थी। इसके बाद मुझ त्याग पत्र देना पड़ा और अबस इसके बाद इस नहर की खुदाई की तरफ कोठ ध्यान नही दिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, इसक बारे में मै फिर सरकार से कहना चाहता हूं कि इस नहर को जो हरियाणा का उज्जवल भविश्य है, को जल्दी से जली बनाया जाना चाहिए। अब इस नहर को जल्दी से जल्दी बनाया जाना चाहिए। अब इस नहर की जल्दी से जल्दी बनाया भी सकता है क्यों इस समय केन्द्र में भी और यहां पर इनकी पार्टी की

सरकारहै। केन्द्र में हमारे हरियाणा के नेता चौधरी देवी लाल उप प्रधान मंत्री है ओर उस पार्टी के अध्यक्ष भी हैं इसी प्राकर से इस पार्टी के औम प्रका ा चौटाला महां मंत्री भी है इनकी ार्टी को सार`द ा पर राज है। अज तो केन्द मेंभी उनका राज है। अगर आज भी हम नहर नही बना सकते तो फिर इस नहर के बनने की कोई उम्मीद नही है। इसलिए मै चाहूंगा कि नहर को पूरा रकने के लिए इन्तजाम किया जाए। अभिभाशण मे ंएक बात बेराजगारी के बारे मे कही गई है और कहा गया है कि नौज्वानों को ''बेरोजगारी भत्ता'' दिया जाता है। बेरोजगारी भत्ता दिया जाना बहुत अच्छी बात है। जब यह भत्ता आरम्भ किया गया था तो मै भी सरकार में भाामिल था। उपाध्यक्षमहोदय, जो बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है वह बहुत ही कम है, यह तो ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। यह तो एक टोकन है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप जरा टाईम का भी ध्यान रखे। आपको सबसे ज्यादा बोलने का समय मिला है।

श्री बनारसी दास गुप्ताः आप का धन्यवाद मै थोड़ा सा समय और लूंगा। मै यहा पर यह कहना चाहूंगा कि नौजवारों को रोजगार देने के लिए साधन उपलब्ध करवाए जाए। यह जो एक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की वायदा है, यह तो एक झांसा है। चुनाव सामने देख कर मतदाताओं को तरह–तरह के झांसे दिये जा रहे है। उपाध्यक्ष जी, आज 35 लाख परिवार हरियाणा में निवास करते है। इस वक्त हरयिाणा सरकार के सभी

कर्मचारियों की संख्या 2 लाख 70 हजार के करीब है। 35 लाख्ज्ञ लागों को नौकरी देना किसी प्रकार भी सम्भव नही है। उपाध्यक्ष महोदय जी, अभिभाशण में एक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की बात कही गइ लेकिन इसके अगले अनुच्छेद में यह भी कह दिया गया है कि बेरोजगारों की संख्या रोजगार दफ्तरों में इनती ज्यादाहै कि सभी को नौकरी देना सम्भव नही है। रोजगार दफ्तरों में रजिस्टर्ड कुद हजार बेरोजगारों को नौकरी देना सम्भव नही है तो फिर 35 लाख लोगों को नौकरी कहां से देगे? उपाध्यक्ष महोदय, यह सिर्फ एक झांसा है बिल्कुल गलत बात है। इन हथकण्डों से वोट मिलने वाले नही है। यह बातें अब चलने वाली नही है। (घंटी) रोजगार उपलब्ध करवाने का उपाध्यक्ष महोदय, एक ही तरीका है ओर वह तरीका चौधरी चरण सिंह द्वारा बतलायी गई नीति को लागू करना है यदि इस दे ा से बेरोजगारी दूर करना चाहते है ते गांधीवादी अर्थव्यवस्थ्था कायम कीजिए, कुटीर ओर लघु उद्योगों को बढ़ावा दीजिए।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी आपकों बोलते हुए 25 मिनट हा `गये है। आप अपनी बात को खत्म कीजिए क्योंकि और सदस्यों ने भी बोलना है आप उन्हें भी मौका दीजिए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष्ज्ञ मोदय, मै वाईड अप कर रहा हूं। ये लोग बीच बीच में टोकते रहे ओर मुझे ज्यादा बोलने का मौका नही मिला क्योंकि बीच–बीच में प्वायंट ऑफ आर्डर होते रहे है।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आप बीच में लाईन छोड़ गए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष जी, मै दावा करता हूं कि मैने जिते भी भाब्द बोले है वे बिल्कुल विशय में रहकर बोले और मै विशय से बाहर नही गया।

श्री उपाध्यक्षः आप तो लाईन बीच में ही छोड़ गये। (हंसी)

श्री बनारसी दास गुप्ताः उपाध्यक्ष जी, मै आपके माध्यम से इस सदन में यह कहना चाहता हूं कि यदि सरकार बेरोजगारी हटाना चाहती है तो चौधरी चरण सिंह ने जो फार्मूला बताया था उसकी तरफ सरकार ध्यान दे। उपाध्यक्ष जी अगली बात यह कही गई है कि राज्यमें इंडस्ट्रीज पीस है यानि मजदूरों और मालिकों के सम्बन्ध अच्छे और मधुर है। यह बात बहुत अच्दी थी अगर वास्तव में ऐसा होता। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में एक बात ही नही बल्कि यह सारा अभिभाशण ही एक * * * है। इसमें ने तो काई तथ्य है और न ही कोई सच्चाई है। (विध्न)

श्री आत्मा राम गोदाराः उपाध्यक्ष साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गुप्ता जी ने अभिभाशण के बारे में जो भाब्द कहे है वे कार्यवाही में से निकाल देने चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः ''झूठा का पुलिन्दा'' भाब्द रिकार्ड न किए जाए। गुप्ता जी, आपका समय हो गया है अब आप बैठिए।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अच्छा जी, धन्यवाद।

श्रीमती कमला वर्मा (यमुनानगर): उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद क आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। राज्यपाल महोदय के द्वारा दिया गया अभिभाशण किसी भी सरकार की कृतियों और विकृतियों को रूप होना चाहिए लकिन इसमें केवल मात्र कृतियों को तोड़ मरोड़ कर कह दिया गयाहै, जो ठीक नही है, काफी असत्य भी है। मै उन्ही के ऊपर प्रका ा डालना चाहती हूं। सेबसे पहले, जैसे माननीय साथी श्री गुपता जी ने एस0 वाई0 एल0 के बारे में कहा, मै भी कुछ कहना चाहूंगी। उन्होने बड़ा स्पश्ट और ठीक कहा है कि हरियाणा की आर्थिक समृद्धि एस0 वाई0 एल0 पर निर्भर करती है। लेकिन मै आपके माध्यम से यह बात कहना चाहती हूं कि हम अभी तक भाखड़ा व्यास का भी पूरा पानी नही ले सके। 1983–84 में भाखड़ा ब्यास नहर बनी थी। इस नहर के माध्यम से हमें 2.5 एम0 ए0 एफ0 पानी मिलना चाहिए था लेकिन उस वक्त केवल इन नहर के लिए पंजाब ने अढाई लाख रूपए लिए थे। 1979 में बोर्ड ने केवल अढ़ाई करोड़ रूपया इसके लिए मांगा था, नही दिया और अब 1990 में 12 करोड़ रूपये का खर्चा है। हरियाण में पैसा नही और परिणामस्वरूप हमें पानी 2.5 एम0 ए0 एफ0 की बजाये 1.6 एम0 ए0 एम0 एफ0 मिला है। अगर बकाया एक एम0 ए0 एफ0 पानी भी हमें मिल जाता तो हरियाणा की 4 लाख एकड़ धरती सिचित हो सकती है। इस नहर की कैपेसिटी 12455 क्यूसिक्स पान ीकी है।

उसमें हामर पूरा हिस्सा हा सकता है। इसक लिण हमें ठोस कदम उठाने चाहिऐं जो पैसा बोर्ड का बनता है, दे देना चाहिए। इसके अलावा एस0 वाई0 एल0 के पानी में भी हमें अपना हिस्सा लेना है। चाहे सरकार ने इस नहर पर भी 220 करोड़ रूप्ये खर्च कर दिए है लेकिन अभी तक पंजाब में नहर बनी नही। एस0 वाई0 एल0 नहर के पास जाकर अगर आप देखे तो पता चलेगा कि न वहां पर कोई ठेकेदार है, न कोई सरकारी अफसर है, न कोई इंजीनियर है और न ही कोई मजदूर है। आतंकाद के घेरे से वाहां कोई भी व्यक्ति काम करने में असममर्थ है। भारत के उप–प्रधान मंत्री महोदय हा यह कहना कि अगली फसल तक पानी हरियाणा मं आ ायेगा, यह केवल ामत्र एक खौखला नारा है। लौगों को धोखे में रखने की एक चाल हैं मै मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहूंगी कि अगर भाखड़ा व्यास का पानी ल सके तो ले लें। क्योंकि उससे हमारी 4 लाख एकड़ भूमि सिचित हो सकेगी।

इसक बाद मै बिजली की दरों के बारे में कुछ बताना चाहती हूं। इस सरकार के कुछ सदस्य ने बड़े जोर–जोर से मंडल ओर कमंउल की ात कही है। इस बात की चर्चा तो वह उत्साह से करते रहे लेकिन वे एक बात कहनाभूल गये कि दे ा के उप–प्रधान मंत्री ने किस प्रकार से हरियाणा मे ंदेहातों ओर भाहरों के अन्दर दरार पैदा करने की कोि ा ा की है। हर व्यवहार में भेदभाव करने काप्रयास किया, जिसका सीधा प्रभाव उपभोक्ता पर पड़ा। ऐसा भेदभाव इस सरकार को भाोभा नही दिता। गांव के

अन्दर गरीब किसान रहता है ओर भाहरों के अन्दर पल्लेदार रहताहै। रिक ाा चालने वाला रहता है, गरीब जूते गांठने वाला मोची रहता है, रेहड़ी और फड़ी लगाने वाला रहता हैं छोटा दुकानदार व कर्मचारी भी रहताहै। मेरा कहने का मतलब यह है कि गरीब आदमी भाहर के अन्दर भी रहताहै, लकिन इन्होने बिजली की दरों में जो असामनता की है, वह देखने योग्य है। गांव के अन्दर मिनिमम यानी 0 से लेकर 0.2 किलोवाट्स तक 10 रूपए और भाहरों के अन्दर 20 रूपये। इसी तरह से 0.2 से 0.5 किलोवाट्स तक गांव में 40 रूपए ओर भाहरेां में 60 रूपय कर दिए गये हैं अगर किसी मकान मालिक ने 5 या 6 स्विच लगवा लिए, यह समझा कर कि वह अपनी जिन्दगी में सुधार कर सकता है, और उसे उस पर गलती से एक किलोवाट का लोड़ भर दिया तो उस गरीब आदमी को गांव में 80 रूपये ओर भाहर में 125 रूपये एक मास मे ंदेने के लिए मजअूर कर दिया है। भाहर व गांव का नागरिक इन बढ़े हुए रेटों से तंग है। इसके साथ्ज्ञ ही अन्य रेट भी बढ़ाये है। जैसे कोई व्यक्ति अपना धंधा करने के लिए 3–4 हौर्स पावरन की मोटर लगता है। तो उसे पहले से अधिक बिल देना पड़ेगा। पहले 0 से लेकर 25 हौर्स पावर की मोटर लगाने तक उससे 60 पैसे यूनिट लिए जात थे लेकिन अब फ्लैट रेट कर दिया गया कि 0 से 70 हौर्स पावर की मोटर पर 80 पैसे पर यूनिट के रेट से देगा। यानि 20 पैसे यूनिट धिक। पहले उनको जो थोड़ासा रिलीफ मिलता था, वह अब वापिस ले लियागया हैं गांव के अन्दर ट्यूबवैल्ज कुनैक ान लगाने वाले के

साथ्ज्ञ भी इस सरकार ने ज्यादती की हैं पहले किसी गांव में यदि एक ट्रांस्फार्मर पर टयूबवैल कनैक्शन अधिकहो जाते थे तो ट्रांसफार्मर को बदल कर बड़ा ट्रांसफार्मर लगा दिया जाता था ताकि वह लोड को सहन कर सके। अब स्टिम बदल दिया है। अब केवल 25 किलोवाट्स का ट्रांसफार्मर हही लगेगा। 25 किलोवाट्स के ट्रांसफार्मरपर केवल चार टयूबवैल कनैक्शन लग सकते है। यदि किसी गांव में सौ टयूबवैल्ज के कनैक्शन हो और चार कनैक्शंज पर एक ट्रांसफार्मर लगे, तो आप समझ सकते है कि कितनी किसान की खेती की जमीन खराब की जाएगी। खेतों में जब पाल गेगे, तारे लाई जाएंगी तो कितना अधिक खर्चा आएगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह सरकार जो आपने आपकों गरीबों और मजदूरों की मसीहा कहती है उसी सकरार ने गरीबों और मजदूरों पर बहुत अधिक बोझ डालने की नीतियां अपनाई है। इसलिए मै इस सरकार से कहना चाहती हूं कि वह भाहर और देहात के अन्दर दरार न डालकर उनकी भलाई के लिए कुछसोचे। बिजली के मामले में उनमें केई भेदभाव न डाले ओर रेट एक जैसे रखे।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै शिक्षा के बारें में जिसका जिक्र पृश्ठ 20 पर है, कुद कहना चाहूंगी। उपाध्यक्ष महोदय, हमारा शिक्षा विभाग एन0 सी0 इ0 आ0 टी0 की अंधाधुंध नकल कर रहा है। एन0 सी0 इ0 आर0 टी0 के अनुसार आठवी के बाद अंग्रेजी ट्रांसलेशन का प्रावधान नही हैं मै कहना चाहती हूं कि अगर कोई बच्चा ट्रांसलेशन नही करेगा तो वहा भाशा का ज्ञान कैसे

ले सकता है। इसके अतिरिक्त हरियाणा ि ाक्षा विभाग मं ऐजूके ान कोड पूरा नपही हैं उपाध्यक्ष महोदय, गणित के अध्यापक के लिए कुछ कोड तय है, साईस के अध्यापक के लिए कोड तय है लेकिन अंग्रेजी पढ़ाने वाले अध्यापक के लिए कोई कोड तय नही है। 10+2 क्लासिज में कंम्पयूअर का कोर्स भाुरू कर दिया है लकिन कंप्यूटर के टीचर के लिए यह फैसला नही किया गया है क उसकी क्या क्वालिफिके ान होनी चाहिए। इसलिए कंम्प्यूटर पढ़ाने वाले टीचर नही मिले ओर बच्चों की पढ़ाई की हानि हो रही हैं उपाध्यक्ष मोदय, प्राइवेट स्कूलों के अन्दर पिछले पांच वर्शो से स्वीकृत पोस्ट्स नही दी गई हैं सैक ांड पोस्ट्स न देने के कारण बच्चों की ठीक पढ़ाई नही हो अरही है ंविद्याथियों की संख्यानुसार स्वीकृत पोस्ट्स देनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै ऐजूके ान डयरैक्ओररेट के बारे में हना चाहूंगी। इन्होने प्राईमरी डायरैक्टोररेट लग कर दिया है बहुत अच्छी बात है। सोचा यह था कि इससे बच्चों के विकास व ि ाक्षा स्तर में लाभ होगा, लेकिन अलग होने के बाद अध्यापकों को जा आपस में तनाव है, उसका नतीजा यह हुआ है कि छोटे बच्चें के साथ व्यवहार ठीक नही हैं छोटे बच्चो को पाठ ााला भवन के बारह बैठना पड़ रहा है और बड़े बच्चे भवन के अन्दर बैठे है। अध्यापका परस्पर लड़ रहे है। इन बातों पर कौन ध्यान देनगा चिन्तनीय विशय है। उपाध्यक्ष महोदय, कुछ प्राईवेट स्कूल, ि ाक्षा विभाग के अधिकारियों से मिली भगत करके एडवान्स में ग्रांट ले जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, हिन्दू हाई स्कूल लाडवा के अध्यापकों

को बीस महीने से वेतन नही मिला है। पिछले बजट सै ान में यह कहा गया था कि प्राइवैट स्कूलों के अध्यापकों को ट्रेजरी से या बैक्स के माध्यम से वेतन मिलना चाहिए लेकिन उस पर कोई व्यवहारिक कार्य नही किया गया। उस हिन्दू हाई स्कूल के मुख्याध्यापक ने डेढ लाख रूपण एडवांस अनुदार लेने के बाद भी उन अध्यापकों को वेतन नही दिया है मै पूछना चाहती हूं कि अधिकारियों ने एडवांस अनुदान किस नियम के अर्न्तगत दिय, उसने खिलाफ कार्यवाही क्यों नही की गई? विभाग ने कोर्ठ जांच कि कि उन अध्यापकों को वेतन मिल जाए? उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा हिन्दी भाशीप्रांत है। लेकिन यहां सस्कृत एक ऐच्छिक विशय है। हरियाणा एक धर्म भूमि ओर पुण्य भूमि हैं हमारे सारे धामिक ग्रन्थ संस्कृत में है। हमारी संस्कृति, संस्कृत में अनुप्रणित है लेकिन फिर भी यहां पर संस्कृत ऐचिछक विशय के रूप पढ़ाया जा रहा है। हमारे साथ लगता हुआ हिमाचल प्रदे ा है। वहां पर दसवी तक संस्कृत अनिवार्य विशय के रूप में पढ़ायी जाती है इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि यहां पर भी संस्कृत को ऐच्छिक विशय न रखकर अनिवाय्र विशयके रूप में पढ़ाना जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी ि ाक्षा विभाग के साथ मुद्रणलय विभाग भी जुडा है। सरकार बच्चों के लिए जो किताबें छापती है। उनमें बहुत गल्तिया होती ह। इसका प्रभाव हमारे छात्राओं के ि ाक्षा स्तर पर पड़ता है ओर कई बार तो ऐसा भी देखा गया है कि कई किताबे छपती ही नही हैं पिछले पूरा वर्श क्लास तीन की हिन्दी की पुस्तक छपी ही नही, बताइए, बच्चों ने क्या पढ़ा होगा?

उपाध्यक्ष महोदय, यह भी देखा गया है कि किताबों में कोई तारतम्य ही नही होता। सातवी कक्षा की हिन्दी पुस्तक कठिन ओर आठवी कक्षा की हिन्दी पुस्तक आसान। इसलिए मै कहना चाहती हूं कि जो श्रेणियों में पुस्तक लगाने वाले है या लिखने वाले है, उनमें परस्पर तालमेज रहनी चाहिए।

पृश्ठ 17 पर एक परिवार एक रोजगार की बात कही गइ है। उपाध्यक्ष महोदय, सचमुच में यह हरियाणा की जनता के साथ उपहास करनाहै जो भी ऐडहौक ऐम्पलाईज, क्लर्क ओर कंडक्टर्ज एस0 एम0 एस0 बोर्ड द्वारा सिलेक्ट हुए थे जब उन्हें नियुक्तिया नही मिली तो वे हाई कोर्ट में गए, ओर मि0 मोहन्ता, ऐडवोकेट जनरल हरियाणा ने कहा कि हरियाणा के किसी विभाग मैं कोई रिक्ती नही है। अब यह एक लाख पैसठ हजार को चानि एक परिवार को एक रोजगार कहां से देगे। यह हरियाणा की जनता के साथ एक छलावा है।

श्री उपाध्यक्षः बहन जी आपको बोलते हुए बारह मिनअ हो गए है।

श्रीमती कमला वर्माः उपाध्यक्ष महोदय, मैनते तो अभी भाुरू ही किया है ओर आपने मिनट भी गिनना भाुरू कर दिया।

उपाध्यक्षः बहन जी, सब मैम्ब्र्ज को बोलने का समय देना है। आप इन सदन में अकेली ही बोलने वाली नही है। इसलिए आप जरा समय का ध्यान रखे।

श्रीमती कमला वर्मा: उपाध्यक्ष महोदय, एक ओर तो ये सरकार कहती है कि हर पांच किलोमीटर के ऊपर एक अनाज मण्डी बनाएंगे लकिन मै जानना चाहती हूं कि यमुनानगर जोकि एक जिला बन चुका है। वहा के मण्डी के आढ़तियों पर तलवार किस लिए लटायकी हुई है कि वहां से यह मण्डी उठा दी ाजऐगी, जगाधरी के साथ मिला दी जाएगी। मै सरकार को बताना चाहती हूं कि यह मन्डी हर साल 50 लाख रूपये की रैवेन्यू सरकारों को देती है। लगभग एक लाख रूपये दुकानों से किराये के रूप में नगरपालिको को मिलाता है। बाकी 28 लाख के लगभग बिक्री कर और 16 लाख रूपये मार्किट फीस व सैस के रूप में सरकार के पास जाता है। इसके साथ साथ उस मन्डी में यू0 पी से गुड, खांड, गेहूं, धान वगैरह आती है। अगर सरकार वहां से मन्डी को जगाधरी में ि ाफ्ट करेगी तो यह आम किसान को अपने कृशि उत्पादन को लोने के लिए लम्बा सफर तया करना पड़ैगा। यह उने साथ बड़ा भारी अन्याय होगा। ट्रक वालों को, मजदूरों को बहुत ज्यादा हानि होगी। 1972 में यमुनार नगर मंडी को जगाधरी से अलग कर पूर्ण यार्ड बनाया गया था, यो अब नई योजना में इसको जगाधरी से मिलाना उचित नही होगा। मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि यह मडी यमुनानगर में ही रहनी चाहिए।

इसी तरह से, उपाध्यक्ष महोदय, मै सड़कों के बारें में भी सरकार का ध्यान आकर्शित करना चाहती हूं यमुनानगर नगरपालिका में सड़कों की हालत बहुत खरबा है। हर जगह सड़के

टूटी फुटी पड़ी है। बड़े बड़े गड्ढे है। कोई भ्ही दिन खाली नही जाता जब दो तीन या पांच दुर्घटनाए उन सड़कों पर नही होती। इसलिए सरकार को इस ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। नगरपालिका को अधिक धन देकर सड़कों की करम्मत करवाई जाए, यह अति आव यक हैं

ला एण्ड आर्डर की स्थिति तो सरकार के ऊपर एत तरह का कलंक है। उपाध्यक्ष महोदय, जब मैने प्र नोत्तर काल में हिसार में खिलाड़ी छात्राओं के साथ दुव्यर्ववहार की बात की तो मुझे सुनकर बड़ा विचित्र लगा। जब गृहमंत्री महोदय, और दसेर एक मंत्री महोदय कह रहे थे कि हिसार के अन्दर तो सर्किस में लड़यिों के साथ दुर्व्यहार हुआ है। इसका अर्थ है कि सर्किस में भी लड़कियों के साथ छोड़खानी हुई और खिलाड़ी छात्राओं के सथ दूसीर घ्ज्ञटना हुई। मेरे पास 12 तारीखकी इंडियन ऐक्सप्रैस अखबर की कटिग है जिससे इस घटना पूरा ब्यौरा है कि वहा पर किस तरह से 600 खिलाड़ी छात्राएं आई थी। पंजाब की एक छात्रा खिलाडी के सथ मेन गेट पर बलात्कार करने का प्रयाय किया और उसकी साथी लड़की के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया और किसी भी पुलिए कर्मचारी ने लड़कियों के साथ हुए दुर्व्यहार को रोका नही। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः बहिन जी, आप कृपया जल्दी खत्म करें क्योंकि दूसरे मैम्बर साहेबान भी अपनी बारी का इन्तजार में बैठे है।

श्रीमति कमला वर्माः उपाध्यक्षम होदय, मै एक बात और बताना चाहती हूं कि दैनिक ट्रिब्यून में अया कि पंचकुला के सैक्टर 6 के अन्दर रूचिका नाम की लड़की, जोकि ऐथलीट है, के साथ किसी पुलिस के वरिश्ठ अधिकारी ने छेड़छाड़ की, वह लड.की अपने आप को छुडाकर भाग गयी। मुख्य मंत्री जी ने 17.08.90 को जांच आदे ा दिए ओर तीन सितम्बर को जांच का रिजल्ट आ गया। वह इंक्चायरी डी0 जी0 पी0 ने की थी। उसेन अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उक्त अधिकारी दोशी है। इतना होते हुए भी उसको परमोट कर दिया गया। (ोम– ोम) उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको अब जो मरै साथ बीता है, वह बताने जा रही हूं मैं इस विधानसभा की सदस्या हूं। 12 दिसम्बर, 1990 को मै अयोध्या में भाहीद हुए कार सेवकों के अस्थि कल ा को श्रद्धांजलि देने गई तो मुण् पकड़ा गया। भााम के 6 बजे से लेकर राम डेढ़ बजे तक हमे ंपकड़े रखा। 8 महिलाएं और 60 व्यक्ति मेरे साथ थे। हम बार बार कहते रहे कि भाई हमारा कसूर तो बताओं। 20 किलोमीटर दूर सुनसान मे ंबस खड़ी कर दी, कड़कती सर्दी थी फिर हमें मजबूर होकर ट्रेफिक जाम करना पड़ा। उस वक्त एस0 उी0 एम0 और ए0 एस0 पी0 आये और हमें थाने में ल गये। मैन फिर कहा कि आप हमें बताए कि हमं कौन सी धारा के तहत गिरफ्तार किया है? कोई उत्तर नही। हमने कहा कि हमें रोटी दो, हमें कम्बल दो। वे कहने लगे कि हमारे पास कुछ नही है। उनका व्यवहार बड़ा रूक्ष था। फिर हमने कहा कि ठीक है हम इसी तरह सर्दी में रात काट लगे लेकिन आप अधिकारियों की पूछताछ तो करवाएं।

उपाध्यक्ष महोदय, मैने इस सम्बन्ध में अध्यक्ष महोदय व चीफ मिनिस्टर महोदय को पत्र भी लिखे लेकिन मुण्े इन को काई उत्तर नही दिया गया और न ही उन दोशी अफसरों के खिलाफ कोई कार्यवाही ही की गयी। ऐसी सरकार जो अपने माननीय सदन के सदस्यों को सुरक्षा प्रदान नही करसकती वह जनता को क्या सुरख्ज्ञा प्रदार करेगी? कैसे राजनीति के अपराधीकरण को बचा सकेगी? इस अभिभाशण में बहुत सी बातें भ्रमित करने वाली कही गयी है। उपाध्यक्षम होदय मै अन्त में आपको धन्यवाद करते हुए क्यों आपने मुझे बोलने का समय दिया, इस अभिभाशण का पूरी तरह से विरोध करती हुई अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

चौधरी सतबीर सिंह कादियान (नौलथा): उपाध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा जो गवर्नर महोदय का अभिभाशण पे ा किया गया है उसके समर्थन में कुछ बातें कहने के लिए खड़ा हुआ हूं। अभिभाशण में राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक स्वतन्त्रता सभी तरह के पहलुओं पर बड़े अच्छे ढग से प्रका ा डाला गया हैं इसके अलावा सरकार की एक साल के दौरान की गारगुजारी को द ार्या गया है कि किस प्रकार से गरीब समाज का भला किया गया। कितनी अच्छी–अच्छी योजनाएं लागू की गई। ये सारी बातें हमें इसमें मिली। संघर्श की इस सरकार ने चौधरी देवीलाल जी की रहनुमाई पर चल कर जो इलैक ान से पहले वायदे किए थे, उन सबा को इसने पूरा किया है। समाज के बूढे व्यक्ति को सौ रूपये महीना पैन् ान दे कर

सरकार कर्मचारी के बराबर के दर्जे में खड़ा कर दिया। किसान, मजदूर और छोटे दुकानदार भी 65 साल तक दे ा की सेवा करते है। इन सब को सौ रूपए मासिक देकर उनका सम्मान किया गया हैं आज हरियाणा प्रांत दे ा में सब से पहला प्रांत है और हरियाणा की जनता को यह सौभाग्य प्राप्त है कि यहां के तकरीबन सात लाख बूढे इस पैन् ान की सुविधा को प्राप्त कर रहे है। किसी दूसरे प्रदे ा की सरकार हमारे प्रदे ा की सरकार द्वारा किए गए काम की नकल तक नही कर सकी। इसके अलावा हमारी सरकार ने कर्जे माफ भी किए। सहकारिता विभाग ने किसानों को ज्यादा गन्ने का भाव दिया और उनको सहूलियत भी दी गई। तीन साल पहले गन्ने का भाव 27 रूपए क्विंटल था और आज की मौजूदा सरकार ने उसको बढ़ा कर 46 रूपए प्रति क्विंटल कर दिया है जब कि चीनी का भाव ही 8–9 रूपए किलो का है। तीन साल में 19 रूपए क्विंटल भाव बढ़ावा यह सरकार द्वारा अच्छे ढंग से काम करने का सबूत है। ओर प्रदे ा की जनता इसबात को अच्दी तरह से जानती है। हैफैड द्वारा भी किसानों को बीज और खाद पर सबसिडी दी गई और किसानों को समय परखाद उपलब्ध करवाई गई ताकि किसाना को उपज बढत्र सके।

एक आवाजः उसके मुकाबिले में कीमते भी तो बढ़ गई है।

चौधरी सतबीर सिंह कादियानः कीमते बढ़ने का जहां तक ताल्लूक है, वह विशय केन्द्र सरकार का हैं इस बारे में मै

थोड़ा प्रका ा डाल दूं। पैट्रोलियम–प्रौडक्ट्स की कीमतें बढी है। लेकिन खाद की कीमत नही बढ़ी है। हरियाणा सरकार ऐसी सरकार है जिसने खाद पर टैक्स लगाया जबकि हिमाचल, राजस्थान और मध्य प्रदे ा में खाद पर टैक्स हैं

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, भाई कादियान जी जो कह रहे है, मै इनको बताना चाहूंगा कि आज ही सुबह किसानों की सबसिड़ी काट दी है, उस पर भी अपने विचार व्यक्त करे।

श्री उपाध्य: भार्मा जी, आप अपने साथियों से कहे कि जब कि सम्मानित सदस्य बोल रहा हो अगर सिी ने उस बारे में कुछ कहना है तो खड़े होकर कहे, बैठे बैठे न बोले। अगर खड़े नही होना है तो मुझे लिख कर भेज दे। सबकों अपनी बात कहने का मौका दिया जाएगा।

श्री राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, जब हमारे आदरणीय साथी गुप्ता जी इस सदन की मर्यादा का आदर करते हुए बोल रहे थे तो उस तरफ से साथी उनको बीच में टोक रहे थे। आप उस तरफ तो माननीय सदस्य बैठे है। उनको भी कंट्रोल करें।

चौधरी सतबीर सिंह कादियान: उपाध्यक्ष्ज्ञ महोदय, मेरी साथी ने सबसिडी का नाम ही सुना होगा लकिन उनको पता नही कि सबसिडी कैसे दी जाती है ओर उसका बंटवारा कैसे होता है।

जो खाद पर सबसिड़ी दी जाती है।, वह कारखाने वालो को ही दे दी जाती है। और जिस समय खाद का रोट तय किया जाता है, उसमें उसके हिसाब से कटौती कर दी ाजती है। हर खाद के कारखाने की कौस्ट औफ प्रोडक ान अलग अलग होती हैं इफ्को की अलग है। और एन0 एफ0 एल0 की अलग है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे हरियाणा प्रदे ा की सरकार को यह सौभाग्य प्राप्त है कि हरियाणा प्रदे ा में कोई सेल्ज टैक्स नही है। दूसरे प्रदे ाां में चुगी कर भी लगे हुए हैं जहां तक हिमाचल प्रदे ा, राजस्थन, मध्य प्रदे ा का संबंध है , उन स्टेटस में सेल्ज टैक्स है। हमारे प्रदे ा में किसी प्रकार के खाद्यानों में ज्यादा उत्पादनहोने से गांवों गरीब मजदूरकिसानों का `रोजगारमिला जोकि खु ाहाली की तरफ एक कदम है। रा ान प्रणाली सिस्टम द्वारा हरियाणा प्रदे ा के गांवों के गरीब लोगों को रा ान का गेहूं सरकार ने सही ढंग से पहंचाया। यह भी हामरी सरकार का एक सरहाहनीय कदम है। इसके अलावा जो टैक्स है, वह बहुत ही सरल कर दिस हैं जो करदता है, उनको टैक्सों में राहत दी गई हैं टैक्स कम करने का काम हमारी सरकार ने ही किया है। हमारी सरकार को विरासत में कर लगे हुए ही मिले थे अैर करदाता उसस`बड़े परे ाान थे। उन करों को हमारी सरकार ने कम किया ओर उनका सरलीकरण किया। करदाताओं को उससे काफी राहत मिली है। भयकर प्राकृतिक प्रकोप, जैवे ओलावृश्टि है, इस ओलावृश्टि के कारण हुए नुक्सान का मुआवजा देने की जो नीति 1977–78 में बनाइ थी उस नीति को हमारीसरकार बरकरार रखे

हुए हैं सभी पछिले दिनो हरियाणा प्रदे ा के कुछ जिलों के अन्दर ओलावृश्टि हुई थी और हमारी सरकार ने किसानों को बात सुन कर उनकी भावनाओं को समझा और उसी वक्त तत्काल राहत दी। यह बक बहुत बडी उपलब्धि हैं कृशि के बारे में हमारी सरकार की जो नीति है, वह हिन्दूस्तार के दूसरे प्रदे ाों से बढ़िया है। हमारे कृशि विभाग के अधिकारी गांवों में जाते है। किसानों को कृशि उत्पादन के बारे में ज्ञान देते है और कृशि के बारे में प्रोग्राम बताते है। हमारी सरकार की तरफ से किसानों को खाद में सबसिडी दी जाती ह ताकि उनकी उपज बढ़े और किसान ज्यादा पैदावारी ले कसे।। एग्रो इंडस्ट्रीज काारपोरे ान द्वारा माकिटिग इन्टरवैन ानस्कीम चलाई गई हैं अगर किसानों को उनकी उपज के सही दाम नही मिलते तो कारपोर ेन उस स्कीम के तहत किसानो का सही दाम दिलाने के लिए अनाज खरीदती है ओर दूसरे प्रदे ाों की माकिट्स में बचे देती है ताकि किसानों को उनकी उपज के सही दाम मिल सके। कृशि की दृश्टि में हरियाणा प्रदे ा अग्रणीय रहा हैं इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने अपने बच्चो को प्रोत्साहन देकर बड़ी उदयमान खिलाड़ी पैदा किए है ओर खिलाड़ियों ने हरियाणा का नाम ने ानल और इन्टरने ानल लैवल पर रो ान किया है। यह भी सरकार ने अच्छा फैसला लिया है कि अच्दे खिलाड़ियों को नौकरियों में भी प्राथमिकता दी जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, अंत में, मै इस गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर उन का धन्यवाद रकते हुए अपना स्थान लेता हूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी): उपाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। राज्यपाल महोदय, के इस अभिभाशण में यह सही लिखा है कि 1990 का साल बहुत घटनापूर्या और दुर्घटनापूर्ण रहा है। इस वर्श के दौरान कीमतों में भारी वृद्धि हुई है और कानून व व्यवस्था नाम की कोई चीज हरियाणा मे ंनही रही और इसलिए कोई भी तरक्की के काम नही हुए। 1990 के साल में साम्प्रदायिक घटनाएं कुछ तो कमण्डल की वजह से और कुछ मण्डल कमी ान की रिपोर्ट लागू होने की वजह से हुई। कमण्डल ओर मण्उल कमी ान की रिपोर्ट ने सारेदे ज्ञ को हिला कर रख दिया ओरसबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि यहां पर सत्तारूढ़ पार्टी अपना स्वरूप बदल बैठी ओर अपने आप को आज समजावादी कहती है ओर हरियाणा सरकार इस बार आपने रजत जयंती मान रही हे। इस बारे में भी मैं कह कहना चाहूंबा कि जब कांग्रेस पार्टी हरियाणा मेंसत्ता में थी तो यहां पर हर क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा काम हो रहे थे। लेकिन जब से दल बदलुओं की सकरार ने हरियाणा में अपनाकब्जा किया है, जब से विकास नाम का कोई काम नही हुआ। और इन्होने तरक्की की तरफ कोई ध्यान नही दिया। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में गुरनाम सिंह आयोग की करपिोर्ट का भी जिकर किया गया है। जो लोग पहले ही मानोरटिीज में थे, उनको तो पूरे अधिकार मिल नही बल्कि अब दूसरी जिन जातियों को भाामिल किया जा रहा है, उनको ये क्या अधिकार दिला पायेगे। इस बारे में मेरा सरकार को सुझाव है कि

पिछड़ी जातियों की एक श्रेणी बनाई जाऐ और जो सही मायनों में पिछड़े हुए लोग है, उनके उत्थान के एिल कुछ न कुद अव य किया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण में खाड़ी युद्ध का भी जिकर किया गया है। हमारी पार्टी के अध्यक्ष श्री राजीव गांधी जी ने मास्कों ओर दूसरे दे ाों की यात्रा की ओर इस युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में काम किया। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।) जबकि दल बदलुओं की सरकार ने खाड़ी यु समाप करने की तरफ कोई ध्यान नही दिया। जहां डिजल का ताल्लुक है, इसकी ब्लैक हो रही है। किसानो ंको कहा गया कि आप पटवारी से लिखवाकर आओं। इस चक्कर में बेचारों किसानो को दोहहरी मार खानी पड़ रही है। एक तरफ तो बेचारों को डीजल की लाईन में लगना पड़ा दूसरे प्र ाासन से परे ाान होना पड़ा क्योंकि पटवारी कही ढूंढे नही मिलते थे। रात–रात भर कतारें बाधे बैठे रहे लेकिन पटवारी नही मिले। अध्यक्ष महोदय, कानून ओर व्यवस्था की जो दयनीय स्थिति है म उसे बारे में भी जिक्र करना चाहूंगा। रिवाड़ी के न्दर 21 दिसम्बर को एक मैरिड लेडी के साथ दुर्व्यवहार हुआ और उसका रेप हुआ। उसके बाद 25 जनवरी को गांव की दो नाबलिग लड़कियों के साथ रेप हुआ। यह निकम्मी सरकार किसी भी अपराधी को पकड़ नही पाई। 8 फरवारी को काठवास गांव में हत्या हुई लेकिन सरकार किसी भी अपराधी को पकड़ नही सकी। उसे बाद 20 फरवरी को जाटुसाना के अन्दर दोबारा एक व्यक्ति की हतया हुई। इसके अलावा लाडवा के अन्दर जिस प्रकार के कारनामें हा`रहे है, उससे प्रदे ा में

कानून ओर व्यवस्था की हालत का सहज पर नाजायज कब्जे करते है। ऐसे असामाजिक तत्वों के इस तरह से राजनैतिकसरंक्षण दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, किस तरह से लोगों को भाोशण किया जाता है, यह बात मै आपके माध्यम से हाउस के नोटिस में लाना चाहता हूं। इसी प्रकार से बजट के बारे में भी गलत ब्यानी की गई है। पिछले वर्श 1990–91 में बजट में 700 करोड़ रूपये का प्रावधान किय गया था जिसे घटा कर 653 करोड़ का कर दिया गया बजट में इस समय 20 प्रति ात की वृद्धि की वृद्धि होनी चाहिए जब कि इसमें केवल 10 प्रति ात कीवृद्धि की गई है। मै सरकार से अनुरोध करता हूं कि वर्श 1991–92 का बजट कम से कम 900 करोड़ रूपए का होना चाहिए लेकिन बजट प्रोविजन किया गया है। 765 करोड़ रूपये का किया गया है। जो क बहुत ही कम हैं वर्तमान कीमतों को देखते हुए इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। माननीय राजयपाल महोदय के अभिभाशण में बताया गया है कि 11 प्रति ात प्राईस राईज हुई है जो कि गलजत है। इस तरह से सदन को गुमराह किया गया हैं आज कीमतें आका ा को छू रही हैं अध्यक्ष महोदय, अब मै औलावृश्टि राहत के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। ओलावृश्टि के कारण हुए नुक्सान के लिए 67 लाख रूपये की रा ि ज्ञ दी गई हैं स्पीकर साहब, यह रि ावितरित करने में भी बड़ा भेदभाव बरता गया। इस राहत के लिए डी0 सी0 रिवाड़ी को भी एक भी पैसा नही दिया गया। हमारे 46 गांव ओलावृश्टि के कारण प्रभावित हुए ओर फसले तबाह हुई लेकिन वहां कोई रहात नही दी गई। (व्यवधान) वहां गिरदारी की

गई लेकिन वहां कोई रा ि ा राहत के लिए नही दी गई। यह बडे भार्म की बात है। स्पीकर साहब इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि ओलावृश्टि से हुए नुक्सान के लिए किसानों को 200/– रूपये या 400/– रूपये की रहात रा ि ा देना उनके साि एक भद्दा मजाक है। आज प्राईस इन्डैक्स कही का कही जा पहुंचा हैं इस मंहगाई के जमाने में इतनी कम रा ि ा देकर यह सरकार किसानों की सरकार होने का दावा कैसे कर सकती है। मै यह चाहूग कि इस रा ि ा में वृद्धि की जाए ओर लोों को ज्यादा मुआवाजा दिया जाए। अब मै हरियणा एग्रीकल्चरल माकीटिग बोर्ड के बारे में कहनाचाहूंगा कि इस बोर्ड के पास सब से ज्यादा पैसा है लेकिन इस बाडै ने कोई कार्य नहकि यिका। रिवाडी की अनाज मण्डी से सबसे ज्यादा पैसा इकट्ठा होताहै परन्तु गावं के लोगो को अनाज मण्डी तक पहुंचाने के लिए कोई सुविधा नही दी जा रही हैं यह बोर्ड लिक रोड्ज को बनाने के लिए वहां कोई पैसा खच्र नही कर रहा। मेरे हल्के में कही कही किलोमीटर रोड़ भी नही बनाई गई है। अब मै आवास योजना के बारे में कहना चाहूंगा। वैसे तो यह योजना हुड्डा और हाउसिग बोर्ड की है। लेकिन इन्होने आवास सुविधा प्रदान करने के लिए कुछ नही किया। रिवाड़ी भाहर के अन्दर जिस तरह से भाहर की सड़के और गलिया तथा नालिया टूटी पड़ी है, उनकी मुरम्मत का कोई प्रबन्ध नही किया जा रहा है। सारे भाहर में गन्दा पानी फैल रहा है। म्यूनिसिपैलिटी की नाके के नीचे अवैध और नाजायजा कब्जे किये जा रहे है ओर नाजायज कब्जे करने वालो का राजनैतिक संरक्षण

दिया जाता है, इसे रोकना चाहिए। रिवाड़ी भाहर फलव ले रहा है। जो अवैध कालोनिया बनाई जा चुकी है। उन्हें रैगुलराईज किया जाए ओर एक योजनाबद्ध तरीके से इस भाहर को बढ़ाव मिलना चहिए। गरीब वर्ग के लोगों को प्लाट दिए जाने चाहिए ताकि वे भी साफ सुथरे वातावरण मे ंरह सके। इसके साथ ही मै धारूहेड़ा और बावल के बारे में यह बताना चाहता हूं कि वहां पर उद्योगों में बड़ी भारी रूकावट आयी हैं वहां परसड़के टूटी हुई है ओर कोई सुविधा प्राप्त नही है सबसिड़ी के नाम पर सहगल पेपर मिल वाला वहो से सबसिडी लेकर भाग गया। उसे बाद मै यह कहना चाहता हूं कि धारूहेड़ा के अन्दउर कोई आवासीय योजना पूर्ण रूप से लागू नही कर पाय है ंअध्यक्ष महोदय, सबसे मोट बात ते यह है कि इन्होने अपने राजनैतिक गुंडे पैदा कर खे है। जिन्हे लोग एल0 एम0 कहते है। जिस प्रकार से वहां पर एल0 एम0 एस0 के लोगों ने आतंक पैदा कर रखाहै, वह काबले गौर है। वहां पर उद्योगपतियों के कहने पर बर्कर्ज को बन्द किया जा रहा है, उनको गिरफतर किया जा रहा है, उनको जाने से रोका जा रह हैं उन लोगों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

श्री अध्यक्षः आप कृपाया वाईन्ड अप करे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः ठीक है जी। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहता हूं कि सरकार ने बेरोजगारी के बारे ं कहा है कि एक परिवार को एक नौकरी देगी। यह केवल एक छलावा है। एक राजनैतिक स्टन्ट है। सरकार इस बारे में

प्रैक्टिकली कुछ भी नही कर पायी हैं आज जिस तरीके से आबादी बढ़ रही है, उसी तरह से बेरोजगारी भी बढ़ रही है। सरकार को इस तरह अव य ध्यान देना चाहिऐ कि रिवाडत्री के अन्दर एक आई0 टी0 आई0 है जेा 1975 में रिवाड़ी के अन्दर खोली गयी थी। उसकी बिल्डिंग आज तक नही बना पाये है। वहां पर म ीनरी इतनी पुरानी हो चुकी है। कि वहो के लिए अब प्रोवीजन किया गया है क वहा की मीनरी को चेंज किया जा रहा है। मेरी मांग यह है कि वहां पर आई0 टी0 आई0 के टन्दर कम्पयूटर और प्लास्टिक टैक्नोलोजी में कोसिज भाुरू किय जाये। इसके अलावा रिवाडी भाहर के अन्दर पीने के पानी की समस्या बड़ा गम्भीर रूप घारण कर चुकी है। साहबी नदी से पहले वहा पर पानी आता था लेकिन वह राजस्थान सरकार ने छोटे छोटे बांध बनाकर रोक लिया है। अब वहां से पानी आना बन्द हो गया है। इसके लिए हमारी सरकार बे ाक केन्द्रीय सरकार के माध्यम से राजस्थान सरकार से बात करके अपना हिस्स ले। रिवाडत्री भाहर के लिए 3. 40 करोड़ रूपये की योजना बनाई गयी है। इस परि वल्मिब केवल राजनीतिक कारणों से किया जा रहा है। इसको जल्दी से जल्दी लागू करना चाहिए। इसके साथ ही वहां के लोगों के साथ हर क्षेत्र में भेद भाव किया जा रहा है। वह दूर होना चाहिए। वहां पर एक सैनिक स्कूल सैक ान हुआ था लेकिन उस सैनिक स्कूल को उठा कर मातनहेल ले गए। मेरे कहने का मतलब यह है कि रिवाड़ी के साथ हर मामले में भेदभाव किया जा रहा है। (व्यवधान

व भाोर) रिवाडी भाहर के अन्दर जो अस्पताल है, उसे अन्दर कितनी भारी दिक्कत आ रही है, यह आपको मै बताना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Please windi up. Your time is over.

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, वहां पर रिवाड़ी के अस्पताल में कोई लेडी डाक्टर नही है। जब मैने आपकी सेवा में अपना काल अटै ान मो ान दिया था, उस समय आपने यह कहा था कि आप इस बारे में बोल सकते है।

श्री अध्यक्षः बोलने का मतबल यह नही है कि आप डेढ़ बजे तक बोलते रहे।

कैप्टन अजय सिंह यादवः वहां पर अस्पताल में दवाईयों की बहुत कमी है। वहां पर लाईफ सेविग ड्रग्ज भी अवेलेबन नही है। वहां पर कोई आई सर्जन भी नही है। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा वहा ंपर स्कूल की बिल्डिग बहुत खराब है, उसको जल्दी से जल्दी रिपेयर करवाया जाये। एक वहां पर अहीर कालेज है, उस पर केन्द्रीय मंत्री ने कब्जा कर रखा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जिस प्रकार से वहा पर अध्यापकों को और स्टूडैट्स का भाोशण हो रहा हैं, उसको ध्यान में रखते हुए उस कालेज को टेक ओवर किया जाना चाहिए। इसके अलावा रिवाडी की म्यूनिस्पिट कमेटी को बहुत खराब हालत है। वहा परसड़के टूटी हुई है। नालिया टूटी हुई है। वहां पर न तो कोई रोड्ज की रिपेयर का काम हो रहाहै। ओर न ही उस

कमेटी को कोई स्पै ाल ग्रान्ट दी जा रही है। स्पीकर साहब, अब मै मसानी बेराज के बारे में कुछ कहना चाहता हूं।

Mr. Speaker: Please take your seat. I respect your sentimesnts but I would not permit you now and nothing more will be recorded.

कैप्टन अजय सिंह यादवः * * * * *

Mr. Speaker: Mr. Yadav, this is not being recorded. Please take your seat. Dr. Harnam Singh to speak now.

डा0 हरनाम सिंह (ाहबाद): स्पीकर साहब, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर सिचाई का सब से बड़ा सवाल है। हमारे प्रांत के एक हिस्से में नहर से सिचाई होती है एक हिस्से में टयूबवैल्ज से सिचाई होती है ओर एक हिस्सा बारानी है बारानी हिस्से के लिए एस0 वाई0 एल0 की बहुत जरूरत है। उस पर बहुत कछ कहा गया हैं स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हूं कि एस0 वाई0 एल0 जल्दी से जल्दी बननी चाहिए। ओर उस नहर से जो पानी आए वह पानी हमारा जो दक्षिणी हिस्सा है उसको मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, जहां नकहर से और टयूबवैल्ज से खेती होती है, उसे लिए पि चमी यमुना नहर का एक पुरान सिस्टम है ओर वह खतरे में है ताजेवाला बेराज के बारे मं कहा जाता है कि उसको खतरहा है। 1978 में अगर एक घंटा भी और फल्ड रह जाता तो ताजेवाला बैराज बह जाता ओरसोनीपत,

करनाल दिल्ली हिसार, रोहतक ओर सरिसा को पानी की गक बूंद भी पि चमी यमुना नहर से नही मिलती लेकिनहमाी सरकार ने उसेा बनाने की तरफ अभी तक भी कोई ध्यान नही दिया। स्पीकर साहब, यह एक बहुत ही अहम सवाल हैं इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, अब मै टयूबवैल्ज के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। जिला कुरूक्षेत्र में ज्यादा टयूबवैल्ज है नाम मात्र को ही नहर का पानी है टयूबवैल्ज की हालत यह है कि वाटर लैवल काफी नीचे चला गया है। हमारे यहां के लिए दादूपुर नलवी नहर मन्जुर हो चुकी हैं उससे आठ कांस्टीचुऐन्सी और चाल जिे कवर होने है। वे चार जिले करनाल, कुरूक्षेत्र, अम्बाला और यमुना नगर। इन चार जिों को इससे पानी मिलना है। यह पानी सावनी की फसल को मिलेगा औरयह पानी पहली जुलाई से तीस सितम्बर तक मिलेगा। स्पीकर साहब, सातवे प्लान में ये दोनो प्रौजेक्ट मन्जूर किए गए थे और उसमें लिखा है कि 1991 में इनसे पानी दे दिया जाएगा। स्पीकर साहब, 1991 जा रहा है। एक इंच भी मिट्टी नही खोदी गई और न ही जमीन अधिग्रहरण की गई है। हामरे लिए तो यह दुखदायी अवस्था है। 1987 के बजट में आपके लिए एक करोड़ रूपया रखा रखा गया था लेकिनवर्श 1988, 1989 और 1990 इन तीनों सालों के बजट में कुछ नही रखा गया। ऐसा लगता है कि हमारी किसी को कोई चिन्ता नही है। लोग महसूस करत हे कि इस सरकार को हमारी कोई फिक्र नही है। वे कहते है कि हमारे बच्चे गैस में गिर कर मर जाते है। हरसाल मरने वालों की संख्या तीस चालीस हो जाती ह। मेरी सरकार से प्रर्थाना

है। कि वह इस नहर को बनाने की तरफ ध्यान दे ओर पि चमी यमुना नहर को बनाने की तरफ भी ध्यान दे। उस पर अठारहा करोड़ का खर्च आना थ अब वह पच्चीस करोड़ भी हो सकता हैं स्पीकरसाह, इसको बनाने से तीन महीने में बिजली की खपत आधी हो जाएगी। सरकार बिजली पर जो सबसिडी देती है इस नहर के बनने से सरकार को एक साल में चार करोड़ का फायदा होगा। लेकन यह सरकार इस दि ाा में कोई कम नही कर रनही है। मरी सरकारसे प्रार्थना है। कि सरकार इस पर जल्दी विचार करे। स्पीकर सर, मै यह कहना चाहता हूं कि नहर बनाने में तो अभीटाईम लगेगा। अगर सरकार इस बजट में उसके लिएपैया रख दे तो बहुत अच्दी बात होगी। स्पीकर साहब, बिजली की सप्लाई में भी हमें काफी मुि कल पे ा आती है। बिजली के बारे में कहा गया है कि पहले 215 यूनिट प्रौडक ान थी वह अब बढऋ कर 229 लाख यूनिट हो गई है। इसका मतलब यह है कि चौदह लाख यूनिट इस साल ज्यादा बिजली पैदा हुई। यह ठीक बात है कि इस साल ज्यादा बिजली पैदा हुई क्योंकि हमारा पानीपत काएक यूनिट चालू हो गया है। स्पीकर साहब, उत्पादन ज्यादा होने के बावजूद कृशि के क्षेत्र में पहले से कम बिजली मिलती थी उससे अब एक लाख यूनिट बिजली कम मिलती हैं है। मेरा इस सरकार से यह कहना है कि सरकार को किसानों की तरफ ध्यान देना चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे हयां जून–जूलाई में जब कि पैडी का सीजन था, बिजली की काफी दिक्कत रही। इसमाइलाबाद ओर बबैन में ओवर लोड होने की वजह से वहो पर 132 के0 पी0

का पावन हाउस बनाने की जरूरत है। लेकिन फोरी तौर पर पाच एम0 बी0 ए0 का ट्रांसफारमर लागर सुविधा दी जा सकती हैं इसी तरह से हमार नलवी गांव है वहां पर एक पावन हाउस तो बना लिया गया लकिन वहां केबल नही है। जिसकी वजह से वहां पर काम रूका पड़ा है। इसलिए मै सरकार से कहूगा कि वहा पर जितने भी सामान की आव यकता है। ज्दली से जल्दी दिया जाए। इसके साथ मै यह भी अर्ज करूंगा कि इस विभाग के अन्दर किसानों को बहुत परे ान किया जा रहा हैं भ्रश्टाचार कय यहां बोलबााल हैं लकिन एक बात सरकार ने अच्छी की है। कि सर्किल वाइज बोड़ों का गठन कर दिया है। और उन बोर्डों में हमें ऐसी बात कउठाने का मौका मिलेगा। हमर बोर्डो में अपनी बात छेडेगे लेकिन सरार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि लोगों को इसका फायदाहो। कंज्यूमर्ज, चाहे वे इंडस्ट्रीज के क्षेत्र से होच चाहे ऐग्रीक्ल्चरल क्षेत्र से हो, उनको पूरी तरह से इन्साफ मिलना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, गवर्नर के अभिभाशण में रोजगार की बात भी कही गयी। है। रोजगार के बारे में बहुत कुछ कह दिया गया हैं कि हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया जाएगा। कैसे दिया जाएगा, इसका कोई हवाला नही है। जिस तरह से लोगों का कर्जा माफ हुआ हैं अगर उसी तरह से रोजगार किदया जाना है तो भाायद यह कभी भी न हो पाएगा। यहां कहा जाता था कि 10 हजार तक का कर्जा माफ करेगे लेकन हुआ किस का?

जो मर गया, जिसने लेकर दिया नही या जिसने दिवालिया दिखा दिया, उनका माफ हो गया और अब हम आम लोगों से पूछते है। कि भाई आपका कर्जा माफ हो गया तो लोग कहते है। कि नही हुआ। अध्यक्ष महोदय, जब यह सरकार आगामी इलैक ान के वक्त जनता के सामने वोट मांगने जाएगी तो इसको पता चलेगा। चौधरी साहब परसो पिपली चुनाव के बारे में कह गये हैं लोग हमसे पूछेगे तो फिर हम उने क्या जवाब देगे। हम जनता के प्रति पूरी तरह से इस मसले के लिए जवाब देह होगे, तब हमें पता चलेगा। इस तरह से केसवल नारे बाजी से यह समस्या हल नही होनी वाली हैं अध्यक्ष महोदय, यह मामला बड़ा ही सीरियस है।

अध्यक्ष महोदय, इससे आगे मे सदन को एक बात हौर बताना चाहता हूं कि जो आरक्षण विरोधी आंदोलन हुआ, उसका यह भी एक कारण था कि नौजवानों मं और दूसरे लोगों में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या थी लकिन सरकार की की ओर से प्रचार यह कर दिया गया कि सब कुछ बैकवर्ड और एस0 सीज0 को ही दे दिया गया तो तुम स्वर्ण जाति के लोग क्या करोगे? खुद ही सरकार ने लोगों को भड़का दिया जिस कारण से बडत्री दुखदायी बातें हुई। बच्चो ंने आत्म दाह किया। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल व श्री वी0 पी0 सिंह का आपसी जो झगड़ा था, वह भी इस आरक्षण विरोधी आंदोलन का एक कारण था जिस कारण ासे दे ा की बड़ज सम्पत्ति नश्ट हो गयी। लेागों की जाने भी गयी और बडे नेताओं का, ऊंचे लोगों को जो गारीब लोगों के

प्रति रूख थ वह भी इसके लिए जिम्मेवार है। वे लोग भी इसमें हिस्सेदार है।

ऐजुके ान के मामले में गरीब लोगों को फायदा पहुंचाने की बात भी कही गयी हैं लेकिन जहां तक रोजगार की बात थी, मै यहां ाउस को बताना चाहतात हूं कि केवल एक साल के अन्दर चाहे पब्लिक सैक्टर हो, चाहे प्राइवेट सैक्टर हो, सैन्ट्रल व स्टेट गवर्नमैन्ट्स हो या लोकल बाडीज हो, 4 लाख से ज्यादा नौकरिया नही हातेी जिससे कोई भी मसला हल नहोने वाला नही हैं दे ज्ञ में जब बड़े पैमाने पर इंडस्ट्रीज लगेगी, तभी यह समस्या हल होगी ओर जब वह काला धन जो लगभग 1 लाख करोड़ के करीब बाहर निकला जाएगा, तभी कुछसमस्याएं हल होगी। तभी लोगों के कर्जे माफ होगे लेकिन उन चोरों को काई पकड़ेगा नही। अगर उन चोरों को पकड़ लिया जाए तो उस रूपये से दे ा का काफी भला हो सकता है। गरीबों के कर्जे माफ हो सकते हैं इंडस्ट्रीज भी लगाई जा सकती है। जिससे नौजवानों को रोजगार मिल सकता है।

अध्यक्ष महोदय, अब मै आपने जिले के गन्ने की पैदावार के मुताल्लिक कुछ कहना चाहूंगा। यहां पर गन्ने की फसल बहुत अच्छी होती है। यहां कहा गया कि हम गत्रे का भाव 46 रूपये क्विंटल देते है। पहले हम आगे रहे ओर उसके बाद फिर पंजाब इस मामले में आगे बढ़ गया। पहले हमने गन्ने का भाव 45 रूपये मुकर्रर किया तो पंजाब ने 46 रूपसे कर दिया लकिन अब हमारी

सरकार ने भी 46 रूपये कर दिया है, अच्छी बात है। लेकन मै यह अर्ज करना चाहता हूं कि अगर गन्ने की पैदावार के सथ साथ और मिले न लगाई गयी तो गन्ना जलाया जाएगा क्योंकि गन्ने की पैदावार ज्यादा है और मिले थोड़ी हैं इसलिए सरार को इस ओर ध्यान देनाच चाहिए। आज जो क्रे ार्ज है, वहां गन्ने का भाव 30—35 रूपये के हिसारब से चल रहा है। इस साल की भी हमारी मिले पूरी तरह से गन्ने की पेलाई नही कर सकेगी। कुरूक्षेत्र मे ंपानी कासंकट भी हैं मिले लगाने से, गन्ने की पैदावार करने से, यह पानी का संकट भी दूर हो सकता हैं इसलिए कुरूक्षेत्र कजले में ओर मिले लगाने की आव यकता के ऊपर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, कल यहां हाउस में बताया गया कि पैसे की कमी के कारण हमारी डिवैल्पमैट भी रूकी है। और 42 करोड़ रूप्ये का नुक्सान हुआ है ओर यह नुक्सान आरक्षण विरोधी आंदोलन के दरमियान हुआ अेर उसी दौरान दरख्त भी काट गये। एक ओर आंदोलन जोकि सारे हिन्दूस्तान मे ंथा ओर हमारे हरियाणा के अन्दर भ थ कि हरियाणा की ग्रनी हरियाणा बनाया जाएगा उसके तहत दरख्त लगाये जा रहे थे लेकिन दूसरी तरफ दरख्त काटकर पैसों को बुरी तरह से लूटा जा रहा था और कमाई भी हो रही थी। इसलिए मै समझता हूं कि इससे हमारी बहुत हानि हुई है। दुकाने बन्द रही, बसें नही चल, आमदनी बहुत कम हुई है। नुकसान हमार ज्यादा हुआ है। इसे अलावा हमारा एक

और नुकसान जो बहुत ज्यादा हुआ है वह यह है कि हमारे नौजवानों को भड़का दिया गया। जब्रदस्ती कारें ओर बसें रोकी गइ ओर इनसे पैसे इकट्ठे किएग ए। जो पंजाब में आज हुआ वह एक दिन मे ंनही हुआ। लोगौ न उस स्थिति को नाजायज फायदा उठाया। अब आरक्षण वाली बात खत्म हो गई है। ओर पहले की तरह उने पास पैसा इक्ट्ठा नही होता इसलिए वे लोग कुछ और गलत काम करेगे। इसी वजह से राज्य में ंला एंड आर्डर की हालत बहुत खराब है। मै अर्ज करना चाहता हूं कि हमारे भााहबाद के अन्दर एक भाूगर मिल है। उसो जलाने के लिए प्लान बनाया गया। आश्रक्षण विरोधियों ने एक जलसा करने का प्रोग्राम बनाया था लेकिन हमारे अफसरो ंने कर्फ्यू लगा कर उसे जलसे को नही होने दिया। अगर ऐसा ही इन्तजाम ओर जगहो ंपर भी किया जाता तो इतना नुकसान न होता। उस समय हम अफसरों की तरफ से कोई आदे ा नही है। सरकार बताए कि उसने उपद्रवों को रोकने के लिए क्या आदे ा दिए थे। (विध्न) मै अगर हरियाणा के हित की बात नही कर रहा हूं तो मुझे टोकना चाहिए। मै हरियाणा के हित की ही बात कर रहा ूं। हमारी सरकार ने पैन ान की स्कीम लागू की। मै हरियाणा के हित की ही बात कर रहा हूं हमारी सरकार ने पैन ान की स्कीम लागू की। लेकिन विधवा और विकलांगों को तो पैन ान मिली ही नही। बूढ़ो को भी कई महीने से पैन ान नही मिली। अगर उनको पिछली पैन ान समय पर मिल जाती तो वे अपना इलाज करवा लेते क्योंकि इस दौरान कई बूढे बीमारी की वजह से मर गए। हर सामल अफसरगांवां में जाते है। अगर कोई

बूछा किसी काम की वजह से मौके पर हाजिन नही मिलता तो उसकी पैन् ान काट देते है। होना तो यह चाहिए कि जिसकी एक बार पैन् ान लग गई उसकी परमानैंट रहनी चाहिए। मैने पीछे लगातार एक बात कही थी कि पैन् न भेजने के लिए मनीआर्डर का खर्च बचाया जाए। अब सरकार ने उस तरह ध्यान दिया है एसो करनेसे पांच करोड़ रूपया साल का फायदा हुआ हैं मै एक बात और कहूंगा कि हमने 215 रूपये के भाव सै गेहूं बेची थी और 20 लाख टन से ज्यादा बेची थी। आज आटै का भाव पांच सौ रूपए क्विंटल है ओर गेहूं केचार सौ रूपए क्विंटल बिक रही है। डिपोज पर जनवरी में दस हजार टन गेहूं गई, फरवारी मे ंबीस हजार टन और मार्च मे ंतीस हजार टन से भी कम गई। अगर इसको आबादी के हिसाब से तोला जाए तो जनवरी मे ंएक महीने में एक आदमी के हिस्से एक किलों, फरवरी में दो किलो ओर मार्च में तीन किलों से कम आती है। हमारे हरियाणा के पालियामैंट के मैबर है। मैने इस बारे में उनको पत्र लिखे थे। उनमे ंश्री चिरजी लाल भार्मा का जवाब मेरे पास आजया थ। डनहोन इसबारे में फूड मिन्टिर को लिखा है। जो चीज हमने बाहर से मंगवान है, उसकी कीमत तो बढ़ सकती है लकिन गेहूं तो इनके हाथ मे ंहै ओर वह भी लोगों को नही दिया जाता है। मै अन्त में एक दो बाते कह कर अपनीबात खत्म करूंगा। प्रौढ़ ि ाक्षा हरियाणा में बन्द कर दी गई हैं यह वायदा किया गया था कि जो ि ाक्षक अच्छे पढ़े लिखे है, उनको वापिस सर्विस में ले लेगे लकिन उस बारे में कुछ नही किया गया। आज स्कूलों में

टीचर्ज की जगहे खाली पड़े है भााहबाद का स्कूल में टीचर्ज की कमी है। यदि स्कूलों में टीचर्ज नही होगे तेा उसका क्या फायदा हैं आज मै भारबा के बारे मे ंएक बात कहना चाहूंगा। यह बड़ा अहम मसला हैं अगर सरकार ने आमदनी बढ़ानी है तो भाराब परटैक्स बढ़ाए। एक तरफ सरकार ने जा बंदूक और रिवाल्वर के लाईसैसधारी है उन पर केवल 6 रूपए साल की फीस रखी हुई है। जबकि एक बंदूक या रिवाल्वर 40 हजार रूपए की आता है। दूसरी तरफ हर गांव के अन्दर हर दुकान भाराब का ठेा बन गई हैं उसकी तरफ कोई ध्यान नही है। इससे हरियाणा प्रदे ा को बहुत नुक्सान हो रहा है। सरकार इस तरफ ध्यान दें।

श्री किरपा राम पुनिया (बड़ोदा–अनुसूचित): स्पीकर साहब, आपका बहुत धन्यवाद आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। स्पीकरसाहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है। मै इस अभिभाशण पर अपने विचार प्रकट करने से पहले भाुय मे ंही एक बात स्पश्ट कर देना चाहात हूं कि विपक्ष की ओर से उन दिन राज्यपाल महोदय का जो बायकाट किया गया था उसका मतलब यह नही था विपक्ष की ओर से उनके प्रति किसी तरह की कोई गलत भावना थी या उनकी भाान में केई फर्क डालने की नीयत थी। उस सम ऐसी कोई बात नही थी। हरियाणा प्रदे ा मे ंचौधरी हुकम सिंह जी की सरकार है। चौधरी हुकम सिंह जी बड़े अच्छे और काबिल आदमी है। इनके मंत्री भी बड़े काबिल है। चौधरी हुकम सिंह जी की नीयत साफ हाते हुए भी

आज बदकिस्मती से सारे हरियाणा प्रदे ज्ञ में ऐसा माहौल बन चुका है। कि जिसको ठीक करना बड़ा मु कल है। अनेकों प्रकार के ऐसे किस्से हुए है। जिनकी तरफ लोगों की उंगली उठती है। एक प्र न चिन्ह लगता हैं चाहे मेहम का कांड हो जिसमें वहां पर किस तरह से एक इनडिपैडैन्ट कैडीडैट का कत्ल हुआ हो, चाहे आदरणीय गुप्त जी पर कातिलाना हमला हुआ हो, चाहे गोहाना मे रेप हुआ हो, चाहे कोसली में रेप हुआ हो चाहे भााहबाद मे रेप हुआ हो और चाहे मण्उल कमिशन की रिपोर्ट लागू करने से सरकारी सम्पति का नुक्सान हुआ हो या मण्डल कमि ान की रिपोर्ट लागू करने से सरकारी सम्पति का नुक्सान हुआ हो या मण्डल कमि ान की रिपोर्ट लागू करने पर जा वायलैस हुए, उनकी तरफ लोगों की उठती है। एक प्र न चिन्ह लगता हैं हरियाणा सरकार ने मदान कमि ान बैइा कर देख लिया, कोई कार्यवाही नहुई। मेहम में एक इनडिपैडैन्ट कैडीडेट का कत्ल की जांच करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का एक रिटायर्ड जज बैइा कर देख लिया, कोई जांच नही हुई। आदरणीय गुप्ता जी ने स्वयं मुख्य मंत्री जो लिख कर भी दिया था कि उन पर जो काटिलाना हमाला हुआ था, उसकी सी0 बी0 आई0 जाचं करवाई जाए। मेरी हजारी में मुख्य मंत्री जी ने स्वयं यह स्वीकार किया था कि इस बारे में सी0 बाई0 आई0 से जाचं करवा देगें लैथ्कन आज तक उस बारे कोई जांच नही हुई। मास्टर हुक्म सिंह जी की ठईीक नीयत हाते हुए भी वे मजबूर है, लाचार है वरना मास्टर हुकम सिं जैसे आदमी लोहिया जैसे समाजवादी देता के अनुयायी हरियाणा

प्रदे ज्ञ के ुख्य मंत्री हो, वहा इस तरह की धांधली हो जाए लेकिन इनके ऊपर भी इ ाारा किसी और का चलता है जिसकी वहज से ये सारी धांधलिया हो रही है। स्पीकरसाहब, इसी कारण से हमने उस समयद सदन से वाक आउट किया था ंकितने भार्म ओर दुख की बात है। कि जिस समय मंडल कमि ान की रिपोट लागू हुई, उस समय जो एजीटै ान हुए, उन एजीटे ान के कारण सरकारी सम्पति का जितना नुक्सार सारे हिन्दुस्तान में हुआ, उसस बहुत ज्यादा अकेल हरियाणा प्रदे ा में हुआ। उस समय जो भी घटनाए घटी, जो भी नुक्सान हुअ, उसे बारे में हरियाणा सरकार की तरफ से कोई कार्यवाही नही की गई और न ही कोइ ऐक ान लिया गया। इससे हरेक के दिल में भाक पैदा होता हैं मदान कमी ान ने जो रिपोर्ट देनी थी, वह भी पूरी नही हुई। इसी तरह से गुप्ता जी र तो कातिलाना हमला हुआ उसकी भी कोई जांच नही हुइ। इसी प्रकार से जब किसी भी घटना पर कोई कार्यवाह ीनही होती तो सरकार पर यह प्र न चिह्न लगता है कि आखिर सरार क्यो नही कोई कार्यवाही कर रही? इसी तरह से डी0 सी0 और एस0 पी0 जपरजो हमले हुए, उन पर भी कोई कार्यवाही नही हुई। यह भी नही बता सकते कि इन केसों में कितने लोगों की इन्टैरोगेट किया गया ओर काई बर्थव्याईल क्लयू निकला या नही। इस बारे में हमारे पूछने पर यह कहते है। यह बताना पब्लिग इन्ट्रैस्ट में बताना उचित नही है। मैने ऐसे लागों के नाम नही पूछे थे बल्कि मैने तो यह पूछा था कितने लोगों को इन्टैरीगेट किया गया और क्या वर्थव्हाईल क्ल्यू निकला या नही। इस तरह की

घ्ज्ञटनानएं होने के बावजूद भी इस पर कोई कार्यवाही नही होगी तो एक एन्टी–सो ाल एलीमैंट को बढ़ाया मिलेगा ही। पिछले सै ान के दौरान पंजाबी लोगों के खिलाफ पोस्टर छपे थे और उस समय भी मैने कहा था कि इसकी जांच होनी चाहिए। इस बारे में हम ने पूछा था कि क्या कोई केस रजिस्टर हुआ है या नही या किन्ही लोगों को इन्औरोगेट किया गया है या नही लकिन हमारी किसी बात का कोई जवाब नही दिया जाता। किसी बाम की भी नुक्ताचनीी का जाये,उचाहे वह हाउस में ही जाये, अखबारों मे ंहो या रोडियों पर हो, उस रतफ सरकार का कोई ध्यान नही है। जब सरकार की किसी प्वायंअ ार हर क्षेत्र में नुक्ताचीनी हो, तो सरकार पर कुछ तो असरहोना चाहिए। लेकिन इतनी नुक्ताचीनी के बादभी सरकार पर कोई असर नही होता। जब हमारे नेता वी0 पी0 सिंह ने मण्डल कमी ान की रिपोर्ट को लागू कर दिया तो सभी की तरफ से एक तूफान सा खडा कर दिया गया और लोगों को गुमराह किया गया और इनती भारी पब्लिसिटी की गई कि तुम्हारे साथ अन्याय ाकिया गया है। सरकार ने केवल केन्द्रीय सरकार सेवाओं मे ंलिए जाने वालमे कर्मचारियेां के लिए 27 परसेन्ट रिजर्वै ान की व्यवस्था की थी आज दे ााके आजाद हुए 40 साल हो गए हैं इन 40 सालों में हरियाणा के रहने वाले आई0 ए0 एस0 या आई पी0 एस0 में सिफ 24–25 आफिसर्ज है। इनमें से 10–12 हरिजन जाति से संबंधित है। और बाकी दूसरी जातियों के होगे। किसी की नेाकरी छीनी नही गई। लेकिन लेागों को गुमराह करके इनता उकसा दिया कि कुछ बच्चो को आत्मदाह जैसा सख्त कदम

भी उठाना पड़ा। आत्मदाह करने वालों के प्रति तो हमें भी बहुत दुःख है। उन दिनों हरिजन चौपालें है, उनका नाम डा0 अम्बदेर भवन होगा। लेकिन दूसरी तरफ अम्बेदकर के नाम से कोई काम नही किया जा रहा है। इस बारे में मै यह अताना चाहूंगा कि आज से तनी या साढे तीन साल पहले मैने एम डी0 रोहतक मं डाक्टर अम्बेदकर चेयर लगाने की बात कही थी लेकिन उस पर आज तक कोई ध्यान नही दिया गया। इसी प्रकार से हर डिस्ट्रिक्ट लेवल पर हरिजन बच्चों के लिए डाक्टर अम्बेदकर होस्टल बनाने का सुझाव दिया था लेकिन उस तरफ भी अभी तक कोई ध्यान नही दिया गया हैं लगता है कि सरकार ने इन दोनो ंस्कीमों को बन्द कर दिया है। स्पीकर साहब, हरिजन चौपालों के लिएग्रान्ट सैक ान की गई थी। अभी कुछ थोडे दिन पहले श्री कुलबीर सिंह मालिक जी जुलाना जलसे में मुख्य मंत्री जी से हरिजन चौपालो की ग्रान्ट जो पुनिया ने अनाउस की थी, उसे रिलीज करने के लिए कह रहे थे। स्पीकर साहब, यह डा0 अम्बेदकर को इज्जत देने वाली बात नही है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः पुनिया साहब, अब आप वाईड अप करिए।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, मै कोई गलत बात नही बोल रहा हूं। यह डा0 अम्बेदकर की जन्म भाताब्दी का साल है, जिसे सामाजिक न्याया का साल घो ित किया किय गया हैं सपीकर साहब, चालिए तो यह था कि डा0 म्बेकर की स्मृति का `स्थापित करने काजा `फैसला हुआ हौ, उसे स्थापित करने की

कोि ा ा करते, सराकारी नौकरियों नमें रिजनों के आरक्षण का जो बैकलाग है, उसको पूरा करने की कोि ा ा करते, लेकिन अफसोस है कि ऐसा कुछ नही हुआ। मेरे पास आंकडे हैं स्पीकर साहब, मै यह आंकडत्रे यहां पे करता हूं स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार में क्लास-I में 271 एस0 सी0 पदों का और 157 बी0 सी0 पदों का बैकलाग है। क्लास-II में 1107 एस0 सी0 पदों का और 157 बी0 सी0 पदों का बैकलाग हैं क्लास-III में 16676 एस0 सी0 पदो ंका और 3451 बी0 सी0 पदों का बैकलाग हैं स्पीकर साहब, अगर सरकार ने सामाजिक न्याय की बाम करनी है तो सबसे पहले इस बैकलाग का पूरा करना चाहिए। दूसरी तरफ पुलिस में या रोडवोज में कन्डक्टरों, ड्राइवरों और क्लकों की भी जो भर्ती होती है उसमें आराम से एस0 सी0 और बी0 सी0 के कैडिडेट्स मिल जाते हैं जलेकिन वहां भी एस0 सी0 और बी0 सी0 का 20 प्रति ात तथ्ज्ञा 10 प्रति ात कोटा पूरा नही करते। सभी नौकरियों में सामाजिक अन्याया होता हैं ये इन्साफ नही है। स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नही है कि जहां एक और एसी0 सीज0 और बी0 सीज0 में फारवर्ड क्लासिज है। वही बनियो, ब्राह्मणों औ र दूसरी बिरादरियों में भी गरीब लोग हो सकते है और उनको भी पूरा इन्साफ मिलना चाहिए। मण्डल कमी ान की रिपोर्ट पर नौजवानो को भड़काया गया कि तुम्हें कालेजों मैं दाखिला नही मिलेगा। हाई परसैटेज होने परभी मैडिकल कालेजों में दाखिला नही मिलेगा। स्पीकर साहब, हर साल 60 हजार के करीब डज्ञक्टर बन कर मैडिकल कालोजें से निकले है। जिसमें

4–5 लाख तक की कैपिटे ान फीस देकर लोग दाखिला लेते हे। एक लाख के ऊपर इंजीनियकर हर साल इंजीनियरिग कालेजों से निकलते है। जो 4–5 लाख रूपए की कैपिट ान फीस देकर दाखिला लेते है। लेकन इनका कोर्ठ विरोध नही करता। अगर नाई के लड़के को, कुम्हारा के लड़के का, खाती के लड़के को, धोबी के लड़के को आरक्षण द दिया तो लोगों ने तूफान खड़ा कर दिया। मै सरारसे निवदेन करना चाहूंगा कि प्रजातन्त्र में इन्साफ करने की बात होनी चाहिए इस तरह का माहैल पैदा करके गलत बात नही करनी चााहिए।

श्री अध्यक्षः पुनिया साहब, अब आप बैठै। आपने काफी टाईम ले लिया है।

श्री किरपा राम पुनियाः स्पीकर साहब, हमने आपसे गुजारि ा की हैं कि हाउस का टाइम बढद्या दीजिए। विपक्ष के केवल 6 सदस्य ही बोल पाए हैं मेरी पार्टी के 3 सदस्य बोल पाए है। दिन बढ़ाने की बात परतो अपने कहा था कि सरकार की मजबूरी है। लेकिन टाईम बढ़ाने पर तो कोई दिक्कत ही हैं मै फिर निवेदन करूंगा कि हाउस का समय दो घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए।

Mr. Speaker: I have no objection if the House desires to extend its time.

कामरोड हरपाल सिंह (टोहाना): स्पीकर साहब, आपका भाुक्रिय कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। एक बात मै खुल

कर कहना चाहता हूं कि जिस समय हाउस के अन्दर ऐडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट पे ा की गइ थी तो हमने उस पर वोटिग करवाने की ामंग की थी। उस समय माननीय मंत्री जी ने यह कहा थ्ज्ञा कि सभी पाटियों के मैम्बर्ज को पार्टी के हिसाब से टाईम का अलाटमैंट की जाएगी। उस टाईम उन्होने जबवाद देते हुए यह कहा था कि इस हिसाब से ि ाड्यूल बनाय जाएगा ओर अब जब ालिने का वक्त आया है तेा मै आपनी पार्टी का अकेला ही एम0 एल0 ए0 हूं।मै तो अपने विचार रखूंगा ही।

श्री अध्यक्षः आप अपने विचारो की बजाय पहले अपनी थ्योरी ही डिस्क ान कर लो।

कामरोड हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, यह जो गवर्नर साहब का अभिभाशण था, वह गवर्नमैंट की थ्योरी ही था। सरकार की थ्योरी ही तो थी। मै ज्यादा समय नही लूगा केवल प्वायंट टू प्वायंट ही बात करूंगा। गवर्नर साहब के अभिभाशण के अन्दर फूड एण्ड सप्लाई के बारे में यह लिखाहै कि हरियाणा के अन्दर खाद्यात्रों के उत्पादन में कोई कमी नही ुई हैं सरकारको यह पता ही होगा जब से खाडी संकट भाुरू हुआ है, तब से व्यापारियों ने गेहू के भाव 215 से बढ़ाकर 400 रूपए क्विटल कर दिए है। हरियाणा की सरकार और चौधरी देवी लाल बार बार यह प्रचार कर करते रहे है कि हमने किसान का भला किया है। किसान का भला किस तरह से किया है, यह हमे ंपता नही चला। पता नही देवी लाल जी 2500बीघे वाले को हि किसान मानते है या 20 बीघे

वाले को भी किसान मालनते हैं छोटा किसान ओर खेतिहार मजदूर ही नही, लगभग गांव का हरेक आदमी इन महीनों के अन्दर गेहूं बाजार से खरीदता हैं चाहे कोई कर्मचारीहो या छोट किसान हो, सब को इन महीनेा में दुकानदारों से गेहूं खरीदनी पड़ती हैं जब हमारे फुड एण्ड सप्लाईज मिनिस्टर वहां पर गए तो हमने इनमें से बात की। इन्होने बार बारे यह कहा कि गेहूं सप्लाई की जारी है लेकिन हमने यह कहा कि ठीक भाव पर गेहूंनही मिल रही हैं सही भाव पर गेहूं मिलनी चाहिए। दूसरी बात यह है कि हमार पंजाब के साथ बोर्डर लगता है। साम्प्रदियिक माहैन तभी खरबा होताहैं जब टैरोस्ट्रि्स ऐक्टिवीटिज बढ़ जाती हैं यह बात बिल्कुल दरूस्त है कि हरियाणा की पुलिस की बड़ी अहम भूमिका टैरोरिस्ट्स एक्टिवीटी को रोकने के लिए रहती है पूरे ऐि ाया के अन्दर असामाजिक तत्व ग्रीन ब्रिगेड के नाम पर आंतक फैलाते है। उनका पंजाब के आतंकवादियों के साथ मेल जोल भी हैं खासतौर पर मै अपने हल्के की बात करता हूं। वह वहां पर जमीनों पर कब्जा करने में मदद भी लेते है। इसके लिए उनका खाने–पीने ओर ठहरने की सुविधा भी मिलती है। उन असामजिक तत्वों को रोकना चाहिए। दूसरी बात वहां पर कानून और व्यवस्था बनाए रखने की है। मै इसके बारे में कुछ कहना चाहूंगा। सरकार जब कानून व्यवस्था की बात करती है, तब खास तौर पर इसकी जिम्मेवारी पुलिस पर आती हैं पुलिस के एक कांस्टेबल की डियूटी तो 24 घंटे की होती है लेकिन उसको 4–5 साल में बूट भी सप्लाई नही किए गए हैं 4–4 साल से उनकी वर्दी नही दी गयी हैं

मै सरकार से यह दरखवास्त करूंगा कि इस तरफ अव य ध्यान देना चाहिए खास तौर पर कांस्टेबल से लेकर एस0 आई0 तक जो कर्मचारी है, उनको वर्दी साल में जितनी भी निर्धारित है, दो है तो दो, अगर कम याज्यादा है वह जरूरी दी जानी चाहिए। इसके अलावा उनक `लिए रैजीडैि ालय कालोनी भी बनकर दी जानी चाहिए ताकि उनक `बारे में जो बलात्कार के आरो प लगते है, वह कम हो सके। उनकी 24 घंटे की डिरूटी होती है ंचाहे किसी मंत्री ने आना जाना हो या किसी दूसरे वी0 आई0 पी0 ने आना जाना हो, उनको पुल के ऊपर खड़ा करि दया जात है, उनकोकोई यह भी नही पूछता कि उसने चाय भी पी है या नही, जैसे उसको सजा मिल जाती हैं दूसरी तरफ जो आदमी एप्रोच वाला है, सिफारि ा से भर्ती होता है, उसो मनचाही जगह पर लगाया जाता हैं पहले मन्थली देनी पड़ती थी लकिन अब डैली देनी पड़ती है। बड़ी खु ाी की बात है कि हमारे होम मिनिस्टर साहब बहुत काबिल आदमी है। और हमारे आने से पहले करप ान के खिलाफ बहुत बोल करते थे इसी सदन के अन्दर पहले भजन लाल की सरकार के खिलाफ और भजन लाल के खिलाफ लम्बे चौड़े भ्रश्टाचार के पुलन्दे–इकट्ठे किया करते थे ओर उन पर बड़े–बडे भ्रश्टचार के इल्जाम लगते थे। आज उन्ही पर भ्रश्टाचार के आरोप लगते हैं स्पीकर साहब, उस समय इन्होने राश्ट्रपति को भ्रश्टाचार के खिलाफ मैमोरेण्डम दिया था लेकिन आज खुद ही उसी जाल में फंस गए है। पींग अखबार देखकर मुझे बड़ा दु:ख हुआ कि इनके ऊपर करोड़ो रूपए के करप ान के आरोप है। स्पीकर

साहब, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि वह मिनिस्टर जो ईमानदारी की राजनीति करने का दावा करते थे, वही लोग भ्रश्टाचार में आकर मर गए।

स्पीकर साहब, अब मै किसानों के बारे में कहना चाहता हूं। जब किसान मण्डी में अपनी फसला कोले जाताहै, खासतौर परपैडी औरकपास ले जाता है तो सरकारी ऐजेन्सी, आढती ओर भौलर के मालिक सब मिल जाते हैं सरकारी ऐजेन्सी तो किसान की उपज की खरीदती नही और किसान को प्राईवेट आढ़ती के रहम पर छोड देती है ंप्राईवेट आढ़ती और भौलर का मालिक किसान की उपज को सस्ते दाम पर खरीदता है। सरकारी रेट अगर 225 होता है तो किसान की पैदावार को वे लोग 180—190 और 200 का भाव खरीदेते है। इस तरह से किसानो को बहुत अधिक नुक्सान उठाना पड़ता है। स्पीकर साहब, किसान को समय पर बीज भी नही मिलता। अब की बार उसको सूरजमुखी का बीज नही मिला। स्पीकर साहब, पिछले सै ान मं यह कमिट किया गया था कि वर्श 1991 में टोहाना में आई0 टी0 आई0 भाुरू कर दी जाएगी। जमीन ऐक्वायर हो गई, पैसा अलौट ही गया लेकिन उस पर कोई काम भाुरू नही किया गय। अब मुझे पता लगा है कि उसको किसी दूसरी जगह ट्रांसफर कर दिया गया है। इसी तरह से धारमसूल में 132 के0 वी0 का बिजलीधर का निर्माया पूर कर दियाहै। जब ट्रांस्फारममरऔर म ाीने नही आई तो पता चला कि एक बाई इलैक ान आ गया था जो आदमी वहां से खड़ा हुआ था,

अगरवह जीत गयातो उसकी प्रदे ज्ञ का चीफ मिनिस्टर बनाया जाएगा इसलिए उस हल्के में वह ट्रांसफारमर ओर दूसरी म ीनरी तथा सड़कों का सारा सामान ि ाफ्ट कर दी गई। स्पीकर साहब, दड़बा कलां का जब वाई इलैक ान चौधरी ओम प्रका ा ने लडा तो सारे हरियाणा का बिजली का सामान, ट्रांसफारमर ओर दसूरी म ज्ञहनी तथा सड़कों का सारा सामान वहां ि ाफ्ट कर दिया। यये सारी वस्तुए इसलिए वहां भेजी गई जिससे कि वहां का इलैक्शन जीात जासके। अध्यक्षम होदय, मेरा कहना यह है कि हरियाणा में नब्बे कांस्टीचुएंसीज हैं ओरइन सभी नब्बे हल्कों को बरबार का विकास होना चाहिए। सब के विकास पर बराबर का ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जब हम ि ाक्षा की बात करते है तो कुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हरियाणा के अन्दर 150 लैक्चरइर्ज ऐडहौक परहै ओर वे सीभ्ज्ञ ल्रक तरह साल से नौकरी कर रहे है लेकिन हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद उन्हें पक्कय नही किया गया। इस गवर्नर ऐड्रैस में कहा गया है कि एक परिवारमें ऐ आदमी को रिोजगार दिया जाएगा लकिन दूसरी तरफ हालयत हयह है कि जो लोग काम पर लगे हुए है, उनकों हटाा दिया गया है। जिनको रोजगार मिला हुआ है, उनसे रोजगार छीन लिया गया है प्रौढ़ ि ाक्षा के कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया गया। उनका रोजगार छीन लिया गया जबकि वे काम पर लगे हुए थे। दूसरी तरफ कहा जा रहा है कि एक परिवार में से एक आदमी रोजगार दिया जाएगा। हमें नही पता झिा कि सरकार राजगार देने की ऐसी गलत बात

कहती है। क्योंकि आज जो एडहाक पर कई–कई सालों से कच्चे लगह ुएहु एलोअ ै, उनके बारे में सरकार को कोई चिन्ता नही हैं प्रौढ़ ि ाक्षा की बेहतर सुविधाए देकर अनपढ़ लोगों को पढ़ाया जा सकातहै अगर सरार की नीयत साफ हो। हमारी सरकार को करेला प्रांत की तरफ लोगों ाके प्रोत्याहन देना चाहिए। वहां पर सभी स्वयंसेवी संगठनो ंने इस बारें में बड़ा ही योगदान दिया है ओर इसी कारण से वहो ि ाक्षा के क्षेत्र में सरकार नेबहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि जो लैक्चरार 14–14 सालों से एडहाक पर ही चल रहे है, उनको पहले पक्का किया जाना आव यक है। यह सरकार एक तरह तो रोजगार देने की बात करती है। लेकिन दूसरी ओर बेरोजगारों की लाईनोंा की लाईनें लगी हुई है। मेरे वहां टोहाना कालेज मे श्री दीपक प्रिसिपल हुआ रकते थे लेकिन अब तो वे बड़े भारी नेता बन गए है लेकिन अभी तक वहां उनकी जगह पर कोई दूसरा अया नही है। जो भी आता है, उसकी दो महीने बाद छुट्टी कर दी जाती है। स्पीकर साहब, आप ही बताइए कि जिस इंस्टीच्यू ान का कोई हैड नही होगा, उस इंस्टीच्यू ान की क्या हालत होती होगी। कई स्कूलों में पोलिटिकल साई के प्राध्ययपक नही है तो कही पर साईस टीचर अवेलेबन नही है। जिससे बच्चो की पढाई पर बड़ा बुरा असरपड़ रहा है। स्पीकरसाहब, मै आपको क्या–क्या बताऊं? ि ाक्षा देने की बात तो दूर रही, स्कूलों की हालत ऐसी है कि कई स्कूलों में 10–10, 20–20 बच्चो के पीछे टीचर मिल जाते है लेकिन दूसरी ओर ऐसे स्कूल भी है जिनको कोई पूछता

तक नही ओर वहां पर एक टीच्र भी बच्चों की ि ाक्षा के लिए अवेलेबल नही हैं

स्पीकर साहब, पीने के पानी की उपलब्धि की बात भी इस सरकार ने दोहराई है लेकिन सरकार जितनी इसकी दुहाई दे रही है, उतना काम सरार ने नही किया है। अब चौधरी साहब ने ग्रामीण वसिज भाहरियों के बारे में एक नया भाी ाा छेड़ा है जिसके कारण से आज गांव व भाहर वालों के बीच में लड़ाई चल रही हैं गांव ओर भाहर की बात तो ये करते है लेकिन मै यह कहना चाहता हूं कि आज चौटाला साहब की कोठी को जाकर देखा जाए तो पता चल जाएगा कि वहां परसभी ऐसी आराम की चीजे अवेलेबल है जोकि भाहर में रहने वाले किसी सेठक` घर में ळाी नही होगी। जो गांव ओर देहात के टकराव की बात करते है, भाययदवे गांव के जमीदार की उस कोठी की बात को भूल जाते है। जिसक पास हर तरह के सुख सुविधा के साधन है। इसी तरह से भाहरों में भी गरीब और मजदूर रहते है, उनका मुकाबला गांव के जमीदारो से नही किया जा सकात। पीने के पानी की सुविधाए की बात की ही ले लीजिए। पहल भाहरों के अन्दर जो आबादी थी, उसी के हिसाब से वाटर टैक बनाए गए थे। मेरेा टोहाना के अन्दर भी वाटर टैक बनाए गए थे। उस वक्त टोहाना की आबादी लगभग 25 हजार के करीब थी लकिन आज उसकी आबादी कोई 60 के करीब है लकिन वाटर टैंक वही पुराने के पुराने वही पर खड़े है। उनमें किसी प्राकर की तबदीली नही का गयी हैं ग्रामवासियों के

पास पानी नही पहुंच रहा हैं। इसी तरह से जो भूना कस्बा है, उसकी भी बुरी हालत है।

दूसरी बात, स्पीकर साहब, मै यह बताना चाहता हूं कि आजकल कालोनियों की चर्चा भी बड़ी जोरों पर है। हुड्डा के ऊपर डिवैल्पमैट चार्चि ज्यादा लेने के ऐलीगे ान लगे हुए है। डिवैल्पमैंट के वक्त हरियाणा सरार ने यह कानून बनाया था कि हरियाणा के अन्छर जो भी कोलोइजे ान हेागी,वह हुड्डा डिवैल्प केरगे लेकिन आज मंत्री जी नेयह जवाब दिया है कि कुछ प्राइवेट कालोनीज में 30 से 40 प्रति ात मकान बन चुके हैं। स्पीकर साहब, हम ता यह कहते है कि उनको लीगेलाइज करों, हमें कोई एतराज नही है। जो कालेनीज 10–12 सालों से है, उनकोतो लीगेलाइज किया जा सकातहैं लकिन बड़े अफसोस की बात है। कि सराकार के बड़े बड़े अफसरों ने, सरार के बड़े बड़े नेताओं के रि तेदारों के मामले में रूकावट आ रही है। स्पीकर साहब, पिछले सै ान में इसी संबंध में हमने इस सत्र में सवाल किया था कि कुछ जमीन हमें कालेज की ग्राउंड के लिए दे दी जाए तो उस वक्त हमेंकोरा जवाब मिला था कि यह जमीन इसकाम के लिए नही दी जा सकती। उस जमीन परयही डिसप्यूट थ। तैयब जी ने कहा था यह जमीनकंस्ट्रक ान के नही दी जासकती। वह ऐग्रीकलचरल लैन्ड थी। बड़े दुःख की बात है कि वही जमीन आज हमारे इस सदन के सब से बड़े नेता के रि तेदारों ने ले ली है। (ाोर एवं व्यवस्था) जिस जमीन के ऊपर कोलोलाइजे ान हनही

होनी चाहिए उसके ऊपर बस्तिया काटी जा रही हैं टोहाना के इर्द–गिर्द के जो टाऊन है, वहां पर भी इसी तरह से कोलोनाइजे ान हो रही है। इसलिए सरार को इसके ऊपर रोक लगानी चाहिए नही तो आने वाले समय में विकास के अन्दर यह सब से बड़ी सिरदर्दी सरकार के लिए खड़ी हो जाएगी। ओर न ही पानी का सरकार प्रबन्ध कर पाएगी ओर न हो बिजली का ही प्रबन्ध कर पाएगी। धन्यवाद।

डा0 बृज मोह गुप्ता (जगाधरी): अध्यक्षमहोदय मै आपनी बात भाुरू करने से पहले हरियाणा के बारे में एक पुरानी कहावत कहूंगा–

किस किसा को रोइए, आराम बड़ी चीज है, मुंह ढक कर सोइए।

मै आपनी बात को कहां से भाुरू करूं ओर कहा खत्म करू। मै आपनी बात भ्रश्टाचार से भाुरू करताहूं। भ्रश्टाचार का जहां तक संबंध है, आप अच्छी तरह से जानते है। कि सरकार दफ्तर चाहे वह तहसील का दफ्तर है या बिजली बोर्ड का है। अथवा किसी भी अदायरे का है, वहां पर काम कैसे होता है। खले आम रजिस्ट्री पर दो परसैट रि वत ली जाती है। इसके बाजवाजूद भ कहा जात है कि हमने भ्रश्टाचार हटाने का प्रबन्ध किया है। यह कैसा प्रबन्ध है, यह घटाने का है या चढ़ाने का है, इसका जवाब सरकार देगी लेकिन आम जनता को सही बात का

पता है मै यह विशय लूंगा जो कसी ने छेड़ा। जहां तक मंडल कमी ान या गुरनाम सिंह कमी ान की बात है, इनमें से कुछ भाईयों ने मंडल कमी ान की बात कही थी कि इसके कारया यहां पर झगड़े करवाए बए ओर लोगों के गुमराहकिया गया। मंडल कमी ान की रिपोर्ट को लेकर हरजनों का भड़काया गया तथा दूसरे जातियों को भी भड़काया गया। हरियाणा में ि ाड्यूल्ज ट्राइब्ज तो है नही इसलिए उन पर इसका असर पड़ने वाला नही था। मै खास तौर पर सरकार से कहूंगा कि अब मार्च का महीना चल रहा है और दसवी तथा 10 जमा 2 के इम्तिहान होने वाले है उसके बाद टैक्नीकल इंस्टीच्यू ांज में भरती के समय प्री–मैडिकल टैस्ट होने है। उन सब का आधार 10 जमा 2 की परीक्षा होती है। यहां हरियाणा के अन्द ओरसारे दे ा के अन्दर किस तरह से इम्तिहन होते है। और किस तरीके से उनको कंडक्ट करवाय जाता है, यह बात सब के साने है। मैडिकल कालेज में जाने के लिए प्री–मैडिकल टैस्ट सब जगह होता है। लेकिन इंजीनियरिग कालेज में जाने के लिए हरियाणा में भी बाहर के प्रांतों मं भी 10 जमा 2 की परीक्षा को आधार माना जाता है। कही पर नार्मेलाइजे ान कर ली जात ीहै ओ कही पर सीधी भरती कर ली जाती है। हरियाणा में कुरूक्षेत्र औरमुरथल के इंजीनियरिग कालेजिज में सीधी भरती होती है। जब पेपर खुले आम पहले बता दिए जाए या बोर्ड के ऊपर उनका हल कर दिया जाए,सैटर्न में लड़कों को पूरी छूट हो कि पेपर हल कर लीजिए औरटाईम की कोई पाबंदी नही चाहे तीनघंटे हो, चाहे चार घंटे हो, तो बाकी लड़के उसकम्पीटी ान

में कैसे आ सकतेा है? मुण्े बड़े दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि एच0 सी0 एस0 के रिटन एग्जाम मेंभी ऐसा ही हुआ ओर अब एतराज हुआ तो उसका जवाब यि दिया गया कि अगर यह नही होगा तो एक पर्टीकुलर जाति के लोगे कैसे आएंगे। मुण्े यह पता है कि एच0 सी0 एस0 के सौलण्ड पेपरभी बिके है। बिल्कुल हल किए हुए पेपर बिके है। एच0 सी0 एस0 के पेपर लीक होने के बारे में सभी को पता है। किस तरह से अपनेरि तेदारों को सर्विस में लाने के लिए यह सरकार एग्जाम लेती है। आप यह भी जानते है। कि जो प्री–मैडीकल टैसट होता है, वहा रोहतक में होता हैं उसमे ंकितनी धांधलियां हाती है। (ोर) मेरा कहना यह है कि हरियाणा के अन्दर जो प्री मैडीकल टैस्ट होते है। और जो कम्पीटीि ान के एग्जाम होते है, उनकी तरफ हरियाणा सरकार ध्यान दे, जिसकी तरफ आजकल बिल्कुल ध्यान नही दिया जा रहा हैं एक बात मै यह भी कहना चाहूंगा कि मण्डल आयोग की रिपोर्ट पर हरियाणा सरकार ध्यान दे, जिसकी तरफ आजकल बिल्कुल ध्यान नही दिया जा रहा है। एक बात मै यह भी कहना चाहूंगा कि मण्डल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा में अब केवल साढ़े तीन जातियों ही जनरल कैटेगरी में रह गई हैं बाकी सभी जातियों बैकवर्ड बना दी गई है। जो मा र्ल जातिया थी, उनको भी बैकवर्ड में डाल दिया गया। मेरा कहना है कि आप इन साढ़े तीन जातियों को बैकवर्ड में डाल दिया गया। मेरा कहना है कि आप इस साढे तीन जातियों को बैकवर्ड बना देते और बाकी सभी जातियों को जनरल कैटेगरी में डाल देते तो अच्छा होता।

टैक्नीकल कालेजिज में बच्चों के जो टैस्ट होते है, उनकी तरफ सरकार को अव य ध्यान देना चाहिए। उनको डाक्टर बनना है, इंजीनियर बनना है और वकील बनना है उनक जब टैस्ट होते है तो उस समय खुले आम नकल होत ीहै जिसक कारण जो अच्छे बच्चे होत है, वे रह जात है। ओर निकम्मे बच्चे हेाते है, उनको हर जगह पर दाखिला मिल जाताहै। मैडीकल कालेज मं भी एम0 एस0 और एम0 डी0 के एग्जामों मे ंऐसा ही हुआ है। अब इस तरह से जो लड़के एम0 एस0 और एम0 डी0 कि एग्जामों में पास होगे, वहा क्या डज्ञक्टर बनेगे ओर कया पै ालिस्ट बनेगे ओरक्या एम0 ऐी0 एस0 बनेगे। यदि वहसिी रोग के स्पै ालिस्ट बन गए तो वे लोगों की जिन्दगी से खेलेगे। इसतरह से डाक्ट इलाज करतेवक्त घटिया तरीाक इस्तेमाल करेगे। मेरा सरकार से यही निवेदन है कि सरकार ऐसे टैस्टों को तरफ अव य ध्यान दे। मेरा सरकार से यह भ कहना कि अब मार्च का महीना चल रहा है। मैट्रिक के एग्जामों के बारे में तो तो कहना है ही कुछ नही, कम से कम टैन प्लस टू के एग्जाम तो ठीक ढंग से करवाए जाए ताकि अच्दे बच्चे मैडीकल कालेज, इंजीनियर कालेज और बी0 एस0 सीज0 की क्लासों में जा सके। जो बच्चे इनटैलीजैट हैं, उनको आगे जाने का रास्ता बताएं यदि ऐसे ही टैस ओते रह तो जे अच्छे बच्चे है, वह रह जाएंगे और जो निक्कमें बच्चे है, उनका कालोजों में दाखिला मिल जाएगा। यदि उनको कोई अपर्चुनिटी नही मिलेगी तो उनका दिमाग ठीक ढग से काम नही करेगा। उनका दिमाग उप्रवाद की तरफ जाएगा।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हो तेा हाउस का समय 2.00 बजे तक ऐक्सटैड रि दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी हाउस का टाईम 2.00बजे तक ऐक्सटैड कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः बैठक का समय 2.00 बजे तक बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

डा0 बृज मोहन गुप्ताः जो अच्छे बच्चे हाते है, उनको उसी हिसाब से काम न मिलने के कारण उनका दिमाग दूसरी तरफ चला जाता है ओर निकम्मे बच्चों केा जगह मिल जाती है क्या निकम्मे बच्चे उस काम को करसकेगे, नही कर सकते और इसी कारण सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान के अन्दर इनएफि िएंसी आई हैं यह बात मुझे बड़े दुःख के साथ कहनी पड़ी है।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, समय बहुत कम है, फिरआप कहेगे कि मैने अपनी कांस्टीच्यूएंसी की बात कहनी है। यह बात तो बहुत हो चुकी, अब आप अपनी कांस्टीच्यूएंसी के बारे में जो कुछ कहना है, वह कहें।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साहब, यह बात तो मैने इसलिए कही क्योंकि अब मार्च के महीने मे ंएग्जाम होनेवाले है ओर अप्रैल, मई के महीने में प्री–मैडीकल के टैस्ट होने वाले है।

अध्यक्ष महोदय, अब मै आपने चुनाव क्षेत्र की बात करना चाहता हूं। यह हरियाणा सरकार भाहर ओर देहात के साथ भेदभाव की नीति बरत रही है। हामरे नगर में पीने के पानी की काफी कमी है। इसी तरह से ड्रैनेज औरसीवर की भी भाहर की समस्या बनी हुई हैं आज तक सरकार नेवहां पर सरकारी तौर कोई ग्रान्ट वहो की म्यूनिसिपल कमेटी को नही दी। हमारी म्यूनिसिपल कमेटी सबसे पुरानी हैं हमारा भाहर एक बहुत बड़ा इंडस्ट्रियल टाउन है इसी वजह से वहां पर दूसरों डिस्ट्रिक्स की बजाए सबसे ज्यादा सेल्ज टैक्स और इन्कम टैक्स सरकार को मिलता है लेकिन इसक बावजूद भी हमारी सरकार जगाधरी भाहर की तरफ कोई ध्यान नही दि रही है ं ाायदइसलिए ध्यान दहीदे रही है क्यों वहां से बी0 जे0 पी0 का एम0 एल0 ए0 हैं मै सरकार को बतना चाहूंगा कि अगर वहां से बी जी पी का एम एल एक है तो दूसरे लोगं भी तोवहां पररह रहे है। यह नही होना चाहिए कि किसी कांस्टीच्यूंसी में तो 2 करोड़ रूपए खर्च कर दिए जाए ओर किसी में एक पैसा भी खर्च न किया जाए। यह भेदभाव सरकार को नही करना चाहिएं मेरी सराकारसे प्रार्थना है क जगाधरी म्यूनिसिपल कमेटी की एक स्कीम 2 साल पहले तैयार की गई थी ओरउस स्कीम को सैनेटरी बोर्ड ने भी पास किया था। वह स्कीम

इसलिए सैक ान की गई थी कि इससे भाहर की गन्दगी साफ होगी और सीवरेज का काम ठीक होगा लकिन मेरे बार बारे कहने के बावजूद भी इस तरह कोई ध्यान नही दिया गया हैं यमुना नगर के जिला बनने केबादभी इस तरफ कोई ध्यान नही दिया गया हालांकि मेरे हल्के जगाधरी में डिस्ट्रिक्ट लैवल के ओर तहसील लैवल के कई आफिसज हैं इसलिए मेरी सरकारसे प्रार्थना है कि वहां परम्यूनिसिपल कमेटी को ग्रान्ट अव य मिलनी चाहिए ताकि उस ग्रान्ट से वहां की सड़के ठीक की जास सके ओर सीवरेज की जो खराब हालत है। उसके ठीक किया जा सके। कल मैने एक क्वै चन किया था कि यमुनानगर जिले में कितने स्कूल अपग्रेड कियागया हैं अब इस अभिभाशण में बताया गया कि अगले साल 10 जमा 2 के 60 स्कूल अपग्रेड करने की योजना है। मै पूछना चाहता हूं कि जब हरोहत कऔर सोनीपत जिले के 13 और 7 स्कूल अपग्रेड होसकते हैं तो यमुना नगर जिले में इतने स्कूल अपग्रेड क्यो नही होसकते? इसलिए मेरी प्रार्थना है कि अगले साल जो स्कूल अपग्रेड किए जाए, उनमं ज्यादा से ज्यादा यमुनानगर जिले में किए जाए। धन्यवाद

डा0 रघुवीर सिंह (बैरी): स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस पर जो चर्चा चल रही है उसमे ंहिस्सा लेने के लिए आपने मुझे टाईम दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय,सबसे पहले तो मै उस समय का जिकर करूंगा, जब न्याया युद्ध चल रहा था और हरियाणा के हको के लिए लड़ाई लड़ी जा

रही थी। हरियाणा के लोगों ने अपने हल्कों के लिए 90 में से 85 सीटे लेकर हरियाणा में गैर कांग्रेस सरकार बनाई थी ओर यहां के डेढ करोड लोगों ने हमससे यह उम्मीद की थी कि जो कुछ वायदे देकर हम लोगअ आए थे, उनको पूरा करेगे। एक वायदा तो कर्जा माफी का था दूसरा वायदा बूढ़ों को पैन् ान देने का था ओर एक वादा किसानों को बिजली देने का था। सरकार ने कुछ साहसिक कदम उठाए है। जो बाते हुई हैं ओरजो अच्दो काम हुए है, उनका जिक्र भी करना चाहिएं बूढों को पैं ान दी गई है। जितने कर्जे माफ हो सकते थे, वे भी किए गए। किसानों को जो भाव फसलों के दिए जाने चाहिए थे वह भी दिए गए। (विध्न) स्पीकर साहब, सरकारसमूथली चल रही थी लेकिन लोगों की होप्स और ऐक्सपैक्टे ान्ज को चलते–चलते अचानक ब्रेक लग गया। ब्रेक उस समय लगा जब हरियाणा प्रदे ज्ञ में पिछली फरवरी में दो बाई इलैक्ान्ज होने थे और जब कुरूक्षेत्र में वर्करों की एक मीटिग में उस समय के मुख्य मंत्री ने यह कहा कि हार को जीत में मै अच्छी तरह से बदलना जानता हूं। उसका खामियाजा हमें भुगताना पड़ा। हमारे रोहतक जिले की धरती पर 27 तारीख को मतदान के दौरान बूथ कैपचरिग ओर रिगिग हुई। (विध्न एवं भाोर)

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः आप का प्वायंट आफ औफ आर्डर क्या है?

श्री आत्मा राम गोदाराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि डा0 साहब अभी कह रहे थे हरियाणा सरकार का काम बहुत अच्छी तरह से चल रह साथ। हरियाणा सरकार की इन्होन बडी सराहना की लकिन साथ ही कहा कि चलते चलते ब्रेक लगे?

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही, आप बैठिए।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, मेहम मे ंप्रैस पर हमला किया गया पत्रकारों के कैमरे तोड़े गए, प्रैस वालो को पीटा गया। जब 28 फरवरी के दिन हमारे नौजवान अपने लोकतन्त्र के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए वोट डाल रहे थे, उसवोट के अधिाकर का इस्तेमाल करते हुए लोगों को गोलियां से छलनी कर दिया गया। (विध्न एवं भाोर)

श्री वीरेन्द्रसिहः स्पीकर सर, अगर बीच बीच टोकने की इजाजत इन लोगों का है तो यह इजाजत हमें भी मिलनी चाहिए। अभी मुख्य मंत्री जी ने भी बोलना है। हम फिर उसपे रिक्वैस्ट कर हरे है कि आप बीच में टोका–टोकी नही होनी चाहिए।

श्री रतन लाल कटारियाः अध्यक्ष जी, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है?

श्री अध्यक्षः आप का प्यायंट ऑफ आर्डर क्या है?

श्री रतन लाल कटारियाः मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि सभी मन्त्रिगण कान्सपिरेसी करके आते हैं कि विपक्ष के किसी सदस्य को बोलने नही देना है।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वयां ऑफ आर्डर नही है, आप बैठे।

श्री हुकम सिंहः आनरेबल मैम्बर्ज जो साथी बोल रहे है, उनके बोलने दीजिए।

डा0 रघुवीर सिंहः स्पीकर सर, रोहतक जिले की धरती खून से लाल हुई। जिस कदर रोहतक जिले के लोगों ने न्याया युद्ध में बढ़–चढ़ कर भाग लिया औरइस न्याया युद्ध को बुलन्दिया पर पहुंचाया उसके बदले में उनहें यह सरकार मिली जिसने ताना ाही ढंग से लोकतन्त्र की आवाज बन्द करने की कोि ा ा की। मै इस माहन सदन की जानकारी के लिए कहना चाहता हूं कि इस सरकार के आने के बाद कितने ही काण्ड हुए, चाहे वह रिवाडत्री गोली काण्ड हो, चाहे दादरी क काण्ड हो, चाहे कोसली का काण्ड को, उसने आज हमारे सामने ही नही दे ा की 85 करोड जनता के सामने भी एक सवाल खड़ा कर दिया है। आज दे ा की जनता के सामने हर सांसद के सामने, हर विधायक के सामने सवाल यह पैदा हो गया है कि इस दे ाको लुटेरों और हत्यारों से कैसे बचाया जाए? स्पीकर साहब, इस दे ा की आजादी के लिए हजारो ंनौजवानों ने फासी के फंदे को चूमा था।

हमारे फोर फादर्ज इस दे ा की आजादी के लिए हंसते हंसत फांसी पर लटक गये। हजारों माताओं ने गोदे खाली हुई और हजारों बहनो के सुहाग लुट गए। उनकी यह आरजू थी, उनकी यह तमन्ना थी कि यह देश ओर प्रदे ज्ञ सुख समृद्धि और भाान्ति से रहे। यहां पर आने वाले नयी पीढ़ी आजादी के माहौल मे तरक्की कर सके लेकिन 42 साल के बाद भी आज तक इस बारे में इतने डिटीरीओर ान आयी है कि डैमोक्रेसी की आवाज बन्द करक दी गयी हैं गवर्नमैंट आफ दी पीपल, गवर्नमैंट वाई दी पीपल और गवर्नमैंट फार दी पीपल का जो कान्सैप्ट था, उसके परसू नही किया गया। यह इन्टीलीजै ायी के साने एक बड़ा अहम मुद्दा आ गया है डेमोक्रेसी के इंस्टीच्यू ान को बचाने के लिए, उनका गलत इस्तेमाल किया गया है। जिस तरीके से प्रैस के ऊपर अटैक हुए है ओर जिस तरीके से उन पर भी मुकद्दमें बनाये जा रहे है, यह देखने वाली बात है। (व्यवधान व भाोर) आप लोगा अपनी लिए तो बडत्रे बड़े महल बनानते जा रहे हो लेकिन आज लोगों उन लोगों के लिए भी कुछ सोचो जो झोपड़ी में रहते है। मैआपके माध्यम से यह कहना चहता हूं कि कांस्टीच्यू ान के हिसाब से तो इक्वालिटी ओर फ्रैटनिटी के मामले में गवर्नमैंअ को कस्टोडियन होना चाहिए। (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, जैसे हो रहा है, इस तरह से टोका–टोकी करना ठीक नही है। इस तरह से कतई बोला नही जा सकता जिस तरह से यह बैठेठ रनिग कमैटरी कर

रहे है। यदि आपऐसे परमिट करेगते तो सदन के नेता के बोलने के लिए हम भी दिक्कते पैदा कर सकते है। सदन के नेता ने कह लिया। उनकी बात भी ये नही मानते। इसके अलावा, इन बातों का जवाब तो मुख्य मंत्री देगे। किसी आदमी के बोलने का अपना अन्दाज होता है। उनको उसकी कदर करनी चाहिए। इस तरह से मजाक करने की कोई बात नही है। जिस तरह से यह कर रहे है। (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अगर चौधरी हुकम सिंह के कहने के बाद भी यह हालत है तेा आप बताये कि हम इन्हे कैसे रोकेगे?..... .....(व्यवधान एवं भाोर)

डा0 हरनाल सिहः स्पीकरसाहब, यह तो अपने नेता की बात भी मानने के लिए तैयार नही है। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः कृपया उन्हें बोलने दे। इस तरह से भाोर करना ठीक बात नही है।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकरसाहब, मै अर्ज करनाचाहता हूं कि जब मैने पै ान की बात की तो यहं पर मेरे माननीय साथियों ने डैस्क थपथपाये। भाूगर केन के भाव की जब मैने बता की तब यह खु ा हुए लकिन अब जिस ढंग से बीच से टोका–टाका कर रहे है, उसे इन्होने खोखलेपन का ओर मैटल होने का सबूत दिया है। स्पीकर साहब, मैआपकी सेवा में यह अर्ज करना चाहतां कि 28 तारीख को जिस ढंग से निर्दोश लोगों को वोट डालते हुए हत्या

कर दी गयी, वह काबिले गौर बात है। उसके बाद मेहम के अन्दर दूसरा उप चुनाव हुआ। वहां पर एक निर्दलीय उम्मीदवार की हत्या हुई। जिसढंग से हउसकी हत्या हुई और जिस ढंगसे यह लोग उससे बचने की कोि ा ा कर रहे है, यह सब को पता है। उसी दिन जिसवक्त अमीर सिह की चिता जल रही थी, एक दूसरे उम्मीदवार श्री आनन्द सिंह डांगी के घर पर एक डी0 एस0 पी0 के सब इस्पैक्टर और 40–45 पुलिस वालों द्वारा उस निर्दोश आदमी के घर पर अटैक किया गया। यह देखने वाली बातह ै किस तरह से अलैज्ड कातिल को पकड़ने के लिए पुलिस के लोगों ने तीन चार निर्दोश लोगों की हत्या कर दी। यह भार्मनाक बात है ओर डैमोक्रेसी के लिए बड़ी खतरनाक बात है। हयह हमारे लिए एक चेतावनी है। स्पीकर साहब, जिस ढंग से यह सारी बातें चल रही है, वे ठीक नही है। जब दे ा के रक्षक हीभक्षक बन ाजएंगो, खुद ही उन लोगों की जान लेने लग जाएंगे, जिनकी रक्षा का भार उन पर है, तेा आज अन्दाजा लगा सकते है। क क्या हालत होगी। खुद ही लूट खसूअ करने लग जाएं तो हालत और भी खराब हो जाएगी। स्पीकर साहब 1987 में जनता ने जो आ ाा ओर भरोसा दिया था, वह टूटता जा रहा है राजनैतिक लोगों पर से जनता का वि वास उठता जा रहा है।

चौ0 सतबीर सिंह कादियानः आन ए प्वायंटआफ आर्डर। स्पीकर साहब, ये हमारे साथी विधायक भारत भ्रमण पर गए थै औरआज आद र्ा की बात कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, जब हम भारत द र्शन पर गए थे उस वक्त हम पार्टी मे ंनही थे। हमे पार्टी से निकाल दिया गया था। हम डेमोक्रेसी की रक्षा के लिए गए। स्पीकर साहब, उस समय हरियाणा की पगड़ी का सवाल था। हमारे मान ओर सम्मान का सवाल था। इस भ्रश्ट सरकार को गिराने के लिए गए थे। स्पीकरसाहब, उनमें से हामरे एम माननीय साथी को तो डिप्टी स्पीकर पद पर विराजमा कर दिया गया। (ाोर एवं व्यवधान)

स्पीकर साहब, अब मै अपने जिले से सम्बन्धित समस्यओं के बारे में कुछ कहना चाहता हूं जिस जिले ने न्याया युद्ध की लडाई लड़ी थी, वह जिला आज तक इग्नोर होता रहा हैं पिछले बयालीन साल से उस रोहतक जिले के साथ सौतेला व्यवहार होता रहा हैं चाह डिवैलपमैंट की बात हो चाहे कोई और बात हो, सभी क्षेत्रों में रेाहतक केसाथ सौतेल व्यहावहार होता रहाह। स्पीकर साहब, रोहतक को स्टडी सैन्टर माना जाताहै। वहां पर इंजीनियरिग काालिज की काफी दिनों से डिमाण्ड होती रही हैं इलिए स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से यह डिमाण्ड करता हूं कि वहां पर एक इंजीनियरिंग कालिज खोला जाए ओरवहां का जो मैडीकल कालिज है, उसको पी0 जी0 आई0 के स्टैण्डर्ड का बनाया जाए। वहां परएक इंडिपैन्डैंट सैक्रिटेरिएट बनाया जाए जिससे कि लोगों को सुविधाहेा सके। मीनि सैक्रिटेरिएट बनने से लोगों को इधर उधर नही भागना पड़ेगा। अब लोगो ंको एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भागना पड़ता है। अगर वहां पर मिनि सैक्रेटेरिएट होगा तो

लोगों को स्कूटर और रिक ाा मे ंपैसा खर्च नही करना पड़ेगा। स्पीकर साहब, रोहतक जिले की सड़के बहुत खराब है। इज्जर से हमारी मंत्री महोदया है, वे यहो पर नही बैठी है। स्पीकर साहब, वहां के लोगो ंके साथ बड़ी भारी ज्यादती हुई है। वहां के लोग अपनी मंत्री महोदया के द र्ान तक क लिए तरसते है। इनकी झलक उन लोगों को देखने तक के लिए मिलती। रोडज के मामले में रोहतक के साथ बहुत अध्कि डिस्क्रीमिने ान हो रहा है जोकि नही होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अब आप वाइंड अप करिए।

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर साहब, मेरी सबमी ान है कि मुझे कुछ समय और दे दिया जाए। यह मेरी हम्बल सबमी ान है। मैअभी थोड़ी देर मेंवाइड अप कर रहा हूं।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिए। I am Sorry, I cannot give you more time now.

डा0 रघबीर सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक रोहतक मे ंला एण्ड आर्डरका सवाल है वहां की हालत यह है कि कांस्टेबल का स्टेनगन एक आदमी छीनकर भाग गया। लेकिन आज तक न तो उस सिपाही का पता लगा, नही स्टेनगन कापता लगा अहौर न ही छोनने वाले का पता लगा। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Nothing si to be recorded now.

डा0 रघबीर सिंहः * * * * * *

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे माननीय साथी की आत्मा कराह रही थी। वैसे तो मेरा मन बोलने का नही कर रहा था, केवल सुनने का ही कर रहा था। भाई वीरेन्द्र सिंह जी अच्छी तरह से जानते है कि हमारी आत्मा तो चार सालों से हताहत हुई पड़ी है, इसको सारा हाउस जानता है। अध्यक्ष महोदय, राजयपाल महोदय ने इस महान सदन में 27 तारीख को अभिभाशण के रूप मे ंएक दस्तावेज पे ा किया है ओर उस के ऊपर कल से बहस चल रही है ंराज्यपाल का अभिभाशण सरकार की पिछली कारगुजारियेां की झलक ओर भावी नीतियों का परिलक्षित करताहै ओर सही मायनों मे ंसरकार का इसे दर्पण कहा जाए तो यह गल्त नही होगा।

अध्यक्ष महोदय, माननीय गुप्ता जी ने भी बोलते हुए उस दिन राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो भाोर भाराबा हुआ, वाक आउट हुए, उस पभी काफी रो ज्ञनी डाली हैं मेरे इनसाथियों ने तो इस सरकार केाथ तीन साल का समय बिताया है ओर उस तनी साल कासमय बिताने के बाद सरकार को नीचे से ऊपर तक नंगा और ढका हुआ हर तरह से देखा है ंहम जब पिछले तीन चार सालों मे ंसरकार के खिलाफ उनके गलत ओर काले कारनामों को इस हाउस में उजागर करते थे तो गुप्ता जी व उनके साथी हमारा मजाक उड़ाया करते थे ओर चारों तरफ जो टोका–टाकी आज नजर आ रही है, ऐसी ही टोका–टाकी उस समय होती थी। इससे ज्यादा ही होती थी और आप भी स्पीकर

साहब, इसके गवाह है। आप भी कई बार न चाहते हुए भी मजबूर हो जाया करते थें। (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अब की बात मो मोर साथियों ने जो आखिरी कसर थी, जिसके लिए प्रजातन्त्र का चुनाव होता है, वह भी पूरी कर दी। प्रजातन्त्र में जन–प्रतिनिधियों को चुनाव समाज ओर व्यक्ति के विकास के लिए होत है ओर समजा प्रदे ा के गौरव, मान तथा सम्मान के लिएहोता हैं लेकन इस मामले में भी हमारे साथियों ने जिनकी अन्तरात्मा का करन्दन स्वर अभी सुनायी दे रहा था, कोई आखिरी कसर बाकी नही रखी थी इन सारी बातों को दखेाने ओर सुननेके बाद कोई गुंजाइ ा ही नही रहा जाती कि प्रदे ा के अन्दर सरकार नाम की कोई चीज है। अध्यक्ष महोदय, जिस समय राजयपाल महोदय अभिभाशण पढ़ रहे थे तो उस समय विपक्ष की तरफ से भाोर भाराबा भुरू हो गया। उस समय अभिभाशण ठीक नही लग रहा था मैने भी इस अभिभाशण को अच्छी तरह से पढ़ने की कोि ा ा की है। लेकिन पूरा तो भाायद मै नही पढ़ पाया। इसको पढ़ने से अन्दाजा होता है कि ऐसा दस्तावेज मैने पिछले चार साला तो क्या 9 सालों से नही देखा। हमने तीन चार साल सरकार की नीतियों की ओलचान की है लकिन इसमे ंतो कुछ नजर ही नही आता। जिस सयम वे बोल रहे थे दस्तावेज नही चाह रहा था कि मुण्े यहां पर पढ़ा जाए। वह कराह कर रकह रहा था कि साथियों मै आपकी तरफ मजबूर हूं मै भी आना नही चाहता था क्योंकि मै भी अगर आइने में भाक्ल देखूं तो वह अच्छी नही लगेगी। अच्छा होता अगर आप लोग इस आवाज को पहले

बुलन्द करते। करते। यह अभिभाशण कह रहा था कि मै भी उसी तरह जबरदस्त व्यकितयों के हाथों मे फंसा हुआ हूं जैसे तीन साला पहले आप भी फसे हुए ि। वह कर रहाथा कि साथियों अगर आपने तीन साल पहले यह जिममेदारी पहचान ली होती तो अच्छा होता। अपने बहुत समय गंवाया है ंअगर न गंवाया होता तो भाायद इस सरकार की नीतियों से और कारगुजारियों से इस अभिभाशण की यह हालत नह होती जो आज हा ेरही है। अध्यक्ष महोदय, जैसे मैन कहा कि सरकार के दो ही मकसद होते है। एक तो व्यक्तिगत ओर सामाजिक उत्थान तथा न्याया और दूसरा समजा हो, प्रदे ा या दे ा हो, उसके सम्मान और सरुख का कर्तव्य कोई बुद्धि जीवी अगर इस दस्तावेज की बिनाह पर इन बातो ंपर गहराई से विचार करेगा तो वह इस नीतजे पर पहुंचेगा कि ऐसा युग हरियाणा के प्रजातन्त्र के इतिहास में भाायद कभी नही आया होगा। इस लिहाज से इस दस्तावेज को नौन प्रोग्रेसिव कहा जाए या गल्त नीतिया का दस्तावेज कहा जाए, यह देाना है। अगर मै झूठ भाब्द का प्रयोग करूंगा तो कह दिया जाएगा कि वह अनपालियामैंटरी भाब्द है। इसलिए अगर इसको असत्य पर आधारित दस्तावेज कहा जाए, तो गल्त नही होगा। अध्यक्षमहोदय, विकास का जहा तक ताल्लुक है, मै मोटी बातों पर आता हूं विकास के संबंध में इसप्रदे ा में किसी से छिपी हुई बात नहीहै कि कितना हुआ है। मेरे साथी उदय भान कह रहे थे कि कांग्रेस भाासन ने प्रदे ा को पीछे किया। ये साथी आज सत्ता में होते हुए भी उस पुराने समय को बात दोहराते है। मै इनको बताना

चाहता हू कि जब हरियाणा प्रदे ा बना था तो वहा 10 वे –11वे नम्बर का प्रदे ा था। जब कांग्रेस से भाासन छीना गयाया जनता को गुमराह करके भाासन बदला गया तो उस समय यह प्रदे ा दूसरे नम्बर पर था। आज यह प्रदे ा कहां पर है, मै समझता हूं क आज यह प्रदे ा भाायद चौथे या पांचावे नम्नबर पर पहुंच गया हैं ऐसा कर कर मै कोई गलती नही कर रहा हूं।

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की सहमति हा तो बैठक कासमय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी

श्री अध्यक्षः बैठक का समय आधे के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, वर्श 1991–92 के लिए बजट में 765 करोड रूप्ए का प्रावधान परिलखित किया गया है और यह खूबी के सथ किया है। अध्यक्षहोदय, अगर 1987–88 यानी आज से तीनसाल पहले के बजट के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो उस सयम 586 करोड रूपए का प्रावधान तो 1987–88 के बजट में था। फिर दो साल बाद वर्श 1990–91 में 700 करोड़ रूपए का प्रावधन किया गया जिसको बाद में घटाकर 653 करोड़ रूपए कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, भाायद मै गलत नही हूं मेरेरर पास जो रिकार्ड उसके अनुसार लगभग 100 करोड

रूपए का सहायता केन्द्रीय सरकारकी भी इसमें भाामिल है। इससे आप अन्दाजा लगा सकते है कि तनी साल पहले के बजट में जो 586 करोड यप्ए का प्रावधान था वह भी इस वजह से था क्योंकि जब चौधरी बंसी लाल जी हरयिाणाा प्रदे ा के दोबारा चीफ मिनिस्टर बन कर आए तो उन्होनें उस समय के बजट में जो प्रावधान रखा था उससे 50 या 60 करोड़ रूपए फालतू इससरकार ने प्रावधान किया था। अध्यक्ष महोदय,आप खुद इस बात का अदांजा लगा सकते है कि उस बजट को प्रगति ील बजट नही कहा जा सकता। वर्श 1991–92 में 765 करोड रूपए का प्रावधान किया गया, इसको कितना घटाएऐगे,यदि इस सरकारकी बजट का घटने की गति को देखा जाए तो यह बजट तो 1987–88 के बजट का भी मुकाबला नही करसकेगा। जैसा मुण्े पता है। इसमें 200 करोड़ रूपए के लगभग केन्द्रीय सरकार की सहायता भी भाामिल है, तो बाकी 586 करोड रूपए ही रह गया। अगर चारसाल परुान बजट का हिसाब लगाया जाए तो आमदनी कके हिसाबा से स्वाभाविक तौर इस परसाल का बजट 20 परसैन्ट बढ़ जाना चाहिए, इसका मतलब यह हुआ कि 20 परसैन्ट के हिसार से इस साल का बजट 100 करोड यपए पहुंच जाना चाहिए। यह सरकार की गलत नीतियों का ही फल है हरियाणा प्रदे ज्ञ मे ंविकास नाम की कोई चीज नही है। विकास के नम पर एक प्र न चिह्न लग गया है। सड़कों के बार मे ंयहां पर जिकर आया और यह जिकर पिछले साल भी आया था। उस सयम इस सरकार की ओरर से यहही कहा गया था कि यह सरकार 220 किलोमीटर लम्बी सड़के

बनाएगी। इस सरकार ने 3–4 साल पहले यह कहा था कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर 98 परसैन्ट सड़के बन चुकी है ओर केवल दो परसैन्टबाकी रहती हैं यानी हरियाणा प्रदे ज्ञ के 6745 गावों में से 6615 गांवों को सड़कों से जोड़ा जा चुकाहैं केवल उस समय 130 गांव बाकी रहते है। लेकिन इस अभिभाशण मे बताया गया है कि 70 गार तो आज चारसाल के बादभी बाकी है। जिनको सड़कों से नही जोड़ा गया है। इस सरकार की अपने राज्य में सड़के बनाने की क्या रफ्तार रही, यह स्पश्ट है। यह सरकार कहती है कि जो दो परसैन्ट सड़के बननी बाकी है वे भी उन छोटी छोटी ढाणियों में है जो 63 के लगभग है। बाकी सभी सड़के कम्पलीट है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की किस बात पर यकीन किया जाए। अब मै एक बात बेरोजगारी के बारे में कहना चाहूंगा। इस अभिभाशण में महा गया है कि एक परिवार एक नौकरी यानी हरियाणा प्रदे ा के हर परविार के एक बेरोजगार को रोजगार दिया जाएगा। पता नही हये इतने लोगों को कहा से रोजगार देगे। न इनके पास कोई स्कीम है ओर न ही इसके लिए इनके पास कोई पैसा है। अध्यक्ष महोदय, यह लोगा बार–बार न्याय युद्ध की बात करते है। आज हरियाणा प्रदे ा की जनता को तक भ्रम मे रखेगे। आपका युद्ध तो कांग्रेस पार्टी के था।आप लोगो ंने हरियाणा की जनता को गुमराह करने की कोि ा ा की कि हम आपको पै ान देगे, आपके काम के अधिकार को मौलिक अधिकार मे ं ाामिल कर देगे ओर आपके कर्जे माफ कर देगे। आपकी इस तरह की बातों ने हरियाणा प्रदे ा का बच्चा बचा

जानता है। कि इस सरकार ने कितने व्यक्तियों के कर्जे माफ किए है। जब दो साल पहले कर्जा माफी के बारे में सवाल उठाया गया तो यहां हाउस में एक लिस्ट पे ा की गई थी। उस लिस्ट के मुताबिक टोटल 32 करोड रूप्य के कर्जे माफी की बात आई थी। कहा तो 500 करोड रूप्ए के कर्जे माफ करने की बात थी ओर कहा केवल 32 करोड रूप्ए के कर्जे माफ हुए है। (विध्न) यह जो नैकरिया देने की बात की है,यह भी एक खाली तीर के समान है। यह कैसे संभव हो सकताहै कि 30–35 लाख परिवारेां के एक एक आदमी को नौकररी दे ापएंगे। जब से हरियाणा बना है। तब से लेकर आज तक कलास–1 के लेकर क्लास–4 तक सिर्फ 2.75 लाख लोगों को ही नौकरी दे पाए है। अब यह कैसे संभव हो सकताहै कि हम आगे 30–35 लाख लोगों को नौकरी दे पाएंगे। इस अभिभाशण में गुरनाम सिंह आयोग ओर कमण्डल की राजनीति को झूठ भाब्द के साथ जोड़ दिया जाऐ तो ज्यादा उचित होगा। अध्यक्ष महोदय, दे ा की जनता ने सोचा कि जो वायदे करके यह सरकार केन्द्र में आई है, जनता की समस्यओां का सुलझाने का प्रयास करेगी। हमारे हरियाणा की जनता ने भी बड़ी उमीद जताई थी कि अब हमारीसमस्यओं की तरफ उचित ध्यान दिया जाएगा। लेकिन आपसी रानीति की खीचतान मे ंजो हालत पैदा हुए, उसके कारण चौधरी देवी लाल को डिमिस् करना पड़ा। डिसमिसल के विरोध में देवी लाल का एक रैली करना पड़ी उस रैली को जीरों करने के लिए यह रिपोर्ट जल्दबाजी में लागू की गई। यह जो रिपोर्ट मण्डल आयोज की थी, यह आज के आंकड़ों पर र होकर

बहुत पहले के आकड़ों पर आधारित थी। उस रिपोर्ट को बहुत जल्दबाजी में लागू किया गया है। इस रिपोर्ट के जल्दबाजी मे ंलागू होने की वजह से ही हालत ज्यादा खराब हुए थे। इस कुर्सी की खीचातान में ओर मण्डल कमशीन की रिपोर्ट लागू करने से दे ा ओर प्रदे ाों में जो हालात पैदा हो गए थे, उससे हमारी सुरक्षा और अखण्डता को एक खतरा पैदा हो गया था। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद क्या हालत हुए वह किसी से छुपे हुए नही है। इसके साथ साथ में यदि कमण्डल की भी बा कर दूं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। कमण्डल में भी राजनीति ही ज्यादा रही हैं आरक्षण मुद्दे का मतलब यह है कि दोनो मुद्दों मे ंराजनीति ही ज्यादा रही। अध्यक्ष महोदय, गुरनाम सिंह आयोग ने हरियाण्धा में 26–27 प्रति ात नौकरियों बैकवर्ड को देने की बात कही ओर अपनी रिपोर्ट में कुछ नहइर्द जातिया भाामिल की तो इससे साफ लगता है कि यह केवल वोट लेने क लिए किया गया हैं मेरे कहने का मतलब यह है कि इतनी जातियों को 26 प्रति ात में खपान कहा तक स।भव होगा। यह तो खाली एक वोट स्टेट है। हमारा यह विचार है ि कइस मण्डल रिपोर्ट पर राश्ट्रीय बहस होनी चाहिए। इस बारे में मेरे कहने का मकसद यह है कि इस रिपोर्ट पर राश्ट्रीय बहस का सवाल है न कि किसी के अनुमोदन करने का।

एक आवाजः ये मण्डल कमी ान की रिपोर्ट के हक में बोल रहे है या उसके खिलाफ बोल रहे है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मण्डल कमी ान की रिपोर्ट का विरोध नही कर रहा हूं और नह ही कोई और बात क रहा हूं। मै ते सिर्फ उन कारणां का जिकर कर रहा हूं जिनके कारण इसको लागू किय गया। इस बारें में मेरे जो विचार है मै उन में बिल्कुल क्लीयर हूं।

श्री अध्यक्षः महेन्द्र प्रताप जी, आपका टाईम खत्म हो रहा है।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर कांग्रेस का बड़ा स्पश्ट स्टैड रहा है।

श्री अध्यक्षः आपका स्टेड सबने पढा है। और सब को मालूम है आप जल्दी खत्म कीजिए।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः स्पीकर साहब, मै सिर्फ थोडा सा टाईम और लूंगा। मै पर्यटक केन्द्रो ंके बारे में कुछ कहना चाहता हूं कांग्रेस सरकार के भाासन में पर्यटक केन्द्रों ने दे ा के ओर विदे ा के लोगों को बहुत सेवा की है जिसे भुलाया नही जा सकता। इस सरकार के आने के बाद पर्यटक केन्द्रों की हालत बहुत ही दयनीय हो गई है अज्ञेर इनमें कई गैर कानूनी काम होते है। मै इसमें फरीदाबाद का भी जिकर करूंगा। आज ये पर्यटक केन्द्र चकलों का रूप धारण कर रहे है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। कि इसके क्या कारण है। (विध्न) इसका राश्ट्रव्यापी विरोध हुआ है। यह भूमि दे ाभक्तों की भूमि हैं

जिन्होने सन् 1857 की कान्ति की थी। लोगो ंकी भावनाए इनसे जुडी हे। उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नही किया जाना चाहिए। सरकार ने इन स्थलों को मनोरंजन केन्द्र नाम दिया हैं यह सरकार के लिए तो मनोरंजन केन्द्र हो सकते हैं लेकिन आम लोग इकस विरोध करते है। (विध्न)

Mr. Speaker: Mr. Mahender Partab Singh ji, Your time iv over अब मुख्य मंत्री जी बोलेगे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः अच्छा जी, धन्यवाद।

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): स्पीकर सर, गवर्नर ऐड्रैस पर भाशण करत हुए कुछ साथियों ने एक दूसरे पर इल्जाम लगाए अै ओर व्यक्तिगत इल्जाम लगाए है। स्पीकर सर, यह बड़े अफसोस की बात है। राजनीति मे ंन तो कोई किसी का दु मन होता है ओर न ही दोस्त, यह तो सिर्फ विचारों की लडाई होती है। एक ऐसी प्रथा सारा दिन सुनने मे ंआई जो बहुत ही गलत परम्परा हैं राजनीति मे ंकौन कब किससे जा मिल, कुछ नही कहा जा सकता। गुप्ता जी मुझे सिद्धांत का पाठ पढ़ा रहे थे चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह जी भ बड़े सिद्धातों की बात करहे है। (विध्न)

श्री वीरेन्द्र सिहः चौधरी महेन्द्र प्रताप जी तो केन्द्र के आपके ही साथी हैं वे हमारेसाथी नही हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हुकम सिंहः श्री बी0 डी0 गुपता हमारी रिसायत के रहने वाले है। किसी जमाने में जींद की रियासत हुआ करती थी।

और हम उनकी जय बोलाक रते थे। उसवक्त ये हमें नही जातने थे ओर कांग्रेस पार्टी में हुआ करते थे। इन्होने लड़ाइयां लड़ी इसमे कोई भाक नही। फिर भी इनकी जय हबोली। हमै तो ये कहते है कि दल बदुओं की सरकार है लैकिन खुद को नही देखते है मै बताना तो नही चाहता कि इन्होने क्या किया ओर कितनी बार आस्था बदली। यह तो ठीक है कि झण्डे तो हमने भी बदले है लेकिन आस्था नही बदली। जो बात स्पश्ट है, उसे कहने मे ंकोई हिचक नही होनी चाहिएं गुपत जी फिर कांग्रेस में चले गए इनके गांव का और हमारे गांव का फज्ञसला करीब 6 कोस का है। स्पीकर सर, वे कांग्रेस में जा कर चीफ मिनिस्टर बने ओर चीफ मिनिस्ट बनते ही हमें अन्दर ठोका, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को ठोका। मेरे ख्याल से श्री हीरा नन्द आर्य को अभी भी अम्बाला के मच्छर याद होगे। फिर ये लोक दल में आ गये। हम तो हमे ाा सिद्धांतों मे रहे है लेकिन वह ज्यादा सिद्धांन्तवादी हैं हम तो उनका मुकाबला कर ही नही सकते । इसमें कोई भाक नही है। हमें जेल के वह दिन याद है जब हमने 19 महीन कश्ट उठाये थे (विध्न) गुप्ता जी की हमने खूब जेले देख रखी हैं ये कहते है कि हम दल बदलूओं की सरकार है ओर सिद्धांत यह हैं कि इसे इस्तीफ दे देना चाहिए। यह ठीक हैं कि हमने अलग पार्टी बना ली, इसमें कोई भाक नही हैं लेकिन हमारी आपस मे ंएक दसरे कसे कोई दु मनी नही है। कुछ दिन के बार चुनाव आने वाले है। पता नकिसको जनता यहां पर चुनकर भेजेगी और किसको नही भेजेगी। यहां पर व्यक्तिगत लांछन लगाना कोई अच्छी बात

नही है। मेरा निवेदन यह है कि ऐसा को मनही होना चाहिऐ। ठीक नही चल सकता ओर जा कोई भी सही आलोचना न हो तो प्रजातन्त्र ठीक नही चल सकता ओर जो कोई भी सही आलोचना करेगा, मै वि वास दिलात ाहूं कि हरेक की ऐसी आलोचना का स्वागत करूंगा बे ाक आप मेरी भ आलोचना करे। यहां पर अपनी ओर अपने हल्के की बात कहते हुए कुछ लोगों कहते हुए कुछ लागों ने सुझाव दिए है। कुछ गल्त किस्म की बाते हुई हैं मेरी तो हाथ जोड कर सबसे यही प्रार्थना है कि अभी सै ान कई दिन तक और चलेगा इस तरह की तल्लखी नही आनीचाहिए। दो दिन हम यहां रहेगेफ मिन अपने अपने घर चले जायेग। पता नही कौन आयेगा कौन नही आयेगा। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, ऐड्रैस पर बोलते हुए कुछ साथियों ने हय कहा कि भेद भाव किया जा रहा है। डाक्टर बृज मोहन जी ने भी यह कहा कि भेदभाव किया जा रहा हे। मै सदन को यहा वि वास दिलाते है चाहे कोई किसी भी दल का विधायक हो, हम विकास के कामों में कोई भेदभाव किसी के साथ नही करेगे। जहां भी जनता की सुविधा के लिए सरकारी कार्य जरूरी होगी, उनक लिए सभी को हम धन उपलब्ध करवायेग। हम यह वि वास हाउसक को दिलाते है। आगे कुछ बातें ओर आयी हैं अपने अपने हल्के की बाते भी सदस्यों ने कही है। इसके अलावा सामूहिक बातें भी आयी है। सबसे पहले एस0 वाई0 एल0 कनैनाल का जो मेन मुद्दा है। , वह भी आया है। मेरे माननीय साथियों ने इसका जिकर किया है। इसमे ंकेई भाक नही है कि एस0 वाइ0 एल0 कैनाल हमारी जीवन रेखा से ताल्लुक

रखती है। वह पानी हरियाणा में आयेगा तो हरियाणा की प्यासी भूमि को पानी मिलेगा। मै स्पीकर साहब, हाउस का ेयह वि वास दिलाता हूं कि हम इसे बनाने की जल्दी से जल्दी कोि ा ा करेगे। कुछ मीटिग्ज प्राईम मिनिस्टर साहब से ही हैं उन्होने हमें यह वि वास दिलाया है कि इस नहर पर जल्दी से जल्दी काम भाुरू होगा। यह नहर जल्दी से जल्दी पूरी हो जायेगी। जहां तक पानी और बिजली का सम्बन्ध हैं इस बारे में कैला ा जी ने यह कहा कि महेन्द्रगढ़ मे ंपानी कम मिला है। स्पीकरसाहब, हमने पिछले साल से अधिक पानी महेन्द्रगढ़ जिले का दिया हैं अधिक बिजली दी हैं आज तक किसानो ंने वहां पर बिजली की कमी नही बताई है। डाक्टर हरनाम सिंह जी ने यह कहा था कि पिछले साल की निस्बत इस साल हमने कम बिजली दी है। मै डाक्टर साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जितनी बिजली पिछले साल जनवरी तक मिली है, उसके मुकाबले में इस साल के जनवरी महीने तक 25 करोड़ यूनिट बिजली हमने किसानों को ज्यादा दी है। कही पर बिजली की कोई कमी नही है। पता नही कहां से वे फिगर्ज ले आये है कि पिछले साल के मुकाबले बिजली कम मिली हैं मै भााहबाद हल्के में खुद भी गया झिा। वहां पर मुझ किसी किसान ने नही कहा कि हमें बिजली कम मिली हे। हम फैक्ट्रीज के लिए भी बिजली की कमी नही रहने देगे। स्पीकरसहाब, ला एंड आर्डर की बात पर ज्यादा जोर दिय गया।

श्रीमती कमला वर्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी को यह बताना चाहती हूं कि मेरे यहां यमुना नगर में इंडस्ट्रीज काम्पलैक्स में यह हालत है कि वहां पर रविवार, सोमवार ओर मंगलवार तीन दिन तक बिजली बन्द रहती है। ओर बाकी दिन बृहस्पतिवार, बुधवार और भानिवार 6 बजे से दो बजे तक बिजली मिलती हे। मेरे कहने का मतलब यह है कि बिजली की तो कमी है ही।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, यह बात सही है कि इंडस्ट्रीज पर हमन कट लगा रखा है क्योंकि अब गेहूं की फसल पकने के लिए तैयार हो रही है। अगर वहां पर पानी नही मिलेगा तो वह खरबा हो जायेगी। ला एंड आर्डर के बारे में मंडल कमी ान की रिपोर्ट को लेकर हरियाणा में कुछ ज्यादा गड़बड हुई, इसमे कोई भाक नही है। किसी विद्यार्थी को यह पता नही था कि यह मंडल कमी ान है क्या? फिर भ आत्मदाह होने लगे। यह काम दिल्ली से भुरू हुआ। हरियाणा में भी उसका असर आया। कुछ लडके ओर लड़किया ने यहां पर भी आत्मदाह किया। हमारे पास तो पुलिस फोर्स थी, वह सी0 आर0 पी0 सारी विदड्रा कर ली। दिल्ली तीन तरफ से हरियाणा से धिरा हुआ है। दिल्ली के लिए सड़क ओर रेलवे यहां से गुजरती है अध्यक्ष महोदय, रेलवे की सम्पत्ति का भी काफी नुक्सान हुआ। और असामाजिक तत्वों ने भाामिल होकर, जैसा कि बताया गया है, 42–43 करोड रूपए की सम्पत्ति का नुक्सान किया। स्पीकरसाहब, मै यह भ बताना चाहता

हू कि 40–50 करोड ाक हमारा टैक्स का भी नुक्सान हुआ लेकिन पुलिस ने बडत्रे संयम से काम लिया। लाठी और आंसू गैस का इस्तेमल ज्यादा किया। गोली चालने का काम नही किया। स्पीकर साहब, जब इतना मौब आ जए तो पुलिस के लिए बड़ा मु ाकल काम हो जाता है। कि उेस मौव को केसे कन्ट्रोल किय जाएं यह केवल हरियाणा में ही नही बलिक यू0 पी0 में हुआ, बिहार मे ंहुआ, पडौसी राज्य राजस्थान में हुआ और पड़ोसी राजय हिमाचल प्रदे ा मे भी हुआ। सभ जगह मण्डल कमि ान को लेकर यह हालत हुए। हरियाणा कुछ ज्यादा प्रभावित हुआ। डा0 सा हब ने कोसली, दादरी, गोहाना में गोली चलने की बात कही। स्पीकर साहब, बोहाना में मुलाजिमों को उसी दिन और उसी वक्त गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन वहां राजनीति घुसी हुइथी और हमारे साथी कि ान सिंह के मकान को आग लगाई गई। इनके दो मकान है दोनों मकानों मे आग लगा दी। स्पीकर साहब, अगर यह राजनीति न घुसती तो गोहाना में कल्प्रिट का मकान भी वही था लेकिन उस मकान की तरफ कोई नही गया। स्पीकर साहब, इनके बच्चों को बड़ी मु कल से छत के ऊपर से एक आदमी ने बाहर फका। इस बात से मुणे बड़ा दुख हुआ। वहां पर बड़े जलसे हुए। जब बच्चे जल रहे थे तो वहां काफी मौव था। जब लाठी चार्ज से मौब काबू मे ंनही आया तो पुलिस को गोली चालनी पडत्री। स्पीकर साहब, इनक माता पिता अस्सी साल के थे। काफी बूढे थे। इनके बच्चे एक मकान में थे ओर मात पिता दूसरे मकान में थे। स्पीकर साहब, ऐसे मामलों मे ंराजनीति का भाह देना कोई

अच्छी बात नही हे। स्पीकरसहाब, जहां तक गुपता जी हमल का सवाल है। मुझे बड़ा खेद है कि गुपता जी पर हमला हुआ। हो सकता है कल को मेरे ऊपवर भी हमला हो जाए लेकिन यह कोई अच्छी बात नही है। मि0 राठी हमारे एस0 पी0 थे। वे बड़े काबिल अफसरहैं और बड़े निश्पक्ष अफसर हैं वे हरियाणा के बहुत ही अच्छे अफसरहै। मैने उनको कहा कि आपको खुद ही इंक्वायरी करनी हैं गुप्ता जी ने कहा कि यह हमला राजनीति से प्रेरति हैं उनहोने कहा कि मै खुद इंक्चायरी करूंगा ओर उन्होने खुद इंक्वायरी करनी भाुरू की लेकिन ज बराठी साहब ब्यान लेने के लिए पहुंचे तो गुपता जी नक ब्यान देने से इन्कार कर दिया कि मै आपके ब्यान नही दूगा। अध्यक्ष महोदय, उन्होने कहा कि सी0 बी0 आई0 जां करवओं जब मैने यह कदेख ाकि गुपत जी राठी साहब को अपनी ब्यान देने के लिए तैयार नही है, जांच नही करवाएंगे तो मैन कहा कि सी0 बी0 आई से इन्कवायरी करने के लिए हरियाणा सरकार को कोइ एतराज नही हैं सी0 बी0 आई0 ही इसकी जांच करेग। सी0 बी0 आई0 ने हमससे एफ0 आई0 आर0 की नकल मागी तो हमने एफ0 आई0 आर0 की नकल उन्हें फारवर्ड कर दी। अध्यक्ष महोदय ऐसी घटनाए बड.ी खेद जनक होती है चाहे किसी के साथ भी हो। मैने इस जाचं के लिए सी0 बी0 आई0 को लिख दिया था आगे यह उसका काम था कि वह जांच कैसे करें। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चौधरी साहब, कुछ फालों अप तो करते है। थोडा सा उनको और याद दिलाया हाता तो उचित था। काईम हरियाणा के अन्दर हुआ था आपको इसकी पैरवी करनी चाहिए थी। (ाोर)

श्री हुकम सिंहः चौधरी साहब गुप्ता जी क `हिने पर हमने जांच के लिए सी0 बी0 आई0 को केस रफक्र कर दिय। उन्होने इमें एफ0 आई0 आर0 की कापी मांगी। हमने उसकी नकल उनको भेजदी। अगर कोई खुद ही जांच करवाने के लिए तैयार नह हो तो फिर हम क्या कर सकते है? गुपत जी ने कहा दिया कि मै आपसे तफती ा नही करवाऊंगा (ाोर एवं व्यवधान)

श्री किरपा राम पुनियाः अध्यक्ष महोदय, यह दुरूसत है कि गुप्ता जी के पास राठी साहब ब्यान लेने के लिए गये थे। गुप्ता जी ने राठी को कहा कि मेरे ऊपर मेरा भरोसा है कि तुम न्याया करेागे लेकिन मुझे इस बात का यकीन क्या हकि तुम इंक्वायरी करने क लिए यहा पर ही रहोगे? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हुकम सिंहः पुनिया साहब मै आपका बड़ा ही सम्मान करता हूं लेकिन मै यह बताना चाहता हूं कि राठी साहब सी0 बी0 आई0 को चिट्ठी को लिखने से पहले गुप्ता जी के पास जांच के लिए उनके ब्यान लेने के लिए गये थे। (ाोर एवं व्यवधान)

स्पीकर साहब, इसके साथ साथ में यह कहना चाहता हूं कि गवर्नर ऐड्रेस पर बालते हुए कई माननीय सदस्यों की ओर बड़े

अच्छ–अच्छे सुझाव भी आये हैं बहिन कमला वर्मा जी ने कहा कि जब तक एस0 वाई0 एल0 नहर का निर्माण नही ाकित तब तक हम भाखड़ा व्यास अपने हिस्से का ओर ज्यादा पानी ले सकते है। यह बड़ा अच्छा सुझाव हैं इसी तरह से कैला ा भार्म जी ने भीयह बात कही कि स्पीकर साहब, इसक लिए हमने 1 करोड़ 30 लाख रूप्ऐ पंजाब सरकार को दिए है। फिर इस नही को मैटीनैन्स के लिए 1.50 करोड रूप्ए दिए है। काम चल रहा है। धन के अभाव के काण हम यह काम बन्द नही होने देगे ताकि हरियाणा को पानी पूरा मिल सके। यह मै उनको वि वास दिलाता हूं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधा घण्आ और बढ़ा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः बैठक को समय आधे घण्टे के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री हुकम सिंह): अध्यक्ष महोदय, कुछेक साथियों ने यह भ कह ा कि सरकार व्यापारियों के खिलाफ है। व्यापारियों को जो भी कठिनाईयां हुइ है, उन सब का समाधन हमन किया है। जब भी उनकी ओर से कोई डेपुटे ान मिलने के

लिए सरकार के पास आया है। तो उनकी सारी बाते हमने बड़े ध्यान से सुनी है ओर जो उनकी जायज बाते थी, उनको हमने माना भी है। स्पीकर साहब, सेल्ज टैक्स की बहत सी आइटम्ज पर हमने छूट दी है। हमारे साथी बजाज बाते हमने बड़े ध्यान से सुनी है और जा अनकी आवाज बते थी,उनको हमने मान भी है। स्पीकर साहब, सेल्ज टैक्स की बहुत सी बाते थी,उनको हमने माना भी हैं स्पीकरसाहब, सेल्ज टैक्स को बहुत सी आइटम्ज पर हमने छूट दी है। हमारी साथी बजाज साहब चार पपंच दिन पहले मरेा पास आए थैं उन्होने कहा था कि हरियाणा मे ंडबल रोटी बनती है। और उस पर टैक्स है लेकिन दिल्ली में इस पर टैक्स नही है। इस वजह से डबल रोटी बनाने वाले लोगों का धंधा बन्द हो गया है। उनकी बात जायज थी, हमने उसी वक्त उनकी बात मान कर यह आदे ा दे दिया कि डबल रोटी पर टैक्स हटा दिया जाए। (थम्पिंग) इस तरह से करनाल से बजायज साहब की मांग आई कि एग्रीकल्चर इम्पलीमैंट पर हरियाणा में टैक्स लगता है। स्पीकर साहब, करनाल एक ऐसा भाहर है। जहां एग्रीकचचरलए एम्पलीमेंटस भारत में सब से ज्यादा बनते है। हमने उस इंडस्ट्री को प्रोत्साहन देने के लिए बाजाज साहब और व्यापारियों की बात मान कर उस पर से टैक्स हटा दिया। स्पीकर साहब, हमारे महेन्द्रगढ़, भिवानी हिसार और गुडगावां जिलों में चले की फसल बहुत ज्यादा हाती है। चेन पर यहां 4 प्रति ात टैक्स था दिल्ली में भाायद 1 प्रति ात है। ठस वजह से लोग ट्रकों में अपनेा चना भर कर सीधे दिल्ली ले जाते थे और हमारी मंडियों मे ंचना नही

आता था। जब व्यापारियों कने यह बात कही तो हमने फारन चने पर टैक्स 4 प्रति ात से घ्झटा कर 1 प्रति ान कर दिया। कोई साथी बताए, कोई व्यापरी लोग हमारे पास आए हो और हमने उनकी जायज बात न सुनी हो ता हम दोशी है। ऐसे ही हमने स्टील के बर्तनों पर 12 प्रति ात से 3 प्रति ात सेल्ज टैक्स किया। खेल पर भी टैक्स कम किया। जो भी व्यापारियों की समस्या थी, हमने उसकी समाधन किया। कटारियासहाब ने कहा मंडल कमि ान के नाम से हरिजनों पर जुल्म बढ़ै है। गांवों में हमारा सब के साथ एसा रि ता है चाहे वह किसी भी बिरादी का है। यह परम्परा बहुत पुरनी है और आज भी कायम है। छोटी–मोटी घटना तो हर जगह होती रहती है लेकिन हरियाणा में किसी दो समुदायों में आपस में लड़ाई नही हुई। बहिन जी ने मेवात में खूब कैसेट बजाए लेकिन मै मेवात के लोगों का आभारी हूं वि सभी भाई चारे की तरह रहे। स्पीकरसाहब, हरियाणाम ं यह पुरानी परम्परा है। यहा पर जातपात की बात नही हाती। सारे लोग आपस में भाई चारे मे ं रहते है। अगर ऐसा न होता ता यहां भी दंगे भड़ सकते थे ओर झगड़े होसकते थे।

श्री रतन लाल कटारियाः स्पीकर साहब, मेरा प्वयांट आफ आर्डर है। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस महान सदन में कहा कि मंडल कमि ान की रिपोर्ट लागू करते समय हरियाणा मे ं हरिजनों के साथ छोटी–मोटी घटनाएं हुई हैं चौधरी सूरजभन का घर जला दिया गया, क्या यह छोटी मोटी घटना है।

श्री अध्यक्षः आपको यह तो पता नही कि प्वायंट आफ आर्डर क्या होता है।

श्री हुकम सिंहः स्पीकर साहब, मेरे एक दाम माननीय साथियों ने कहा कि डीजल हरियाणा मैं ठीक भाव नह नी मिल रहा है। इसकी ब्लैक हो रही है। खास कर कामरेड हरपाल सिंह ने यह बात उठाई थी। मै बताना चाहता हूं कि हरियाणा में जितना डीजल पिछले साल आया, उतना ही डीजल इस साल मिला है। यह ठीक बात है कि पब्लिक में इस बात का हौआ खड़ा हो गया कि खाड़ी में लडाई छिड गई है। भाायद कही तेल न मिले। इस बिना पर लोगो ंने तेल का स्टाक करना भुरू कर दिया। गेहूं की बिजाई के बाद किसान ने ट्रैक्टर को कोई काम नही होता केवल उस एरिया को छोड़कर जहां पर भूगर मिले लगी हुई है, क्योंकि वहा पर किसानों को गन्ना अपने ट्रैक्टर द्वारा ही ढोना पड़ता है। मै भी किसान हूं ओर मैरे पास भी ट्रैक्टर है इसलिए मुझे इस बारे मं पूरी जानकारी है। एक जगह पर बाहनों की लाइन लगाी खड़ी थी औ मै वहां से गुजर रहा था। मैने रूक कर एक किसान से पूछा कि अब आप तेल का क्या करेगे गेहूं का तो बिजाई हो चुकी है। वह कहने लगा कि खाड़ी मे ंलडाई छिड गई हैं भाायद अब तेल न मिले। महरा कहना यह है कि जो तेल की कमी आई, वह इसलिए आई कि खाड़ी में लड़ाई भुरू होने की वजह से यह अफवाह फैलाई गई कि तेल की कमी हो जाएगी। इसी कारनण से लोगोगं ने तेल स्टोक करना भुरू कदया। वैसे हरपाल सिंज जी

हरियारणा के अन्दर तेल की कोई कमी नही है। यह ठीक है कि खाड़ी में लडाई छिड़ जाने के कारण कुछ असामाजिक तत्वो ंने तेल की थोड़ी बहुत ब्लैक–सलैक कर ली। जो अनाज क `रेट बढत्रे है वह भी अफवाह के कारण ही बढ़े है। ज्यो ही अनाज के रेब ढत्रे हमने फौरन हल जिले में रा ान का अनाज भेजा और जनवरी के महीने में 30 हजार टन अनाज भेजा था तथकि गारीब लोगों को कोई दिक्कत न हो। जिन जिन जगहों पर अनाज की कमी थी, उन सभी जगहो ंपर लोगों को रा ान का अनाज मिला हैं कुछ ब्लैक स्लैक करने की घटनाए हो सकती है लेकिन अनाज सभी जगह लोगों को किला है। (विध्न) कई जगह जिन्होने ब्लैक स्लैक की है उनको गिरफ्तार भी किया गया हैं मैने फूड एंड सप्लाइज डिपार्टमैंट के अधिकारियों का यह हिदायत दी कि वे स्वयं डिपोज पर जा कर चैकिग करें ताकि गरीाबों को रा ान का अनाज नही मिला और कही पर कमी हैं जिस जगह से जितने अनाज की मांग है, उसे मुताबिक वहां पर अनाज भेज दिया जाएगा। हमारे पास गेहूं का कोई कमी नही हैं इस समय हालत ये है कि एक महीने के बाद गेहूं की फसल कटने वाली है हमारे जितेन गोडाउन है सारे केसार अनाज से भीर पडत्रे हैं हमारे पास अनाज रखने के लिए जगह नही है। मैने एफ0 सी0 आई0 से बार बार यह अनुरोध किया है कि हमार अनाज लिफ्ट कीजिए। इसके अलावा मैने हमारे केन्द्रीय खाद्यएवं आपूर्ति मंत्री राव बीरेन्द्र सिंह जी से भी आत की है ओर उनसे मैने कहा भी है कि आप हमारा अनाज लिफ्ट करवाए। हरियणा में अनाज की कोई कमी नहीहैं

जो भी माननीय सदस्य अपने हल्के केबारे में जितने अनाज की मांग करेगा, उसी के मुताबिक वहां पर अनाज भेज दिया जाएगा। किसी भी हल्के में अनाज की कमी नही आने दी जाएगी। एक बात बिजली के बारे मे ंकही गई कि गांवों और भाहरों मे घरेलू बिजली की खपत पर चार्चिज अलग अलग है। इस बारे में मै यह बताना चाहूंगा कि गावों और भाहरों में घरेलू बिजली कीखतप पर अलग अलग चार्चिज नही हैं एक ही तरह के चार्चित है। जिस समय चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी आई0 पी0 एम0 हाते थे, उसे समय इन्होने ही रेअ बनाए थे। वही रेट इस समय है और वह रेट मिनिमम हैं इसके अलावा स्पीकर साहब, टयूबवैल्ज के लिए जो बिजली दी जाती है, उसके भी वही चार्चिज है, जो पहले थे महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने एक बात कही कि पी0 डब्लयू डी0 220 किलोमीटर सड़के बनाएगी ओर फिर यह भी कहा कि केवल 70 गावों को छोड कर बाकी सभी गांवों को सड़कों से जोड दिया गया है। (विध्न)

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि 220 किलोमीटर सड़क बनने के बाद केवल 2 प्रति ात गावं बिना सड़कों के बचेगे। हरियाणा में 6750 गांव है। पिछले 3 साल पहले इन्होने यह कहा थाकि 130 गावं सड़कों से जोडने बकाया है। आज यह कहा है कि केवल 70 गावं रहते है। मै जानना चाहता हूं कि क्या 3–4 सालों के केवल 60 गाव ही सड़कां से जुडे है। (विध्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्षम महोदय, मेरे पास 01.12. 91 का एच0 एस0 ई0 बी0 का एक नोटिफिके ान है, जिसके मुताबिक डौमेथस्ट रेट बढ़ाये गए है। जहां पर पहले 50 पैसे लिए जाते थे वहां अब 65 पेस लिए जाएंगे ओर जहां पहले 60 पैसे लिए जो पहले अब 75 पैसे लिए जाएंगे। इसी प्रकार से 200 यूनिट से ऊपर सवा रूप्या पर यूनिट लिया जायेगा। मै जानना चाहता हूं कि क्या आप इस नोटिफीके ान के तहत रेट बढ़ाये गए है या नही? (विध्न)

श्री हुकम सिंह: मैने यह कहा है कि भाहर ओर छेहात मे ंरेट में कोई अन्तर नही हैं

श्री वीरेन्द्र सिंह: हमने तो मुख्य मंत्री महोदय की बात को मान लिया था जब इन्होने यह कहा कि कोई रेट रिवइज्ड नही किए एग ओर यह भी कहा कि टयूबवैल्ज के रेट रिवाइज्ड नही हुए ओर भाहर मे ंऔर देहात मे ंकोई अन्तर नही है।

श्रीमती कमला वर्मा: रेट बढ़े है, जबकि ये कह रहे है कि कोई रेट बढ़े ही नही।

श्री हुकम सिंह: बहन जी, रेट तो बढ़ाए है। लेकिन टयूबवैल्ज के रेट नही बढाये है। इसके अलावा देहात और भाहर के रेट में भी कोई अन्तर नही हैं (विध्न) स्पीकर साहबा, डाक्टर किरपा राम पुनिया ने एम0 डी0 यू0 अम्बेदकर चेयर स्थापित करने की बात कही थी। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता

हूं कि हरियाणा ऐसा पहला प्रांत है जिसमे ंहरिजनो ंको चौपाले बनायी गई है अैर किसी दूसरे प्रांत मे ंनही बनाई गई। हमने अगले साल के लिए इन चौपालों के लिए अधिका पैसा रखा है ताकि हरेक गांव में कम से कम एक हरिजन चौपाल तो हर हालत में बन सके। पुनिया साहब ने जो चेयर स्थापित करने की बात कही है कि तीन साढ़े तीन साल पहले उनहोने इस चेयर को स्थापित करवाने की कोि ा ा की थी इस बारे में मै डाक्टर साहब को बताना चाहता हूं कि इस पर 82 हजार रूप्या खर्च आयेगा और मै इन्हे वि वास दिलाता हूं कि इसके लिए हम धन जल्दी से जल्दी दे देगे ओर काम भुरू करवा देगे।

श्री किरपा राम पुनियाः 2 साल पहले 82 हाजर रूप्या तो सरकार ने दिया था (विध्न) लेकिन काम नही हुआ।

श्री हुकम सिंहः स्टाफ भर्ती ने होने के कारण यह काम नही हो सका था। अब मै इसे करवा दूंगा। पुनिया जी वैसे हम भी हरिजनो ंके हमदर्द है। केवल आप ही उनके हमदर्द नही हैं हरिजन हमारे भाई है। हमने भी उनके लिए लड़ाईया लड़ी हैं ओर अब कटारिया जी हरिजनो ंके ठेकेदार बन गए हैं

श्री रतन लाल कटारियाः आप पर तो किसी तरहह का कोई भाक नही है।

श्री हुकम सिंहः पुनिया जी 1947 और 1948 की बात आपको बताता हूं। उस समय हरिजन के साथ अच्छा बर्ताव नही

किया जाता था। लोग कुंए स`पानी तक नही भरने देते थे। पूरे गांव मे ंमेरा ही एक ऐसा घर था जहां हरिजनों के साथ कोई भेदभाव नही होता था। मेरे साथ दो हरिजन भाई रहते थे वे हमारे घर पर ही खाना खे थे ओर हमारे साथ रहते थे। इसी कारण से लोगों ने हमार सामाजिक बाईकाट किया था। हमारा घर दादरी मे ंपहला घर था जिस ने हरिजनों को कुंए से पानी भरने दिया। कटारिया साहब, हमने तो अब तक हरिजनों के लिए लड़ाईया लड़ी है ओर उनके साथ किसी तरह का भेदभाव नही किया। सभी हरिजन हमारे भाई हैं (विध्न) स्पीकर सर, जो साथियों ने अपनी सड़कों की बाते बताई वे मैने नोट कल ली हैं मै आदरणीय साथियो ंको वि वास दिलाता हूं कि जो भी मांग जिस साथी ने कि है, उनकी मांगों को हम जल्दी से जल्दी पूरा करेगे ताकि लोगों की जो तकलीफे है, वह दूर हो। सड़कों की बात कही जा रही थी पी0 डब्ल्यू0 डी0 ने केवल 220 किलोमीटर सड़के बनाई है। जहां से भी किसानों को मांग आएगी हम सडके बनाऐगे। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः हमारे यहां एक भी किलोमीटर सड़क नही बनी हैं (विध्न)

Mr. Speaker: Please sit down. No. Interruption please.

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः सड़के तो चाहे 1 हजार किलोमीटर बनी है, लेकिन मै एक बात कहना चाहता हू कि 3

साल हो गए हैं हरियाणा की सड़कों की रिपेयर ठीक नही हुई। चाहे काम थोड़ा हो लेकिन जो हो वह अच्छा होना चाहिए। 2 प्रति ात गांव ऐसे है जिनको सड़कों से जोड़ा नही गया या जिनकी सड़कों की हालत खस्ता है। क्या इनको ठीक करवाने की कार्यवाही की जाएगी?

श्री हुकम सिंहः ऐग्रीकल्चर माकीटिग गोर्ड की जो सड़के है, वे किसानों की मांग के अनुसार बनाई जाती है। और जहां से भी किसानों की मांग आती है, वहां सड़के बनाई जाती है। जहां पर वि ोश दिक्त पे ा आ रही है वहां पर भी ह सड़के बना रहे है और कही पर कोई भेदभाव नही है। (विध्न) जो जो बाते माननीय साथियों ने कही है, मैने सारी नोट की है। जो समस्याएं है उनका समाधान जल्दी ही करेगे। इसमें किसी की प्रायरिटी के आधार नही नही, क्राईटीरिया तय करके काम होगा। आखिर में मै सब का धन्यवाद करते हुए कहना चाहता हूं कि गवर्नर साहब को भेजे जाने वाले प्रस्ताव का सर्वसम्मति से पास किया जाए।

Mr. Speaker: Queston is—

That asn address be presented to the Governor in the following terms—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha aAssembled in the Session are deeply greateful to the Governor for the /Address which he has been pleased to deliver to the House on the 27 February 1991"

The motion was carried.

श्री अध्यक्षः जब हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक ऐडर्जन किया जाता है।

14.50 बजे

(तत्प चात् सदन बुधवार, दिनांक 6 मार्च, 1991 प्रांतः 9.30 बजे स्थगित हुआ।)